# वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

आ.व. २०८२/०८३



लुम्बिनी प्रदेश सरकार

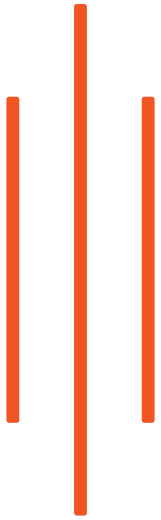
वन, वातावरण तथा पर्यटन मन्त्रालय

## वन निर्देशनालय

बुटवल, रुपन्देही

# वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

## आ.व. २०८२/०८३



लुम्बिनी प्रदेश सरकार

वन, वातावरण तथा पर्यटन मन्त्रालय

**वन निर्देशनालय**

बुटवल, रुपन्देही


फोन नं. ०७१-५७२९६८

E-mail: forestdirectorate5@gmail.com Website: https://pfdir.lumbini.gov.np

**प्रकाशक**

**वन निर्देशनालय**

लुम्बिनी प्रदेश, बुटवल, रुपन्देही

फोन नं. ०७१-५७२९६८

E-mail: forestdirectorate5@gmail.com

Website: https://pfdir.lumbini.gov.np

**सल्लाहकार**

महानिर्देशकः ईश्वरी प्रसाद पौडेल

**सम्पादक**

उपसचिव (प्रा.): यज्ञमूर्ति खनाल

वरिष्ठ वन अधिकृतः डिलाराम पौडेल

वरिष्ठ वन अधिकृतः जितेन्द्र खड्का

वरिष्ठ भू-संरक्षण अधिकृत : सरोज पोखरेल

**तयार गर्ने**

वरिष्ठ वन अधिकृतः संदीप बासुकला

**आवरण फोटो**

जलजला क्षेत्र रोल्पा

**मुद्रक**

प्रकाश अफसेट प्रेस, बुटवल ०७१-५३८५७९

# दुई शब्द



नेपालको संविधान (२०७२) को अनूसुची ६ अनुसार प्रदेश भित्रको राष्ट्रिय वन, जल उपयोग तथा वातावरण व्यवस्थापन प्रदेशको अधिकारको सूचीमा भए अनुसार लुम्बिनी प्रदेशको राष्ट्रिय वन व्यवस्थापनको लागि कार्यविभाजन नियमावली मार्फत प्रदेश सरकारले वन, वातावरण तथा पर्यटन मन्त्रालय गठन गरेको हो । वन, वातावरण तथा पर्यटन मन्त्रालय मातहत रहने गरी प्रदेशको समग्र वन संरक्षण, व्यवस्थापन र सदुपयोग तथा जलाधार व्यवस्थापनको लागि अनुगमन निरीक्षणका साथै समन्वयात्मक भूमिकामा वन निर्देशनालयको प्रशासनिक संगठन संरचना संचालनमा रहेको छ । यस निर्देशनालय अन्तरगत रहेको १४ वटा डिभिजन वन कार्यालयहरू र ४ वटा भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालयहरूबाट आ.व. २०८२/८३ मा सम्पादन भएका लुम्बिनी प्रदेशको वन संरक्षण र व्यवस्थापन तथा जलाधार व्यवस्थापनसँग सम्बन्धित कार्यहरूको सारांश प्रगति, जानकारी र सूचना सहज रूपमा प्रवाह गर्ने उद्देश्यले यो प्रतिवेदन तयार गरी प्रकाशन गरिएको छ ।

लुम्बिनी प्रदेशमा भएको ९ लाख ७४ हजार ३८१ हेक्टर वन क्षेत्रमध्ये वन पैदावारको दिगो तथा सतत् उत्पादनको लागि ४०२६ वटा सामुदायिक वन, ७ वटा चक्ला वन, ८ वटा साझेदारी वन, ४८० वटा कबुलियती वन, ३३ वटा धार्मिक वनबाट जम्मा ४,९०,५१९.०२ हेक्टर वन क्षेत्र समुदायमा आधारित वन व्यवस्थापन पद्धति अनुसार संरक्षण व्यवस्थापन भइरहेको छ । उक्त समुदायमा आधारित वन व्यवस्थापन तथा डिभिजन वन कार्यालय मार्फत भएका राष्ट्रिय वन व्यवस्थापनका विषयहरू, वन निर्देशनालयको परिचयात्मक जानाकारी, लुम्बिनी प्रदेशको समग्र वन क्षेत्र, आ. व. २०८२/८३ को वित्तीय तथा भौतिक प्रगति लगायतका विभिन्न पक्षहरूलाई ५ वटा भागमा विभाजन गरी पाचौं भागमा मातहतका कार्यालयहरूले सम्पादन गरेका कार्यहरू तथा अनुगमन निरीक्षणको क्रममा लिइएका तस्विरहरू समावेश गरी यो प्रतिवेदन तयार गरिएको छ। यो प्रतिवेदनमा विशेष गरी डिभिजन वन कार्यालय तथा भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालयबाट प्राप्त भएको तथ्याङ्क र जानकारी समावेश गरी तयार गरिएकोले यसबाट लुम्बिनी प्रदेशको वन, वातावरण, जलाधार, जैविक विविधता आदि विषयमा रुचि र चासो राख्ने सम्बन्धित क्षेत्रका विद्यार्थी, शिक्षक, अनुसन्धानकर्ता, योजना/परियोजना निर्माण गर्ने व्यक्ति संस्था वा निकाय, वन कर्मचारी, वन समूह तथा सञ्जालहरु एवम् सम्पुर्ण सरोकारवालाहरुलाई उपयोगी हुनेछ भन्ने अपेक्षा राखिएको छ ।

यस पुस्तिका तयार गर्न तथ्याङ्क उपलब्ध गराउने र प्रत्यक्ष तथा परोक्ष सहयोग गर्नुहुने यस निर्देशनालय र मातहतका सम्पूर्ण कार्यालयका कर्मचारीहरुलाई धन्यवाद दिन चाहन्छु । यो प्रतिवेदन तयारीमा अहोरात्र खट्ने वरिष्ठ वन अधिकृत सन्दीप बासुकलालाई विशेष धन्यवाद दिन चाहन्छु । साथै यस निर्देशनालयका उपसचिव (प्रा.) यज्ञमूर्ति खनाल, व्यवस्थापन तथा सूचना शाखाका वरिष्ठ वन अधिकृत डिलाराम पौडेल वरिष्ठ वन अधिकृत जितेन्द्र खड्का, वरिष्ठ भू संरक्षण अधिकृत सरोज पोखरेललाई पुस्तिका सम्पादनका लागि धन्यवाद दिन चाहन्छु । अन्तमा यस पुस्तिकामा भएका त्रुटीहरू औंल्याई आगामी समयमा यसलाई थप परिस्कृत बनाउन यहाँहरूको अमूल्य सहयोग रहनेछ भन्ने अपेक्षा गरेको छु । धन्यवाद !

.....

**ईश्वरी प्रसाद पौडेल**

महानिर्देशक

# विषय-सूची


**भाग १ वन निर्देशनालयको संक्षिप्त परिचय**

१.१ पृष्ठभूमि १

१.२ दरवन्दी र पदपूर्तिको अवस्था १

१.३ संगठन संरचना ३

१.४ वन निर्देशनालय र प्रदेश वन निर्देशक/महानिर्देशकले सम्पादन गर्नुपर्ने मुख्य मुख्य कार्यहरु ५

**भाग २ लुम्बिनी प्रदेशमा वन क्षेत्र**

२.१ पृष्ठभूमि ८

२.२ वन क्षेत्र ९

२.३ वनको व्यवस्थापनको आधारमा वनको विवरण १०

२.४ राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा संरक्षित क्षेत्रहरु १६

२.५ जलाधार क्षेत्र १७

२.६ सिमसार क्षेत्र १७

**भाग ३ वन व्यवस्थापन, वन पैदावार उत्पादन, विरुवा उत्पादन तथा वन संरक्षण सम्बन्धी विवरण**

३.१. वन व्यवस्थापन १८

३.२. वन पैदावार उत्पादन १९

३.३. नर्सरी, विरुवा उत्पादन तथा वृक्षारोपण सम्बन्धि विवरण ३२

३.४. वन संरक्षण विवरण ३५

३.५ मानव वन्यजन्तु सहअस्तित्व व्यवस्थापन सम्बन्धी विवरण ३८

३.६ वन उद्यम सम्बन्धी विवरण ४०

३.७ भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालयहरुको क्रियाकलाप सम्बन्धी विवरण ४२

३.८ वन क्षेत्रको जग्गा अन्य प्रयोजनको लागि प्रयोग भएको सम्बन्धि विवरण ४२

**भाग ४ वन तथा वातावरण मन्त्रालय र मातहतका निकायहरुबाट संचालित वार्षिक कार्यक्रमहरुको प्रगति विवरण**

४.१ वन तथा वातावरण मन्त्रालयको समग्र बजेट तथा प्रगति अवस्था ४४

**भाग ५ वन निर्देशनालयद्धारा सम्पादित मुख्य क्रियाकलापहरू**

५.१. वन विकास तथा व्यवस्थापन सम्बन्धमा निर्देशनालयबाट सम्पादन भएका कार्यहरू ६४

५.२. योजना तर्जुमा तथा अनुगमन सम्बन्धमा निर्देशनालयबाट सम्पादन भएका कार्यहरू ६५

५.३. वन तथा वन्यजन्तु संरक्षण सम्बन्धमा निर्देशनालयबाट सम्पादन भएका कार्यहरू ६५

५.४. वन निर्देशनालयबाट सम्पादित वार्षिक कार्यक्रम ६६

**अनुसूचीहरू**

अनुसूची १ वन निर्देशनालयबाट प्रदान गरिने सेवा (नागरिक वडापत्र) ६८

अनुसूची २ स्थापनाकाल देखि हालसम्मका प्रदेश वन निर्देशक/महानिर्देशकहरुको विवरण ६९

अनुसूची ३ आ.व.२०८२/०८३ मा यस कार्यालयमा कार्यरत कर्मचारीहरुको विवरण ७०

## प्रदेशको संक्षिप्त विवरण

| | |
|---|---|
| प्रदेशको जम्मा क्षेत्रफल (हे.) | १९,१९,४१७ |
| वन जंगलले ढाकेको क्षेत्रफल (हे.) | ११,०१,५६४ (NLCMS, २०२४) |
| **सामुदायिक वनको विवरण** | |
| सामुदायिक वनको संख्या | ४०२६ |
| सामुदायिक वनको क्षेत्रफल (हे.) | ४५४६८५.१३ |
| घरधुरी संख्या | ९३८६७० |
| औसत सामुदायिक वन क्षेत्र प्रति समुह (हे.) | ११२.५० |
| औसत घरधुरी प्रति समुह | २३३.०९ |
| औसत वन क्षेत्र प्रति घरधुरी (हे.) | ०.४८ |
| **साझेदारी वनको विवरण** | |
| साझेदारी वनको संख्या | ८ |
| साझेदारी वनको क्षेत्रफल (हे.) | २१८६३.०० |
| **धार्मिक वनको विवरण** | |
| वनको संख्या | ३३ |
| वनको क्षेत्रफल (हे.) | ९४९.८१ |
| **कबुलियती वनको विवरण** | |
| वनको संख्या | ४८० |
| वनको क्षेत्रफल (हे.) | २७७०.२८ |
| **दर्ता निजी वनको विवरण** | |
| वनको संख्या | ९५९ |
| वनको क्षेत्रफल (हे.) | ७९०.६२ |
| **चक्ला वन क्षेत्र** | |
| चक्ला वन क्षेत्रको संख्या | ७ |
| चक्ला वन क्षेत्रको क्षेत्रफल (हे.) | १०२४७.८० |
| **काठ, दाउरा उत्पादन/संकलन** | |
| **काठ (क्यू.फि.) संकलन** | **आ.व. २०८२/०८३** |
| सामुदायिक वनबाट | २५१२५९५.८ |
| सरकारद्वारा व्यवस्थित वनबाट | १६४३११.१ |
| साझेदारी वनबाट | ३९३५६६.४ |
| निजी वन (दर्ता नभएको समेत) बाट | २२१००६१.३४ |
| **दाउरा (चट्टा) संकलन** | |
| सामुदायिक वनबाट | ७१८०.७ |
| सरकारद्वारा व्यवस्थित वनबाट | ६४८.३ |
| साझेदारी वनबाट | १२६९ |
| निजी वन (दर्ता नभएको समेत)बाट | ४४०८.३६ |

# भाग १

# वन निर्देशनालयको संक्षिप्त परिचय

## १.१ पृष्ठभूमि

लुम्बिनी प्रदेश सरकारको प्रदेश सरकार (कार्य विभाजन) नियमावली २०८३ अनुसार वन, भू संरक्षण, वातावरण तथा पर्यटनसँग सम्बन्धित विषय हेर्ने गरी प्रदेश सरकार अन्तर्गत वन, वातावरण तथा पर्यटन मन्त्रालय रहने व्यवस्था रहेको छ । त्यसैगरी वन, वातावरण तथा पर्यटन मन्त्रालय अन्तर्गत प्रदेशस्तरको वन निर्देशनालय र वन अनुसन्धान तथा प्रशिक्षण केन्द्र रहने व्यवस्था छ । वन निर्देशनालय अन्तर्गत १४ डिभिजन वन कार्यालय र ४ भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालय रहेका छन् । प्रदेश सरकार, वन, वातावरण तथा पर्यटन मन्त्रालय र डिभिजन वन कार्यालय एवं भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालयविच समन्वयकारी भूमिका तथा अनुगमन निरिक्षण एवं सुपरिवेक्षण गरी पृष्ठपोषण प्रदान गर्ने उद्देश्यले वन निर्देशनालयको परिकल्पना गरिएको हो । प्रदेश सरकारको मिति २०७५/०४/१४ को निर्णयानुसार रुपन्देही जिल्लाको सिद्धार्थनगर नगरपालिका-७. गार्गी पथ, भैरहवामा मिति २०७५/७/१२ देखि वन निर्देशनालयको कार्य संचालन हुँदै आएकोमा वन तथा वातावरण मन्त्रालयको मिति २०८०/०१/०३ को निर्णयानुसार रूपन्देही जिल्लाको बुटवल उपमहानगरपालिका-८ स्थित साविक वन तथा वातावरण मन्त्रालय रहेको भवनवाट हाल निर्देशनालयको कार्यालय सञ्चालन हुँदै आइरहेको छ।

## १.२ दरवन्दी र पदपूर्तिको अवस्था

वन निर्देशनालयको कुल कर्मचारी दरवन्दी संख्या २८ रहेको छ । लुम्बिनी प्रदेश सरकारको मिति २०८१/०५/०६ को निर्णयबाट स्वीकृत दरवन्दी सम्बन्धी सम्पूर्ण विवरण निम्न तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका १ निर्देशनालयको दरवन्दी र पदपूर्तिको अवस्था

| सि. नं. | पद | श्रेणी | सेवा/समूह | तह | कूल दरवन्दी | पदपूर्ति | रिक्त | कैफियत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | प्रदेश वन निर्देशक | रा.प.प्रथम प्रा. | वन/ज.फ. | अ. एघारौं | १ | १ | ० | |
| २ | वन व्यवस्थापन अधिकृत | रा.प.द्वितीय प्रा. | वन/ज.फ. | अ.नवौं/दशौं | ३ | ० | ३ | |
| ३ | वन संरक्षण अधिकृत | रा.प.द्वितीय प्रा. | वन/ज.फ. | अ. नवौं/दशौं | | | | |
| ४ | योजना अधिकृत | रा.प.द्वितीय प्रा. | वन/ज.फ. | अ.नवौं/दशौं | | | | |
| ५ | बरिष्ठ वाली बिकास अधिकृत | रा.प.द्वितीय प्रा. | कृषि/एग्रोनोमी | अ.नवौं/दशौं | १ | ० | १ | |
| ६ | भू-संरक्षण अधिकृत | रा.प.तृतीय प्रा. | वन/स्वा.एण्ड वा.क. | अ.सातौं/आठौं | १ | १ | ० | |

| सि. नं. | पद | श्रेणी | सेवा/समूह | तह | कूल दरवन्दी | पदपूर्ति | रिक्त | कैफियत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७ | वन अधिकृत | रा.प.तृतीय प्रा. | वन/ज.फ. | अ.सातौं/आठौं | ३ | ३ | ० | |
| ८ | शाखा अधिकृत | रा.प.तृतीय | प्रशासन/सा.प्र. | अ.सातौं/आठौं | १ | ० | १ | |
| ९ | रेन्जर | रा.प.अनं.प्र.प्रा. | वन/ज.फ. | स.पाचौं/अ. छैटौं | ३ | २ | १ | |
| १० | भू-संरक्षण सहायक | रा.प.अनं.प्र.प्रा. | वन/स्वा.एण्ड वा.क. | स.पाचौं/अ. छैटौं | १ | १ | ० | |
| ११ | ना.सु | रा.प.अनं.प्र. | प्रशासन/सा.प्र. | स.पाचौं/अ. छैटौं | १ | ० | १ | |
| १२ | लेखापाल | रा.प.अनं.प्र. | प्रशासन/लेखा | स.पाचौं/अ. छैटौं | १ | १ | ० | |
| १३ | क.अपरेटर | रा.प.अनं.प्र. | विविध/विविध | स.पाचौं/अ. छैटौं | १ | १ | ० | करार सेवा |
| १४ | खरिदार | रा.प.अनं.द्वि | प्रशासन/सा.प्र. | स.चौंथो/पाचौं | १ | ० | १ | |
| १५ | फरेष्टर | रा.प.अनं.द्वि.प्रा. | वन/ज.फ. | स.चौंथो/पाचौं | २ | १ | १ | |
| १६ | वन रक्षक | श्रेणी विहिन | वन/ज.फ. | तह विहिन | २ | ० | २ | |
| १७ | ह.स.चा. | श्रेणी विहिन | प्रशासन/सा.प्र. | तह विहिन | २ | २ | ० | करार सेवा |
| १८ | का.स | श्रेणी विहिन | प्रशासन/सा.प्र. | तह विहिन | ४ | ४ | ० | करार सेवा |
| | जम्मा | | | | २८ | १६ | ११ | |

*(स्रोतः प्रशासन शाखा, वन निर्देशनालय, बुटवल, २०८३)*

साविकको वन तथा वातावरण मन्त्रालय अन्तर्गत वन तथा वातावरण मन्त्रालयमा ११४ जना, वन निर्देशनालयमा २८ जना, वन अनुसन्धान तथा प्रशिक्षण केन्द्र १० जना, डिभिजन वन कार्यालय १४ वटामा जम्मा १०३३ जना र भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालय ४ वटामा जम्मा ५० जना गरी कुल जम्मा १२३५ जनाको दरवन्दी रहेको छ ।

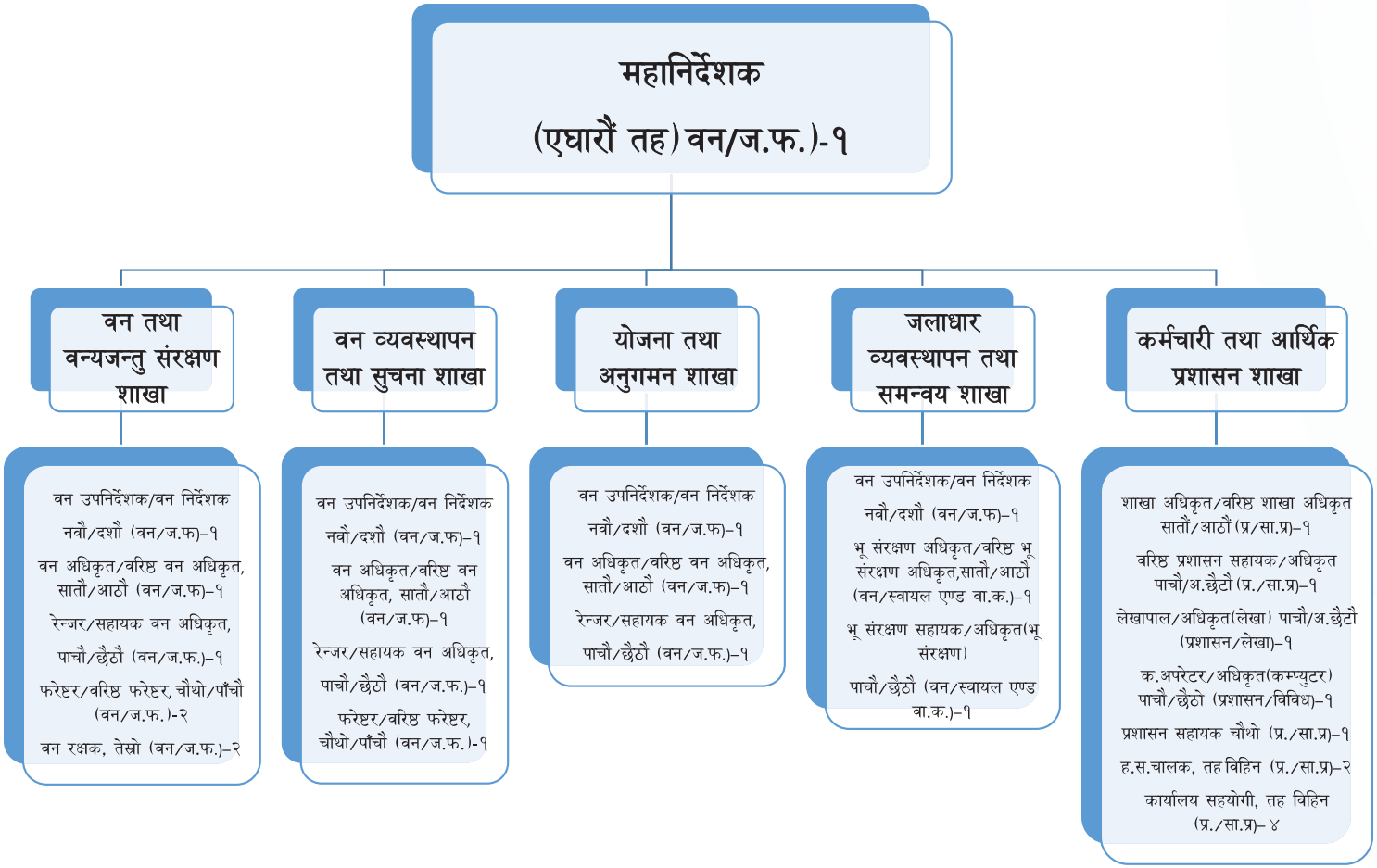
तालिका २ वन निर्देशनालय अन्तर्गत पर्ने कार्यालयहरुको ठेगाना र दरबन्दी विवरण

| सि. नं. | डिभिजन वन कार्यालय | | |
|---|---|---|---|
| | नाम | ठेगाना | कूल दरवन्दी |
| १ | डिभिजन वन कार्यालय, नवलपरासी(व.सु.प.) | रामग्राम न.पा.२, परासी | ७७ |
| २ | डिभिजन वन कार्यालय, रुपन्देही | ओमसतिया गा.पा.-४, बसन्तपुर, रुपन्देही | ९२ |
| ३ | डिभिजन वन कार्यालय, पाल्पा | तानसेन न.पा.-५, बारुदखान, पाल्पा | ६१ |
| ४ | डिभिजन वन कार्यालय, गुल्मी | रेसुङ्गा न.पा.८, तम्घास, गुल्मी | ४६ |
| ५ | डिभिजन वन कार्यालय, अर्घाखाँची | सन्धीखर्क न.पा.-४, अर्घाखाँची | ५१ |
| ६ | डिभिजन वन कार्यालय, कपिलवस्तु | कपिलबस्तु न.पा.-२, तौलिहवा | ९२ |
| ७ | डिभिजन वन कार्यालय, कपिलवस्तु (गौतमबुद्ध) | शिवराज न.पा.-५, चन्द्रौटा | ९२ |
| ८ | डिभिजन वन कार्यालय, दाङ (दाङ) | घोराही उ.म.न.पा.-१४, भरतपुर, दाङ | १०८ |
| ९ | डिभिजन वन कार्यालय, दाङ (देउखुरी) | लमही न.पा.-५, दाङ | १०८ |
| १० | डिभिजन वन कार्यालय, बाँके | नेपालगञ्ज उ.म.न.पा.-१४, सुर्खेतरोड, बाँके | ९३ |
| ११ | डिभिजन वन कार्यालय, बर्दिया | गुलरिया न.पा.-५, बर्दिया | ७६ |
| १२ | डिभिजन वन कार्यालय, प्यूठान | मल्लरानी गा.पा.-४, खलंगा | ४६ |
| १३ | डिभिजन वन कार्यालय, रोल्पा | रोल्पा न.पा.-४, लिवाङ | ५६ |
| १४ | डिभिजन वन कार्यालय, रुकुम पूर्व | सिस्ने गा.पा.-५, रूकुमपूर्व | ३५ |
| | **भू-तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालय** | | |
| १ | भू-तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालय, पाल्पा | तानसेन न.पा.-५, बारुदखान, पाल्पा | १७ |
| २ | भू-तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालय, दाङ | तुल्सीपुर उ.म.न.पा.-६, दाङ | १७ |
| ३ | भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालय, अर्घाखाँची | सन्धीखर्क न.पा.-१, अर्घाखाँची | ८ |
| ४ | भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालय, रोल्पा | रोल्पा न.पा.-२, रोल्पा | ८ |
| | | | १०८३ |

*(स्रोतः प्रशासन शाखा, वन निर्देशनालय, बुटवल, २०८३)*

## १.३ संगठन संरचना

वन निर्देशनालयमा महानिर्देशक मातहत रहने गरी वन तथा वन्यजन्तु संरक्षण शाखा, वन व्यवस्थापन तथा सूचना शाखा, योजना तथा अनुगमन शाखा, जलाधार व्यवस्थापन तथा समन्वय शाखा र कर्मचारी प्रशासन शाखा गरी कूल ५ शाखा रहेका छन्। सोही बमोजिमको वन निर्देशनालयको सांगठनिक संरचना तल प्रस्तुत गरिएको छ।




चित्र नं १ वन निर्देशनालयको सांगठनिक संरचना

## १.४ वन निर्देशनालय र प्रदेश वन निर्देशक/महानिर्देशकले सम्पादन गर्नुपर्ने मुख्य मुख्य कार्यहरु

लुम्बिनी प्रदेश सरकार, वन, वातावरण तथा पर्यटन मन्त्रालयको सांगठनिक संरचना अन्तर्गत रहेको वन निर्देशनालय मन्त्रालयको एउटा महत्वपूर्ण अङ्ग हो। संघ र प्रदेशका वन र वातावरण सम्बन्धी कानूनले यसको भुमिका प्रष्टरुपमा उल्लेख गरेको छ। डिभिजनस्तरका कार्यालयहरु र मन्त्रालय तथा वन विभागबीच समन्वयकारी भूमिकामा वन निर्देशनालय रहेको, मन्त्रालयको नीति निर्माण, योजना, बजेट र कार्यक्रम तर्जुमा तथा वन संरक्षण, व्यवस्थापन, विकास, सदुपयोग र कार्यक्रम कार्यान्वयनको समग्र अनुगमन यसको जिम्मेवारी भित्र पर्दछन्। सङ्घीय तथा लुम्बिनी प्रदेशको वन र वातावरण सम्बन्धी ऐन, नियमावली, वन पैदावार संकलन तथा बिक्री वितरण निर्देशिका समेतमा उल्लेखित व्यवस्थाहरू अनुसार निर्देशनालय र वन निर्देशक/महानिर्देशकले सम्पादन गर्ने मुख्य मुख्य कार्यहरु देहाय बमोजिम प्रस्तुत गरिएको छः

**१. कार्ययोजना स्वीकृत गर्नेः** डिभिजन वन कार्यालयहरुबाट सिफारिस भई आएका साझेदारी वनको कार्ययोजना (संशोधित कार्ययोजना समेत), संरक्षित वनको कार्ययोजना, जडिबुटी व्यवस्थापन योजना, जिल्ला/वन पैदावार आपूर्तिको वार्षिक कार्ययोजना र मन्त्रालयबाट प्रस्ताव स्वीकृत भएका व्यवसायिक कबुलियती वनको कार्ययोजना वन निर्देशक/महानिर्देशकले स्वीकृत गर्ने ।

**२. साझेदारी वन र व्यवसायिक कबुलियती वन फिर्ता लिनेः** प्रचलित कानून, स्वीकृत कार्ययोजना र कार्यविधि/निर्देशिकामा उल्लेखित व्यवस्थाहरुको बर्खिलाप काम गरी वनस्रोत र वातावरणमा उल्लेखनीय प्रतिकुल असर पर्ने कार्य गरेमा निर्देशकले त्यस्तो साझेदारी वन फिर्ता लिन र समुह विघटन गर्न सक्ने ।

**३. पुनरावेदन/उजुरी सुन्ने र अन्तिम निर्णय दिनेः** सामुदायिक वन फिर्ता लिई समुह दर्ता खारेज गर्ने, धार्मिक वन फिर्ता लिने, गरीबको लागि प्रदान गरिएको कबुलियती वन फिर्ता लिने र बेवारिसे तथा दहत्तर बहत्तर काठ, दाउराको हकदावी सम्बन्धी निर्णयमा डिभिजनल वन अधिकृतले गरेको निर्णय चित्त नबुझ्ने सम्बन्धित पक्षले महानिर्देशकसमश पुनरावेदन दिन सक्ने र महानिर्देशकले गरेको निर्णय अन्तिम हुने ।

**४. कोड अद्यावधिक गर्नेः** सामुदायिक वन उपभोक्ता समुहको कोड अद्यावधिक गर्ने।

**५. टाँचा र सिल तयार गरी उपलब्ध गराउनेः** डिभिजन वन कार्यालयहरुले प्रयोग गर्ने टाँचा र सिल निर्देशनालयले तयार गरी उपलब्ध गराउनु पर्ने ।

**६. रुख कटान प्रक्रियामा तोकिएका कार्यहरु गर्नेः** रुख कटान तथा संकलनको क्रममा छपान चेकजाँच, कटानको लागि म्याद थप, जंगलमै घाटगद्दी र चिरान गर्नु पर्ने विशेष अवस्था परेमा त्यसको लागि स्वीकृति प्रदान, घाटगद्दी र ग्रेडिङ्ग चेकजाँच र कटान प्लटको अन्तिम जाँच निर्देशक वा निजले तोकेको अधिकृत प्रतिनिधीबाट गर्नु, गराउनु पर्ने। साथै लिलाम बिक्री भएका काठ, दाउरा डिभिजनल वन अधिकृतले दिएको र थप गरेको म्यादभित्र समेत उठाउन नसकेमा डिभिजनल वन अधिकृतको सिफारिसमा म्याद थप गर्ने।

**७. वन पैदावारको लिलाम स्वीकृत गर्नेः** डिभिजन वन कार्यालयहरुले वन पैदावार लिलाम बिक्री गरेपछि तोकिएको सकार रकमको लिलाम स्वीकृत वन निर्देशक/महानिर्देशकले गर्नुपर्ने ।

**८. अमानतबाट काम गर्ने स्वीकृति प्रदान गर्नेः** वार्षिक स्वीकृत कार्यक्रम एवम् रुखकटान, मुछान र संकलन कार्य कारणवश अमानतबाट गर्नुपर्ने अवस्था सृजना भई स्वीकृतिको लागि पेश हुन आएमा प्रचलित कानूनको अधिनमा रही स्वीकृति प्रदान गर्ने।

**९. खडा वा ढलेका रुखै बिक्री गर्नु परेमा** उक्त कार्य गर्नु पूर्व वन निर्देशक/महानिर्देशकको स्वीकृती लिनु पर्ने ।

**१०. कबुलियती वनको प्रमाणपत्रको प्रतिलिपी उपलब्ध गराउनेः** व्यवसायिक कबुलियती वनको प्रमाणपत्र हराएमा, च्यातिएमा, नष्ट भएमा वा अरु कुनै प्रकारले काम नलाग्ने भई सो को प्रतिलिपि लिन परेमा निर्देशनालयमा निवेदन दिनु पर्ने। निवेदन पर्न आएमा वन निर्देशक/महानिर्देशकले ५ हजार रुपैयाँ दस्तुर लिई कबुलियती वनको प्रमाणपत्रको प्रतिलिपि दिनु पर्ने ।

**११. व्यवसायिक कबुलियती वनको कार्य शुरु गर्ने म्याद थप गर्नेः** व्यवसायिक कबुलियती वन लिने व्यक्ति वा संस्थाले विशेष कारणले स्वीकृत कार्ययोजना र कबुलियतनामाको अवधिभित्र कार्य शुरु गर्न नसकेको भनी म्याद थपको माग गरेमा र उक्त माग मुनासिब लागेमा वन निर्देशक/महानिर्देशकले ६ महिनासम्म म्याद थप गर्न सक्ने ।

**१२. कार्ययोजनासहित प्रतिवेदन पेश गर्नुपर्नेः** मानव वन्यजन्तु सहअस्तित्व व्यवस्थापनका लागि विभिन्न भौगलिक क्षेत्रमा गरेका प्रयास र उपलब्धिका साथै विद्यमान समस्या र अवलम्बन गर्नु पर्ने उपाय पहिचान गरी कार्ययोजना सहित प्रत्येक वर्ष निर्देशनालयले विभाग तथा प्रदेश मन्त्रालय समक्ष र विभागले मन्त्रालय समक्ष प्रतिवेदन पेश गर्नु पर्नेछ ।

**१३. आवश्यक समन्वय, सहजीकरण र सहयोग गर्नुपर्नेः** वन निर्देशक/महानिर्देशकले राष्ट्रिय वनको सुरक्षाको सम्बन्धमा डिभिजन वन कार्यालयबाट भएको क्रियाकलापको नियमित अनुगमन गरी आवश्यक समन्वय, सहजीकरण र सहयोग गर्नुपर्ने ।

**१४. सामुदायिक वनको कार्ययोजना संशोधनको सहमति दिनेः** कार्ययोजना स्वीकृत भएको २ वर्ष अगावै विशेष कारणवश कार्ययोजना संशोधन गर्न आवश्यक परेको भनी डिभिजन वन कार्यालयको राय र सिफारिससहित पेश हुन आएमा संशोधनको लागि डिभिजन वन कार्यालयलाई सहमति दिने ।

**१५. काठ प्रयोग गर्ने सहमति दिनेः** डिभिजन वन कार्यालयले वन विकास, व्यवस्थापन, डिभिजन/सव-डिभिजनको भवन निर्माण तथा मर्मत आदि कार्यमा डि.व.का. बाट उत्पादित वा मौज्दात काठ प्रयोग गर्न सहमति माग गरेमा लगत अभिलेख व्यवस्थित गरी सदुपयोग गर्न सहमति दिन सक्ने ।

**१६. समितिको सदस्यः** बिक्री वितरण हुन नसकी लामो समयसम्म घाटगद्दीमा रहिरहेका र हैसियत/गुणस्तर ह्रास भइरहेका पुराना काठ, दाउरा मुल्याँकन समितिको सदस्यमा वन निर्देशक/महानिर्देशक रहने व्यवस्था रहेको।

**१७. सिफारिस र राय दिनेः** निर्देशनालयले देहायका विषयहरुमा मन्त्रालयलाई सिफारिस गर्ने र राय उपलब्ध गराउने गर्दछः

- डिभिजन वन कार्यालयहरुबाट प्राप्त आवधिक योजनासहितको रणनीतिक योजना स्वीकृतिको लागि मन्त्रालयमा सिफारिस गर्ने ।
- सरकारद्वारा व्यवस्थित वन (चक्ला वन समेत) को कार्ययोजना स्वीकृतिको लागि मन्त्रालयमा रायसहित पेश गर्ने।
- वन्यजन्तु पालन सम्बन्धी पेश हुन आएको प्रस्तावमा अध्ययन गरी रायसाथ मन्त्रालयमा पठाउने ।
- वन्यजन्तु अस्पताल र उद्धार केन्द्र जैविक मार्ग र बर्ड स्यान्चुरी सम्बन्धी डिभिजन वन कार्यालयले तयार गरी पेश गरेका कार्ययोजनाहरू अध्ययन गरी स्वीकृतिको लागि सिफारिससाथ मन्त्रालयमा पेश गर्ने ।
- हावाहुरी, बाढी, पहिरो, हिमपात, आगजनी, किरा र रोगको सङ्क्रमण जस्ता विपद् जन्य घटनाका कारण क्षति हुन पुगेको वन पैदावर संकलन स्वीकृतको लागि डिभिजन वन कार्यालयबाट आवश्यक प्रमाण र प्रक्रिया पुरा गरी पेश हुन आएमा प्रदेश वन निर्देशक/महानिर्देशकले मन्त्रालयमा सिफारिस गर्ने ।

**१८. अध्ययन अनुसन्धानको अनुमति दिन सक्नेः** कुनै व्यक्ति, संस्था वा निकायले वर्ड स्यान्चुरी तथा जैविक मार्गमा अध्ययन अनुसन्धान गर्नु परेमा निर्देशनालयले तोकिए बमोजिम अनुमति दिन सक्ने ।

**१९. वन्यजन्तु पालनको अनुमति दिन सक्नेः** मन्त्रालयमा पेश भएको प्रस्ताव स्वीकृत भएमा तोकिए बमोजिमको दस्तुर लिई निर्देशनालयले वन्यजन्तु पालनको लागि आवश्यक शर्त तोकी अनुमति दिन सक्ने ।

**२०. वन्यजन्तुमैत्री संरचनाको अनुगमन** निर्देशनालयले आफ्नो कार्यक्षेत्र भित्र निर्माण भएका वन्यजन्तुमैत्री संरचनाको सम्बन्धमा अनुगमन गरी सोको प्रतिवेदन प्रदेशको वन तथा वातावरण सम्बन्धि विषय हेर्ने मन्त्रालयमा पेश गर्ने।

**२१. एकाइ सदस्यः** प्रदेश वन्यजन्तु अपराध नियन्त्रण एकाइ सदस्यमा निर्देशक रहने व्यवस्था रहेको।

**२२. अनुगमन तथा निरीक्षण गर्ने र प्रतिवेदन पेश गर्नेः** मातहतका डिभिजन वन कार्यालय र भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालयहरुबाट सञ्चालित विकास निर्माण कार्यहरु, विभिन्न वन व्यवस्थापन पद्धतिका वन कार्ययोजना कार्यान्वयनको अवस्था, वन तथा वन्यजन्तु संरक्षण, रुख छपान/कटान/घाटगद्दी/ ग्रेडिङ्ग/ बिक्री वितरण, राष्ट्रिय वनक्षेत्र भोगाधिकारमा लिई सञ्चालनमा रहेका विकास आयोजनाहरु, वनक्षेत्रमा सञ्चालित खानीहरु, वन्यजन्तुमैत्री संरचना, वन्यजन्तुबाट भएको क्षतिको राहत वितरण आदिको अनुगमन निरीक्षण गरी पृष्ठपोषण दिने, प्रतिवेदन तयार गरी मन्त्रालय र वन विभागमा पेश गर्ने जिम्मेवारी निर्देशनालयलाई तोकिएको ।

**२३. तोकिएका अन्य कार्यहरुः** वन तथा वातावरण मन्त्रालय (संघ र प्रदेश), वन तथा भू-संरक्षण विभाग, अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग आदि निकायहरुबाट प्राप्त निर्णय र आदेश कार्यान्वयन गर्ने गराउने कार्य समेत निर्देशनालयले गर्ने गर्दछ।

२४. डिभिजन वन कार्यालयले तयार गरी पेश गरेका कार्ययोजनाहरू अध्ययन गरी स्वीकृतिका लागि सिफारिससाथ मन्त्रालयमा पेश गर्ने ।

# भाग २

# लुम्बिनी प्रदेशमा वन क्षेत्र

## २.१ पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानको अनुसूची-४ बमोजिम लुम्बिनी प्रदेशमा नवलपरासी (बर्दघाट सुस्ता पश्चिम), रुपन्देही, कपिलबस्तु, पाल्पा, अर्घाखाँची, गुल्मी, रुकुम (पूर्वी भाग), रोल्पा, प्यूठान, दाङ, बाँके, बर्दिया गरी १२ जिल्लाहरु रहेका छन्। यस प्रदेशका १२ जिल्लामध्ये रूकुमपूर्व हिमाली जिल्ला र भित्री मधेशको जिल्लाको रूपमा दाङ जिल्ला रहेको छ भने पाल्पा, अर्घाखाँची, गुल्मी, रोल्पा, प्यूठान गरी पाँच जिल्ला पहाडमा र बाँकी अन्य ६ जिल्ला तराईमा रहेका छन्। यस प्रदेशमा ४ उप-महानगरपालिका, ३२ नगरपालिका र ७३ गाउँपालिका गरी कूल १०९ वटा स्थानीय तहहरु रहेका छन्। ती स्थानीय तहमा ९८३ वडाहरू छन् । यस लुम्बिनी प्रदेश उत्तरमा पुथा हिमालदेखि दक्षिणमा मर्चवारसम्म, पूर्वमा पाल्पाको रामपुर देखि पश्चिममा बर्दियाको राजापुरसम्म जम्मा १९,१९,४१७ हेक्टर भू-भागमा फैलिएर रहेको छ । यस प्रदेशले नेपालको कूल क्षेत्रफलको १३.०१ प्रतिशत हिस्सा ओगटेको छ । वि.सं. २०७८ को जनगणनाको प्रतिवेदन अनुसार लुम्बिनी प्रदेशमा कूल ५१,२४,२२५ जनसंख्या रहेको छ जसमा पुरुष २४,५७,४८४ र महिला २६,६६,७४१ छन्। यहाँका १०,०६,४५० घरधुरीमा ११,५५.५२३ परिवार बसोबास गर्दै आएका छन् ।

लुम्बिनी प्रदेशमा कुल वन क्षेत्र १०,९४,४७७ हेक्टर रहेको छ, जुन प्रदेशको कुल भू-भागको ५७.०२% हुन आउँछ । साथै यो देशको कुल वन क्षेत्रको करिब १६.१% हो (स्रोतः, NLCMS, २०२४)। यस प्रदेशमा बर्दिया राष्ट्रिय निकुञ्ज, बाँके राष्ट्रिय निकुञ्ज, कृष्णसार संरक्षण क्षेत्र, ढोरपाटन शिकार आरक्षको केही भागको अलावा बाँके र बर्दिया राष्ट्रिय निकुञ्जको मध्यवर्ति क्षेत्र र चितवन राष्ट्रिय निकुञ्जको मध्यवर्ति क्षेत्र (केहि भाग नवलपरासी व.सु.प.मा पर्ने) गरी कुल २,७९,४५८ हे. क्षेत्र संरक्षित क्षेत्रले ओगटेको छ । जसमध्ये संरक्षित क्षेत्रमा १,८५,१०२ हे. वन क्षेत्र रहेको पाइन्छ । क्षेत्रफलको आधारमा यस प्रदेशमा सबैभन्दा बढी वन क्षेत्र दाङ जिल्लामा रहेको छ भने सबैभन्दा कम नवलपरासी (बर्दघाट सुस्ता पश्चिम) जिल्लामा रहेको छ । यस प्रदेशका १८ वटा स्थानीय तहमा १००० हे. भन्दा कम वन क्षेत्र रहेको छ भने ९ वटा स्थानीय तहमा वन क्षेत्र शुन्य रहेको छ (स्रोतः, DFRS, २०१५)।

यो प्रदेश भौगोलिक हिसावले तराई, चुरे, मध्य पहाड, उच्च पहाड तथा हिमाली क्षेत्रमा विभाजन भएको छ। यस प्रदेशको वन क्षेत्र तराईमा १,३४,७१० हेक्टर, चुरेमा सबैभन्दा धेरै ४,२४,२०० हेक्टर, मध्य पहाडमा ३२,३६० हेक्टर, उच्च पहाडमा ८५.६४० हेक्टर र सबैभन्दा कम वन क्षेत्र हिमाली भागमा ६,४७० हेक्टर रहेको छ (स्रोतः, DFRS, २०१५)।

## २.२ वन क्षेत्र

### क. भौगोलिक क्षेत्र अनुसार वनको विवरण

लुम्बिनी प्रदेश भौगोलिक हिसावले तराई, चुरे, मध्य पहाड, उच्च पहाड तथा उच्च हिमालमा विभाजन भएको छ। यस प्रदेशको चुरेमा सबैभन्दा धेरै वन क्षेत्र (४२४,२०० हेक्टर) र सबैभन्दा कम वन क्षेत्र उच्च हिमालमा (६,४७० हेक्टर) रहेको छ ।

तालिका ३ लुम्बिनी प्रदेशको भौगोलिक क्षेत्र अनुसार वन क्षेत्रको विवरण (हेक्टर हजारमा)

| क्र.सं. | जिल्ला | तराई | चुरे | मध्य पहाड | उच्च पहाड | उच्च हिमाल | कूल वन क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | नवलपरासी(व.सु.प.) | ०.७१ | १६.०१ | ५.२७ | ०.०० | ०.०० | २१.९९ |
| २ | रुपन्देही | ६.७९ | १८.७२ | ०.०० | ०.०० | ०.०० | २५.५१ |
| ३ | पाल्पा | ०.०० | १९.४८ | ६३.२९ | ०.०० | ०.०० | ८२.७७ |
| ४ | कपिलबस्तु | ३९.३५ | २१.६२ | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ६०.९७ |
| ५ | गुल्मी | ०.०० | ०.०० | ४६.२९ | ०.०४ | ०.०० | ४६.३३ |
| ६ | अर्घाखांची | ०.०० | ४०.२० | ३३.७६ | ०.०० | ०.०० | ७३.९६ |
| ७ | प्यूठान | ०.०० | १.९९ | ५५.६० | ७.०७ | ०.०० | ६४.६६ |
| ८ | रोल्पा | ०.०० | ०.०० | ७६.३८ | २३.२२ | ०.०० | ९९.६० |
| ९ | रुकुम पूर्व | ०.०० | ०.०० | ४.४९ | ५५.३१ | ६.४७ | ६६.२७ |
| १० | दाङ | ०.०० | १६२.४४ | ३८.२८ | ०.०० | ०.०० | २००.७२ |
| ११ | बांके | ४०.४६ | ७७.४५ | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ११७.९१ |
| १२ | बर्दिया | ४७.४० | ६६.२९ | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ११३.६९ |
| **जम्मा** | | **१३४.७१** | **४२४.२०** | **३२३.३६** | **८५.६४** | **६.४७** | **९७४.३८१** |

*स्रोतः DFRS, २०१५*

### ख. जिल्लागत रुपमा वन क्षेत्रको विवरण

लुम्बिनी प्रदेशको कूल क्षेत्रफल मध्ये ९,७४,३८१ हेक्टर क्षेत्रफल सघन तथा अन्य काष्ठ तथा बुट्यान क्षेत्र अन्तरगत पर्दछ । बाँकी जमिन अन्य क्षेत्र जस्तै कृषि क्षेत्र, बसोबास क्षेत्र, खोला नालाले ओगटेको क्षेत्र तथा बाँझो जमिन आदि पर्दछ ।

तालिका ४: लुम्बिनी प्रदेशको जिल्लागत रुपमा वन क्षेत्र तथा अन्य क्षेत्रको विवरण

| क्र.सं. | जिल्ला | सघन वन क्षेत्र | अन्य काष्ठ तथा बूट्यान क्षेत्र | कूल वन क्षेत्र हेक्टरमा |
|---|---|---|---|---|
| १ | नवलपरासी(व.सु.प.) | २१९६० | ३७ | २१९९७ |
| २ | रुपन्देही | २५१०५ | ४०३ | २५५०८ |
| ३ | पाल्पा | ७७९७४ | ४७९९ | ८२७७३ |
| ४ | कपिलबस्तु | ५९०२५ | १९४४ | ६०९६९ |
| ५ | गुल्मी | ४५२१५ | ११२४ | ४६३३९ |
| ६ | अर्घाखांची | ७३१४२ | ८१८ | ७३९६० |
| ७ | प्यूठान | ६४२३५ | ४३१ | ६४६६६ |
| ८ | रोल्पा | ९४४४७ | ५१५१ | ९९५९८ |
| ९ | रुकुम पूर्व | ५५६५० | १०६०० | ६६२५० |
| १० | दाङ | १९२६८२ | ८०४३ | २००७२५ |
| ११ | बांके | ११६३६० | १५४९ | ११७९०९ |
| १२ | बर्दिया | १११५५० | २१३७ | ११३६८७ |
| जम्मा | | ९३७३४५ | ३७०३६ | ९७४३८१ |

*स्रोतः DFRS, २०१५*

## २.३ वनको व्यवस्थापनको आधारमा वनको विवरण

वन ऐन २०७६ अनुसार वनक्षेत्र भन्नाले निजी स्वामित्वको हक भोगको र प्रचलित कानूनले अन्यथा व्यवस्था गरेको बाहेकको वन सिमाना लगाइएको वा नलगाइएको वनले घेरिएको वा वनभित्र रहेको घाँसेमैदान, खर्क, हिउँले ढाकेको वा नढाकेको नाङ्गो पहाड, बाटो, पोखरी, ताल तलैया, सिमसार, नदी, खोलानाला, वगर, पर्ति वा ऐलानी जग्गाले ओगटेको क्षेत्र बुझिन्छ। यस प्रदेशमा वनलाई व्यवस्थापनको आधारमा निम्नानुसार वर्गीकरण गरिएको छ ।

### २.३.१ राष्ट्रिय वन

राष्ट्रिय वन भन्नाले निजी वन बाहेक नेपाल राज्यभित्रको सिमाना लगाएको वा नलगाएको सबै वन क्षेत्रलाई जनाँउछ। सो शब्दले वनले घेरिएको वा छेउछाउमा रहेको पर्ती वा ऐलानी जग्गा तथा वन भित्र रहेका बाटो, पोखरी, ताल वा खोलानाला र बगर समेतलाई जनाउँछ। राष्ट्रिय वनलाई निम्न प्रकारमा वर्गिकरण गरिएको छ।

### क. सरकारद्वारा व्यवस्थित वन

सरकारद्वारा व्यवस्थित वन भन्नाले वन विकास लगायत अन्य क्रियाकलाप गर्नको लागि स्वीकृत कार्ययोजना अनुसार सरकारले व्यवस्थापन गरिएको राष्ट्रिय वनलाई जनाउँछ । सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको व्यवस्थापन सम्बन्धित डिभिजन वन कार्यालयले गर्ने गर्दछ ।

यस प्रदेशमा हाल सात वटा चक्ला वन सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको रूपमा छुट्टै कार्ययोजना तयार गरी कार्यान्वयनमा रहेका छन् । लुम्बिनी प्रदेशमा सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको **१०२४७.८** हे. क्षेत्रफल चक्ला वनको रुपमा व्यवस्थापन गरिएको छ।

तालिका ५: चक्ला वनको विवरण

| क्र.सं. | चक्ला वन | जिल्ला | योजना अवधि | स्वीकृत मिति | क्षेत्रफल (हे.) | रोटेशन वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | कालापानी खोला | दाङ | १० वर्ष | ०९/१०/२०७० | ५४५.६३ | १०० |
| २ | शमशेरगंज माथेवास | बाँके | १० वर्ष | २७/१०/२०७३ | २५७८ | ८० |
| ३ | कुचुवा दमार | अर्घाखाँची | १० वर्ष | ३२/०३/२०८२ | २०८.३४ | ८० |
| ४ | तिनकुने | अर्घाखाँची | १० वर्ष | ०९/०३/२०८३ | ४८७.६७ | ८० |
| ५ | खर्चे तल | बाँके | १० वर्ष | ११/०३/२०८३ | २०८७.७४ | ८० |
| ६ | बेला | दाङ (देउखुरी) | १० वर्ष | ३२/०३/२०८३ | १६००.५७ | ८० |
| ७ | भुवरभवानी | बाँके | १० वर्ष | ०१/०४/२०८२ | २७३९.८५ | ८० |
| | | कूल जम्मा | | | १०२४७.८ | |

*(श्रोतः सम्बन्धित डिभिजन वन कार्यालय)*

### ख. वन संरक्षण क्षेत्र

राष्ट्रिय वनको कुनै भाग वा भू परिधी क्षेत्र जुन, राष्ट्रिय वा अन्तर्राष्ट्रिय दृष्टिकोणले वातावरणीय, पारिस्थितिकीय, वैज्ञानिक वा सांस्कृतिक महत्वको वन क्षेत्र, वा जलाधार संरक्षणको हिसावले संवेदनशील वन क्षेत्र, वा संरक्षित क्षेत्र बाहिर रहेको वन, वनस्पति, वन्यजन्तु संरक्षणको लागि व्यवस्थापन गर्न आवश्यक रहेको, वा पर्यापर्यटन विकास गर्न उपयुक्त देखिएको वन क्षेत्र नेपाल सरकारको वन क्षेत्र हेर्ने मन्त्रालयले प्रदेश मन्त्रालयको परामर्शमा नेपाल राजपत्रमा सूचना प्रकाशन गरी विशेष कार्ययोजना बनाई वन संरक्षण क्षेत्रको रुपमा घोषणा गर्न सक्ने व्यवस्था रहेको छ । यस प्रदेशमा हालसम्म बर्दिया जिल्लाको खाता, गुल्मी जिल्लाको मदाने, रेसुङ्गा र थाप्ले सत्यवती सालिमेदह गरी ४ वटा वन संरक्षण क्षेत्र घोषणा भइसकेका छन् भने प्यूठानको गौमुखी, रोल्पाको जलजला र कपिलवस्तुको शिवगढी सुरहिनाका गरी ३ वटा प्रस्तावित वन संरक्षण क्षेत्र (संरक्षित वन) का रूपमा रहेका छन् ।

## तालिका ६: वन संरक्षण क्षेत्रको विवरण

| क्र.सं. | संरक्षित वन | जिल्ला | संरक्षित वन घोषणा मिति | क्षेत्रफल |
|---|---|---|---|---|
| १ | खाता | बर्दिया | १५/११/२०६८ | ५७४१.८९ |
| २ | मदाने | गुल्मी | १६/११/२०६७ | १३७६१.०० |
| ३ | रेसुङ्गा | गुल्मी | २८/११/२०७४ | १९२८१.३७ |
| ४ | थाप्ले सत्यवती सालिमेदह | गुल्मी | २८/११/२०७४ | ३७८४३.०३ |
| | **जम्मा** | | | **७६६२७.३२** |

*(श्रोतः सम्बन्धित मितिको नेपाल राजपत्र)*

### ग. साझेदारी वन

सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको कुनै भाग वनको विकास र दिगो व्यवस्थापन गरी अर्थतन्त्रमा टेवा पुर्याउन, वन क्षेत्रको नजिकै वा टाढा रहेका परम्परागत उपभोक्ताालाई वन संरक्षणको कार्यमा सहभागी गराई त्यस्ता उपभोक्ताालाई वन पैदावारको आपूर्ति व्यवस्था गर्न, वन क्षेत्रको उत्पादकत्वमा अभिवृद्धि गर्न तथा खाली क्षेत्रको उपयोग गर्न, जैविक विविधता तथा जलाधार क्षेत्रको संरक्षण र सम्बर्द्धन गर्न र उपभोक्ताको जिविकोपार्जनमा सुधार ल्याउने उद्देश्य राखी डिभिजन वन कार्यालय, स्थानीय तह र वन उपभोक्ताको साझेदारीमा गरिने वन व्यवस्थापन नै साझेदारी वन व्यवस्थापन हो । लुम्बिनी प्रदेशमा कपिलवस्तुको तिलौराकोट, गौतमबुद्ध, कपिलवस्तु, मायादेवी र शिवराज गरी पाँच वटा, रुपन्देहीमा लुम्बिनी र देवदह गरी दुई वटा र नवलपरासीमा बुद्धशान्ति गरी जम्मा आठ वटा साझेदारी वन रहेका छन् । लुम्बिनी प्रदेशमा साझेदारी वनले २१८६३.०६ हे. वन क्षेत्र ओगटेको छ भने १,४९,६२१ घरधुरीका ९,१८,८९२ जनसंख्या लाभन्वित भएका छन् ।

## तालिका ७: साझेदारी वनको विवरण

| क्र. सं. | विवरण | डिभिजन वन कार्यालय | | | | लुम्बिनी प्रदेश जम्मा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | नवलपरासी | रुपन्देही | कपिलवस्तु | गौतमबुद्ध | |
| १ | साझेदारी वनको संख्या | १ | २ | २ | ३ | ८ |
| २ | साझेदारी वनहरुको क्षेत्रफल (हे.) | १२०४.१ | २०९४.३४ | ८४४७.८४ | १०११६.७१ | २१८६२.९९ |
| ३ | साझेदारी वनहरुमा आबद्ध घरधुरी | १०५२५ | ६१११२ | ४१००० | ३६९८४ | १४९६२१ |
| ४ | साझेदारी वनहरुमा आबद्ध जनसंख्या | ५८२३६ | २९३४२७ | २७८५४७ | २५८०७४ | ९१८८९२ |

*(श्रोतः सम्बन्धित डिभिजन वन कार्यालय)*

## घ. सामुदायिक वन

सामुहिक हितका लागि कुनै वनको संरक्षण, विकास र व्यवस्थापन गरी वन पैदावारको उपयोग गर्न चाहने त्यस्तो वनका सम्बन्धित उपभोक्ताले उपभोक्ता समुह गठन गरी वनको विकास, संरक्षण, उपयोग, व्यवस्थापन गरी वन पैदावारको स्वतन्त्र रूपमा मूल्य निर्धारण गरी बिक्री वितरण गर्न पाउने गरी राष्ट्रिय वनको कुनै भाग सामुदायिक वनको रूपमा कार्ययोजना तयार गरी व्यवस्थापन गर्न सक्ने व्यवस्था रहेको छ ।

यस प्रदेशमा २०८३ असार मसान्तसम्म ४०२६ वन उपभोक्ता समूहलाई ४० हेक्टर राष्ट्रिय वन क्षेत्र सामुदायिक वनको रुपमा हस्तान्तरण गरिएको छ । सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहमा ९,३८,६७० घरधुरी समावेश भएका छन् । विगतमा कतिपय सामुदायिक वनमा दोहोरिएका उपभोक्ताहरू रहेकोमा हाल त्यस्ता समूहहरू एकत्रित (मर्ज) भै संचालनमा रहेका छन्, जसले गर्दा केही समूह सङ्ख्या घटेको पाइन्छ ।

### तालिका ८: सामुदायिक वनको विवरण

| सि. नं. | डि.व.का. | सामुदायिक वन सम्बन्धी विवरण | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | सम्बर्द्धन प्रणालीमा आधारित भएका | | सम्बर्द्धन प्रणालीमा आधारित नभएका | | कूल | |
| | | संख्या | क्षेत्रफल | संख्या | क्षेत्रफल | संख्या | क्षेत्रफल |
| १ | नवलवरासी व.सु.प. | ४१.०० | ११२१८.०० | २१.०० | ७१६.७४ | ६२.०० | ११९३४.७४ |
| २ | रुपन्देही | ३८.०० | ८५७०.५० | ७३.०० | ८८८७.८९ | १११.०० | १७४५८.३९ |
| ३ | कपिलवस्तु (कपिलवस्तु) | ७१.०० | १२७७१.३२ | ४.०० | २३३.८० | ७५.०० | १३००५.१२ |
| ४ | कपिलवस्तु (गौतमबुद्ध) | ३२.०० | ९१०८.९५ | २४.०० | १७७१.२२ | ५६.०० | १०८८०.१७ |
| ५ | दाङ (देउखुरी) | ८८.०० | ४०२४९.६० | ६३.०० | २१७७७.२५ | १५१.०० | ६२०२६.८५ |
| ६ | दाङ (दाङ) | ८६.०० | २६८४३.१० | ३०५.०० | ४०४६६.१० | ३९१.०० | ६७३०९.२० |
| ७ | बाँके | ६४.०० | १२७८१.२३ | ५५.०० | १०६२१.६० | ११९.०० | २३४०२.८३ |
| ८ | बर्दिया | ११९.०० | १५३८६.१५ | १३३.०० | ५५६४.२६ | २५२.०० | २०९५०.४१ |
| ९ | रुकुम (पूर्वी भाग) | १.०० | ६६८.०० | १५६.०० | १७६६२.९१ | १५७.०० | १८३३०.९१ |
| १० | रोल्पा | ३.०० | ५६६.६६ | ५८५.०० | ५६८१५.६८ | ५८८.०० | ५७३८२.३४ |
| ११ | प्यूठान | १४.०० | ४४८७.८० | ४४०.०० | ५२१२१.५४ | ४५४.०० | ५६६०९.३४ |
| १२ | अर्घाखाँची | ४५.०० | ५०९१.५५ | ४०१.०० | ३०३३२.८४ | ४४६.०० | ३५४२४.३९ |
| १३ | गुल्मी | ३७.०० | २८९७.७७ | ४१९.०० | १५४२६.११ | ४५६.०० | १८३२३.८८ |
| १४ | पाल्पा | २७७.०० | १९३४७.५९ | ४३१.०० | २२१५१.९१ | ७०८.०० | ४१४९९.५० |
| **जम्मा** | | **९१६.००** | **१६९९८७.२५** | **३११०.००** | **२८४६९६.८७** | **४०२६.००** | **४५४६२५.१३** |

### ङ. कबुलियती वन

डिभिजन वन कार्यालयले राष्ट्रिय वनको कुनै भाग गरिवीको रेखामुनि रहेका जनताको गरिवी न्यूनीकरणको लागि कार्ययोजना बनाएर वनको संरक्षण र विकास हुने गरी आय आर्जन हुने कार्यक्रम सञ्चालन गर्न त्यस्ता जनताको समुहलाई कबुलियती वनको रूपमा सुम्पन सक्ने प्रावधान अनुरुप यस प्रदेशमा गरिवीको रेखामुनि रहेका ४८० समूहका ४९५८ घरधुरीहरुलाई २७७०.२८ हेक्टर वन क्षेत्र हस्तान्तरण भैसकेको छ।

तालिका ९ कबुलियती वनको विवरण

| सि.नं. | डि.व.का. | गरिवीको रेखामुनी रहेको कबुलियती वन | | |
|---|---|---|---|---|
| | | संख्या | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी |
| १ | कपिलवस्तु | १ | २.९८ | १० |
| २ | रुकुम पूर्व | २१ | ६५.९५ | २४१ |
| ३ | रोल्पा | ५८ | १७२.२९ | ६६३ |
| ४ | प्यूठान | १८४ | ८०६.७६ | १७३९ |
| ५ | गुल्मी | ११ | ५३.९ | १०७ |
| ६ | पाल्पा | २०५ | १६६८.४ | २१९८ |
| **जम्मा** | | **४८०** | **२७७०.२८** | **४९५८** |

*(श्रोतः सम्बन्धित डिभिजन वन कार्यालय*

### च. धार्मिक वन

परापूर्व काल देखीको धार्मिकस्थल र त्यसको वरिपरीको वनको संरक्षणको लागि प्रचलित कानुन बमोजिम स्थापित कुनै धार्मिक निकाय, समुह वा समुदायलाई उक्त क्षेत्र वरपरको राष्ट्रिय वन धार्मिक वनको रूपमा संरक्षणको लागि हस्तान्तरण गर्न सक्ने प्रावधान अनुरूप हालसम्म यस प्रदेशमा ९४९.८१ हेक्टर वन क्षेत्र ३३ वटा धार्मिक निकाय/ समूह/समुदायलाई हस्तान्तरण गरिएको छ।

तालिका १०: धार्मिक वनको विवरण

| सि.नं. | डि.व.का. | धार्मिक वन | |
|---|---|---|---|
| | | संख्या | क्षेत्रफल |
| १ | नवलवरासी व.सु.प. | १.०० | ९.०० |
| २ | रुपन्देही | ४.०० | २७.४७ |
| ३ | कपिलवस्तु (कपिलवस्तु) | ४.०० | २००.९५ |
| ४ | कपिलवस्तु (गौतमबुद्ध) | १.०० | १०.६३ |

| सि.नं. | डि.व.का. | धार्मिक वन | |
|---|---|---|---|
| | | संख्या | क्षेत्रफल |
| ५ | दाङ (देउखुरी) | १.०० | ३७.५० |
| ६ | दाङ(दाङ) | ५.०० | ११२.५२ |
| ७ | बाँके | ५.०० | १००.०६ |
| ८ | बर्दिया | ४.०० | २१.६३ |
| ९ | रोल्पा | १.०० | ०.७५ |
| १० | गुल्मी | २.०० | १६६.८७ |
| ११ | पाल्पा | ५.०० | २६२.४३ |
| | **जम्मा** | **३३.००** | **९४९.८१** |

*(श्रोतः सम्बन्धित डिभिजन वन कार्यालय)*

### २.३.२ निजी वन

कुनै व्यक्ति वा संस्थाले आफ्नो निजी स्वामित्वमा रहेको हक भोगको दर्ता नम्बरी जग्गामा रूख विरूवा हुर्काई सम्बन्धित डिभिजन वन कार्यालय वा सव डिभिजन वन कार्यालयको सिफारिसमा निजी वन दर्ता गर्न स्थानीय तहमा निवेदन दिन सक्ने प्रावधान रहेको छ । साविकमा डिभिजन वन कार्यालयमा निजी वन दर्ता गर्ने प्रावधान रहेकोमा हाल वन ऐन २०७६ पश्चात् स्थानीय तहमा दर्ता गर्ने व्यवस्था रहेको छ । हाल सम्म यस प्रदेशमा ९५९ वटा निजी वनहरु दर्ता भएका छन् जसको क्षेत्रफल ७९०.६२ हेक्टर रहेको छ।

तालिका ११: निजी वनको विवरण

| सि.नं. | डि.व.का. | निजी वन | |
|---|---|---|---|
| | | संख्या | क्षेत्रफल |
| १ | नवलवरासी व.सु.प. | ७४.०० | २८.२४ |
| २ | रुपन्देही | ८५.०० | ९५.७८ |
| ३ | कपिलवस्तु (कपिलवस्तु) | १८.०० | १३.०९ |
| ४ | कपिलवस्तु (गौतमबुद्ध) | ८०.०० | १६४.८३ |
| ५ | दाङ (देउखुरी) | ४६.०० | २२.८६ |
| ६ | दाङ(दाङ) | २४०.०० | ११२.०० |
| ७ | बाँके | १४६.०० | ९९.२८ |
| ८ | बर्दिया | १४६.०० | १५३.२२ |

| सि.नं. | डि.व.का. | निजी वन | |
|---|---|---|---|
| | | संख्या | क्षेत्रफल |
| ९ | रुकुम (पूर्वी भाग) | १०.०० | ४.२८ |
| १० | रोल्पा | ७.०० | १३.०३ |
| ११ | प्यूठान | ७.०० | ७.३९ |
| १२ | अर्घाखाँची | ३७.०० | ४२.३३ |
| १३ | गुल्मी | १४.०० | ७.४९ |
| १४ | पाल्पा | ४९.०० | २६.८० |
| | जम्मा | ९५९.०० | ७९०.६२ |

*(श्रोतः सम्बन्धित डिभिजन वन कार्यालय)*

## २.४ राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा संरक्षित क्षेत्रहरु

लुम्बिनी प्रदेश संरक्षित क्षेत्रहरुले पनि धनी प्रदेशमा पर्दछ। बाघ र हात्तीको लागी प्रसिद्ध बर्दिया र बाँके राष्ट्रिय निकुञ्ज र मध्यवर्ति तथा संरक्षित वन्यजन्तु कृष्णसारको लागी छुटयाईएको कृष्णसार संरक्षित क्षेत्र तथा एक मात्र शिकार आरक्ष ढोरपाटन शिकार आरक्षको केही भाग पनि यसै प्रदेशमा पर्दछ। यसका साथै चितवन राष्ट्रिय निकुञ्जको मध्यवर्ति क्षेत्र पर्ने थोरै वन क्षेत्र समेत यस प्रदेशको नवलपरासी (ब.सु.प.) जिल्लामा पर्दछ ।

### तालिका १२: राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा संरक्षण क्षेत्रको विवरण

| सि. नं. | संरक्षित क्षेत्रको नाम | जिल्ला | क्षेत्रफल (वर्ग कि.मि.) | मध्यवर्ति क्षेत्र क्षेत्रफल(वर्ग कि.मि.) | विशेषता/उद्देश्य |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | बर्दिया राष्ट्रिय निकुञ्ज | बर्दिया | ९६८ | ३२७ | पाटेबाघ, एक सिंगे गैंडा, जंगली हात्ती आदि लगायत ५६ प्रजातिका स्तनधारी वन्यजन्तु र ४३८ प्रजातिका रैथाने र बसाई सरी आउने चराहरुको बासस्थान |
| २ | बाँके राष्ट्रिय निकुञ्ज | बाँके | ५५० | ३४३ | पाटेबाघ बासस्थान तथा जैविकमार्ग संरक्षण |
| ३ | कृष्णसार संरक्षण क्षेत्र | बर्दिया | १६.९५ | ० | दुर्लभ वन्यजन्तु कृष्णसारको संरक्षण |
| ४ | ढोरपाटन शिकार आरक्ष | रुकुम, बाग्लुङ्ग र म्यागदी | १३२५ | ० | ३२ प्रजातिका स्तनधारी र १६४ प्रजातिका चराहरु पाइने तथा व्यवस्थित शिकारको व्यवस्था। |

## २.५ जलाधार क्षेत्र

लुम्बिनी प्रदेशमा मध्य कालीगण्डकी, तिनाउ सव बेसिन, दानव, वाणगंगा सव वेसिन, तल्लो कर्णाली, बबई, राप्ती सव वेसिन र सानी भेरी, मादी, झिम्रुक सव वेसिन गरी चार वटा सव वेसिन रहेका छन् । जस अन्तरगत पर्ने विभिन्न जलाधार तथा उपजलाधारहरु रहेका छन ।

तालिका १३: जलाधार तथा उपजलाधारहरुको विवरण

| सि. नं. | सव वेसिन | जलाधार/उप जलाधारको नाम | जिल्ला |
|---|---|---|---|
| १ | मध्य कालीगण्डकी, तिनाउ सव वेसिन | वडीगाड खोला, रिडी खोला, छल्दी खोला, तिनाउ खोला, अरुण खोला, निस्दी खोला, काली गण्डकी नदी | गुल्मी, पाल्पा, अर्घाखाँची |
| २ | दानव, वाणगंगा सव वेसिन | तुरिया नदी, भलुही नदी, तिनाउ नदी, रोहिणी नदी, कोठी नदी, दानव नदी, कन्चन नदी, वाणगंगा नदी, सुरही नदी | नवलपरासी, रुपन्देही, कपिलवस्तु |
| ३ | तल्लो कर्णाली, बबई, राप्ती सव वेसिन | राडसिङ खोला, राप्ती नदी, अर्जुन खोला, बबई खोला, बबइ नदी, झिझरी खोला, मन खोला, आरै खोला, गेरुवा नदी, कर्णाली नदी | दाङ, बाँके, बर्दिया, अर्घाखाँची |
| ४ | सानी भेरी, मादी, झिम्रुक सव वेसिन | लुङ्ग खोला, झिम्रुक खोला, मादी खोला, लुङग्री खोला, सानी भेरी नदी, लुकुम खोला | प्यूठान, रोल्पा, रुकुम |

## २.६ सिमसार क्षेत्र

यस प्रदेशको विभिन्न क्षेत्रमा सिमसार क्षेत्रहरु रहेका छन्। रामसार सूचीमा सूचीकृत भएको जगदिशपुर ताल पनि यसै प्रदेशमा पर्दछ। यस क्षेत्रमा अवस्थित सिमसार क्षेत्रहरु पारिस्थितिकीय तथा पर्यटकीय दृष्टिकोणले महत्वपूर्ण रहेका छन्। प्रदेश वन ऐन २०७८ बमोजिम लुम्बिनी प्रदेश सरकारले जगदिशपुर ताल क्षेत्रलाई जगदिशपुर बर्ड स्यान्चुरीको रुपमा २०७९/०३/३२ मा घोषणा गरेको छ ।

तालिका १४: केही महत्वपूर्ण सिमसार क्षेत्रहरुको विवरण

| सि.नं. | सिमसार क्षेत्रको नाम | जिल्ला |
|---|---|---|
| १ | जगदिशपुर ताल | कपिलवस्तु |
| २ | गैंडहवा ताल, गजेडी ताल | रुपन्देही |
| ३ | बाह्रकुने दह, ज्यामिरे दह, जखेरा ताल | दाङ |
| ४ | सत्यवती ताल | पाल्पा |
| ५ | बढैया ताल, तारा ताल | बर्दिया |
| ६ | कमल दह | रुकुम पूर्व |

# भाग ३

# वन व्यवस्थापन, वन पैदावार उत्पादन, विरुवा उत्पादन तथा वन संरक्षण सम्बन्धी विवरण

## ३.१. वन व्यवस्थापन

लुम्बिनी प्रदेशको कुल भू-भागको करिब ५८ प्रतिशत भू-भाग वन क्षेत्रले ढाकेको छ । राष्ट्रिय निकुञ्ज, आरक्ष र मध्यवर्ति क्षेत्र बाहेक पनि ठूलो भू-भाग उत्पादनशील वन क्षेत्रले ढाकेको हुँदा यो प्रदेश वन व्यवस्थापनको हिसाबले समेत महत्वपुर्ण रहि आएको छ । वन ऐन २०७६ एवं वन नियमावली २०७९ को नियम १५ ले राष्ट्रिय वनको व्यवस्थापन गर्दा वनको दिगो व्यवस्थापनको लागि स्थानीय समुदायको परम्परागत ज्ञान, प्रथाजनित अभ्यास, सामुदायिक सहभागिता सहितको निर्णय र सुशासनमा आधारित रही उपयुक्त वन सम्वर्द्धन प्रणाली (सिल्भिकल्चर सिस्टम) अपनाउनु पर्नेछ भनी व्यवस्था गरेको पाइन्छ ।

त्यसैगरी लुम्बिनी प्रदेशको वन ऐन २०७८ र प्रदेश वन नियमावली २०७९ मा व्यवस्था भए बमोजिम लुम्बिनी प्रदेश सरकारले वन सम्बर्द्धन प्रणालीमा आधारित वन व्यवस्थापन सम्बन्धी मापदण्ड २०७९ स्विकृत गरी राजपत्रमा प्रकाशन गरी कार्यान्वयनमा ल्याएको पाइन्छ । यसै क्रममा आ.व. २०८२।८३ सम्ममा यस प्रदेशका विभिन्न डिभिजन वन कार्यालयहरू अन्तर्गत कुल ९१६ वटा सामुदायिक वन, ८ वटा साझेदारी वन र ७ वटा चक्ला वन गरी कुल ९३१ वटा वन क्षेत्रको २,०२,०९९.०५ हे. वन क्षेत्रमा सम्बर्द्धन प्रणालीमा आधारित वन व्यवस्थापन कार्य कार्यान्वयन गरेको पाइन्छ । डिभिजन अनुसार वन सम्बर्द्धन प्रणालीमा आधारित वन व्यवस्थापन सम्बन्धी विस्तृत विवरण तालिका १५ मा दिइएको छ ।

**तालिका १५: डि.व.का. अनुसार आ.व. २०८२/२०८३ सम्म वन सम्बर्द्धन प्रणालीमा आधारित वन व्यवस्थापन सम्बन्धी विवरण**

| डि.व.का. | सामुदायिक वन | | साझेदारी वन | | चक्ला वन | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | संख्या | क्षेत्रफल | संख्या | क्षेत्रफल | संख्या | क्षेत्रफल |
| अर्घाखाँची | ४५.०० | ५०९१.५५ | ० | ० | २ | ६९६.०१ |
| बाँके | ६४.०० | १२७८१.३३ | ० | ० | ३. | ७४०५.५९ |
| बर्दिया | ११९.०० | १५३८६.१५ | ० | ० | ० | ० |
| दाङ (दाङ) | ८६.०० | ९१०८.९५ | ० | ० | १. | ५४५.६३ |
| देउखुरी (दाङ) | ८८.०० | ४०२४९.६० | ० | ० | १ | १६००.५७ |
| गुल्मी | ३७.०० | २८९७.७७ | ० | ० | ० | ० |
| कपिलवस्तु (कपिलवस्तु) | ७१.०० | १२७७१.३२ | २. | ८४४७.८४ | ० | ० |

| डि.व.का. | सामुदायिक वन | | साझेदारी वन | | चक्ला वन | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | संख्या | क्षेत्रफल | संख्या | क्षेत्रफल | संख्या | क्षेत्रफल |
| कपिलवस्तु (गौतमबुद्ध) | ३२.०० | ९१०८.९५ | ३. | १०११६.७२ | ० | ० |
| नवलपरासी (व.सु.प.) | ४१.०० | ११२१८.०० | १. | १२०४.१ | ० | ० |
| पाल्पा | २७७ | १९३४७.५९ | ० | ० | ० | ० |
| रोल्पा | ३.०० | ५६६.६६ | ० | ० | ० | ० |
| प्यूठान | १४.०० | ४४८७.८० | ० | ० | ० | ० |
| रुपन्देही | ३८.०० | ८५७०.५० | २. | २०९४.३४ | ० | ० |
| रुकुम (पुर्व) | १.०० | ६६८.०० | ० | ० | ० | ० |
| **जम्मा** | **९१६.००** | **१६९९८८.२५** | **८** | **२१८६३.** | **७** | **१०२४७.८०** |

*(श्रोतः सम्बन्धित डिभिजन वन कार्यालय)*

हालसम्म जम्मा वन सम्वर्द्धन प्रणालीमा आधारीत वन व्यवस्थापन २,०२,०९९.०५ हेक्टर क्षेत्रफल रहेको छ ।

यस बाहेक पनि अन्य सामुदायिक वन, साझेदारी वन, कबुलियति वन र धार्मिक वन क्षेत्रमा समेत वन संरक्षण र व्यवस्थापन कार्य हुँदै आएको छ ।

## ३.२. वन पैदावार उत्पादन

### क) राष्ट्रिय वनबाट काठ दाउरा उत्पादन

यो प्रदेशको राष्ट्रिय वन क्षेत्र काठ दाउरा उत्पादनको हिसाबले महत्वपूर्ण क्षेत्र रहेको छ । आ.व. २०८२।८३ मा विभिन्न डिभिजन वन कार्यालय अन्तर्गतका राष्ट्रिय वन क्षेत्र (सामुदायिक वन, साझेदारी वन, सरकारद्वारा व्यवस्थित वन र बेवारिसे दरियाबुर्दि समेत) बाट कुल २९,६१,१५७.५९ घ.फि. काठ र ८२०२.४८ चट्टा दाउरा उत्पादन भएको देखिन्छ । डिभिजन अन्तर्गत उत्पादित काठ दाउराको विवरण तालिका १६ मा देखाइएको छ ।

## तालिका १६: आ.व. २०८२/०८३ को काठ (क्यू.फि.) र दाउरा (चट्टा) उत्पादन/संकलन विवरण

| क्र. सं. | डि.व.का | सामुदायिक वन | | साझेदारी वन | | सरकारद्वारा व्यवस्थित वन | | वेवारिसे तथा दरियाबुर्दी | | कुल जम्मा | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | काठ | दाउरा | काठ | दाउरा | काठ | दाउरा | काठ | दाउरा | काठ | दाउरा |
| १ | अर्धाखाची | २३५३०१.०८ | ६७३.१८ | ० | ० | ९२२१.७९ | ४६.२५ | ० | ० | २२६०७९.२९ | ७१९.४३ |
| २ | बाँके | ३११८०७ | १११३.८९ | ० | ० | ३११८०७ | ४२१.५ | ३७२६.१५ | १.१ | ६२७३४०.१५ | १५३६.४९ |
| ३ | बर्दिया | ५९२००६.९४ | १८५६.५७ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ५९२००६.९४ | १८५६.५७ |
| ४ | दाङ | १७३२४४.६२ | ५७८.९९ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १७३२४४.६२ | ५७८.९९ |
| ५ | देउखुरी | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ६ | गुल्मी | २२१८७.१६ | २२ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २२१८७.१६ | २२ |
| ७ | कपिलवस्तु | ३७२८३४ | ४७६ | १४७७१९.९९ | ४४८ | २५०७.३२ | १२.७५ | १३५.५ | ० | ५२३१९६.८१ | ९३६.७५ |
| ८ | गौतमबुद्ध | १९०४००.८ | ६२२.२५ | १०१४०९.८२ | ३०३.७५ | ० | ० | ११३.८५ | ० | २९१९२४.४७ | ९२६ |
| ९ | पाल्पा | २५२५९.४४ | ५२ | | | | | ७३४.८६ | ० | २५९९४.३ | ५२ |
| १० | नवलपरासी (व.सु.प.) | १२४२९६ | ३८६.५५ | ३२८०८.१४ | १०९ | ० | ० | ७०.८१ | | १५७१७४.९५ | ४९५.५५ |
| ११ | रोल्पा | ७०३५.०४ | ६.४५ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ७०३५.०४ | ६.४५ |
| १२ | प्यूठान | ३१४५७.३७ | ६३.७५ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ३१४५७.३७ | ६३.७५ |
| १३ | रुपन्देही | १४८१४२.५१ | ४३२.५ | १११६२८.४ | ४०८.२५ | २३०१७.०१ | १६७.७५ | ७२८.५७ | ० | २८३५१६.४९ | १००८.५ |
| १४ | रुकुमपूर्व | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| | जम्मा | २२३३९७१.९६ | ६२८४.१३ | ३९३५६६.३५ | १२६९ | ३४६५५३.१२ | ६४८.२५ | ५५०९.७४ | १.१ | २९६११५७.५९ | ८२०२.४८ |

*(श्रोतः सम्बन्धित डिभिजन वन कार्यालय)*

राष्ट्रिय वनबाट आ.व. ०८१।८२ मा उत्पादन भै बिक्रि वितरण हुन बाँकी रही घाटगद्दीमा अ.ल्या. मौज्दात रहेको काठ दाउरा तथा आ.व. ०८२।८३ मा उत्पादन भएको काठ दाउरामध्ये कुल १९,४४,९०१.९५ घ. फि. काठ तथा ६,१८९.२४ चट्टा दाउरा आ.व. २०८२।८३ मा बिक्रि वितरण भएको देखिन्छ । डिभिजन अनुसार राष्ट्रिय वनबाट उत्पादित काठ दाउरा बिक्री वितरण सम्बन्धी विस्तृत विवरण तालिका नं. १७ मा देखाइएको छ ।

## तालिका १७: आ.व. २०८२/०८३ मा भएको काठ (घ.फि.) र दाउरा (चट्टा) बिक्री वितरण विवरण

| सि. नं. | डि.व.का. | सामुदायिक वन | | साझेदारी वन | | सरकारद्वारा ब्यवस्थित वन | | वेवारिसे /मुद्धा/ दरियाबुर्दि | | जम्मा | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | काठ | दाउरा | काठ | दाउरा | काठ | दाउरा | काठ | दाउरा | काठ | दाउरा |
| १ | अर्घाखाँची | ५५२२६.६३ | १३७.५ | ० | ० | ३२६३.५ | ० | १९२.९३ | ० | ५८६८३.०६ | १३७.५ |
| २ | बाँके | १६७,९६४.९७ | ४६१.७ | ० | ० | ९९४३०.१३ | ४१२.४६ | ० | ० | २६७३९५.१ | ८७४.१६ |
| ३ | बर्दिया | २२६५९८.३५ | ४४९ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २२६५९८.३५ | ४४९. |
| ४ | दाङ | ११८४३२.२४ | ४७१.२४ | ० | ० | ४८३७.५५ | १५.५ | २५७६.१ | ० | १२५८४५.८९ | ४८६.७४ |
| ५ | देउखुरी | २३६९०.१३ | १११११.७५ | ० | ० | २४०२.९३ | २.०७ | ०. | ० | २६०९३.०६ | १११३.८२ |
| ६ | गुल्मी | ०. | ०. | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ०. | ०. |
| ७ | कपिलवस्तु | ३२६०८२.१२ | ११२५.८५ | १४५३१३.८२ | ३०९.६८ | २६५८२.५६ | १०२.५९ | ०. | ० | ४९७९७८.५ | १५३८.१२ |
| ८ | गौतमबुद्ध | १३६६११.३ | ४९०.५० | १५०३०२.३१ | २३९.२५ | | | ३०५ | ० | २८७२१८.१८ | ७२९.७५ |
| ९ | पाल्पा | ४६३४५ | ५६ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ४६३४५. | ५६. |
| १० | नवलपरासी (व.सु.प.) | १६१९२८.४ | ९९.६ | २९४३६.५ | ७४ | ४८६०७.७ | १२८.८ | ०. | ० | २३९९७२.६ | ३०२.४ |
| ११ | रोल्पा | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ०. | ०. |
| १२ | प्यूठान | ०. | ०. | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ०. | ०. |
| १३ | रुपन्देही | ६९२२९.८८ | ११७.७५ | ७०९८०.४६ | २०८ | २८३६४.३९ | १७६ | १९७.४८ | ० | १६८७७२.२१ | ५०१.७५ |
| १४ | रुकुम पूर्व | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ०. | ०. |
| | जम्मा | १३३२१०९.०२ | ४५२०.८९ | ३९६०३३.०९ | ८३०.९३ | २१३४८८.७६ | ८३७.४२ | ३२७१.०८ | ० | १९४४९०१.९५ | ६१८९.२४ |

*(श्रोतः सम्बन्धित डिभिजन वन कार्यालय)*

राष्ट्रिय वनबाट उत्पादन भै मौज्दात काठ दाउरा मध्ये आ.व. ०८१/८२ मा बिक्रि वितरण हुन बाँकी रहि आ.व. २०८२/८३ को शुरू (अ.ल्या.) कायम हुन आएको काठको कुल परिमाण १९,४५,००१.९५ घ. फि. र दाउरा ६,१८९.२४ चट्टा रहेको देखिन्छ । जसमध्ये, करिब ६८.४९ प्रतिशत काठ सामुदायिक वनबाट उत्पादन भएको देखिन्छ, २०.३६ प्रतिशत काठ साझेदारी वनको रहेको छ भने बाँकी काठ सरकारद्वारा व्यवस्थित वन र वेवारिसी तथा दरिया बुर्दी रहेको देखिन्छ । डिभिजन अनुसार सामुदायिक वन, साझेदारी वन, सरकारद्वारा व्यवस्थित वन, बेवारिसी रूपमा संकलन भएको काठ दाउरा सम्बन्धी विवरण तालिका १८ मा देखाइएको छ ।

## तालिका १८: आ.व. २०८१/०८२ मा उत्पादन/संकलन भइ आ.व. २०८२/०८३ को सुरूमा मौज्दातमा रहेको काठ (घ.फि.) र दाउरा (चट्टा) विवरण (अ.ल्या. परिमाण)

| सि. नं. | डि.व.का. | सामुदायिक वन | | साझेदारी वन | | सरकारद्धारा व्यवस्थित वन | | वेवारिसे /मुद्धा/ दरियाबुर्दि | | कुल जम्मा | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | काठ | दाउरा | काठ | दाउरा | काठ | दाउरा | काठ | दाउरा | काठ | दाउरा |
| १ | अर्घाखाँची | ५५२२६.६३ | १३७.५ | ० | ० | ३२६३.५ | ० | १९२.९३ | ० | ५८६८३.०६ | १३७.५ |
| २ | बाँके | १६७,९६४.९७ | ४६१.७ | ० | ० | ९९४३०.१३ | ४१२.४६ | ० | ० | २६७३९५.१ | ८७४.१६ |
| ३ | बर्दिया | २२६५९८.३५ | ४४९ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २२६५९८.३५ | ४४९ |
| ४ | दाङ | ११८४३२.२४ | ४७१.२४ | ० | ० | ४८३७.५५ | १५.५ | २६७६.१ | ० | १२५९४५.८९ | ४८६.७४ |
| ५ | देउखुरी | २३६९०.१३ | १११११.७५ | ० | ० | २४०२.९३ | २.०७ | ० | ० | २६०९३.०६ | १११३.८२ |
| ६ | गुल्मी | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ७ | कपिलवस्तु | ३२६०८२.१२ | ११२५.८५ | १४५३१३.८२ | ३०९.६८ | २६५८२.५६ | १०२.५९ | ० | ० | ४९७९७८.५ | १५३८.१२ |
| ८ | गौतमबुद्ध | १३६६११.३ | ४९०.५० | १५०३०२.३१ | २३९.२५ | ० | ० | ३०४.५७ | ० | २८७२१८.१८ | ७२९.७५ |
| ९ | पाल्पा | ४६३४५ | ५६ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ४६३४५ | ५६ |
| १० | नवलपरासी (व.सु.प.) | १६१९२८.४ | ९९.६ | २९४३६.५ | ७४ | ४८६०७.७ | १२८.८ | ० | ० | २३९९७२.६ | ३०२.४ |
| ११ | रोल्पा | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १२ | प्यूठान | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १३ | रुपन्देही | ६९२२९.८८ | ११७.७५ | ७०९८०.४६ | २०८ | २८३६४.३९ | १७६ | १९७.४८ | ० | १६८७७२.२१ | ५०१.७५ |
| १४ | रुकुम पूर्व | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| जम्मा | | १३३२१०९.०२ | ४५२०.८९ | ३९६०३३.०९ | ८३०.९३ | २१३४८८.७६ | ८३७.४२ | ३३७१.०८ | ० | १९४५००१.९५ | ६१८९.२४ |

### ख) निजी आवादीबाट काठ दाउरा उत्पादन

आ.व. २०८२/८३ मा यस प्रदेशका विभिन्न डिभिजन वन कार्यालय अन्तर्गत रहेका व्यक्तिको आफ्नो स्वामित्व भएको निजी नम्बरी जग्गामा हुर्केका विभिन्न प्रजातिका रूखहरूबाट काठ २२,१०,०६१.३४ घ.फि. काठ र दाउरा ४,४०८.३६ चट्टा उत्पादन तथा बिक्री वितरण भएको देखिन्छ । यस सम्बन्धी विस्तृत विवरण तालिका १९ मा दिइएको छ ।

तालिका १९: आ.व. २०८२/०८३ मा निजी आवादीको काठ दाउरा उत्पादन तथा बिक्री

| सिं. नं | डि.व.का | निजी आवादी काठ दाउरा उत्पादन तथा विक्रि वितरण | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | काठ (घनफिट) | दाउरा (चट्टा) | काठ (%) | दाउरा (%) |
| १ | अर्घाखाँची | ७१९१२४.२६ | ९१२.२२ | ३२.५४ | २०.६९ |
| २ | गुल्मी | ५११९६२.९६ | १६७.८ | २३.१७ | ३.८१ |
| ३ | बर्दिया | २६६४५४.९२ | १७६४.१ | १२.०६ | ४०.०२ |
| ४ | प्यूठान | १२४७२७.५९ | २१५.७५ | ५.६४ | ४.८९ |
| ५ | कपिलवस्तु (गौतमबुद्ध) | १००९२७.३३ | १६०.४६ | ४.५७ | ३.६४ |
| ६ | पाल्पा | ९१६२४.३३ | १३५.८५ | ४.१५ | ३.०८ |
| ७ | रुपन्देही | ८०३४३.८४ | १८६.७९ | ३.६४ | ४.२४ |
| ८ | परासी | ६७७३४.४५ | १२१.०९ | ३.०६ | २.७५ |
| ९ | बाँके | ६६०४३.१६ | ४३६.९९ | २.९९ | ९.९१ |
| १० | कपिलवस्तु (कपिलवस्तु) | ६३९४८.६६ | ४५.४ | २.८९ | १.०३ |
| ११ | दाङ (दाङ) | ५१३९७.७२ | १७७.६२ | २.३३ | ४.०३ |
| १२ | रोल्पा | ४८५४६.९५ | ३७.३ | २.२० | ०.८५ |
| १३ | दाङ (देउखुरी) | १७२२५.१७ | ४६.९९ | ०.७८ | १.०७ |
| १४ | रुकुम पूर्व | ० | ० | ०.०० | ०.०० |
| | जम्मा | २२१००६१.३४ | ४४०८.३६ | १००. | १००. |

*(श्रोतः सम्बन्धित डिभिजन वन कार्यालय)*

### ग) जडिबुटी तथा गैह्रकाष्ठ वन पैदावार उत्पादन सम्बन्धी विवरण

विभिन्न डिभिजन वन कार्यालय अन्तर्गतका राष्ट्रिय वन तथा नीजि आवादी जग्गामा आ.व. २०८२।८३ मा विभिन्न प्रजातिका जडिबुटि तथा अन्य गैह्रकाष्ठ वन पैदावर उत्पादन तथा बिक्री वितरण भएको देखिन्छ । डिभिजन अनुसार उत्पादन भै आ.व. २०८२।८३ मा निकासी भएको जडिबुटी तथा अन्य गैह्रकाष्ठ वन पैदावरको विवरण तालिका २० मा दिइएको छ ।

## तालिका २०: डि.व.का. अनुसार आ.व. २०८२/०८३ मा उत्पादन भएको गै.का तथा अन्य वन पैदावार सम्बन्धी विवरण (के.जी.)

| सि. नं. | डि.व.का. | निकासी भएको परिमाण (के.जी.) | मुख्य जडिबुटी तथा गैह्रकाष्ठ वन पैदावार |
|---|---|---|---|
| १ | अर्घाखाँची | ५२९५८ | तेजपात, विषफेज, चुत्रो |
| २ | बाँके | २००९८ | मौवा ५९८ केजी,तेन्दुपात ७००० केजी, सिकाकाई २५०० के.जी, बाबियो १०००० के.जी |
| ३ | बर्दिया | ९०३१९.४८ | वेत |
| ४ | दाङ (दाङ) | ३७४४५८ | कालिकाठ, रिठा, दारुहल्दी/चुत्रो, अमला, पुनानार्वा, सुगन्धकोकिला, गुर्जो, तेजपात, दुधेलहरा, टिमुर, पुदिना, कलदाना, टटेलो बोक्रा, असुरो, धाइरोफुल, कुरिलो, बेल |
| ५ | गुल्मी | ६०७६० | गुजरगानो |
| ६ | पाल्पा | १७६३४७१ | तेजपात- १३९२१४९ किग्रा, तेजपात बोक्रा- ३७१३२२ किग्रा |
| ७ | रोल्पा | ६३७२३० | टिमुर- ४४८००, गुजरगानो-६२०००, चुत्रो-३१२०५, झ्याउ-१३९२५, दालचिनी बोक्रा-१८००, विषफेज जरा-५००, कचुर-६०० पाषाणभेद-२०५०, सिस्नो जरा १०५० सल्लाको आँख्ला ५००० के .जी., लोक्ता-५५०० के.जी अन्य २३२३५), निजी ४४५५६४ के.जी. (टिमुर-१४०२३५, गुजरगानो-१३२७८६, चुत्रो -११७५४०, अमला १४५०, तेजपात-४५००, काउलो-४९००,अन्य ४४१५४ के.जी. |
| ८ | प्यूठान | ८५२५० | सुगन्धवाल, रातो च्याउ, पानीअमला, पाषणवेद, झयाउ, टिमुर, तेजपात |
| ९ | रुकुम पूर्व | १३९११३ | यार्सागुम्बा ७.३, झ्याउ ४८००, वन लसुन १० विषफेज १० |
| | जम्मा | ३२२३६५७ | |

*(श्रोतः सम्बन्धित डिभिजन वन कार्यालय)*

त्यसैगरी यस प्रदेशको विभिन्न जिल्लाको वन क्षेत्रमा रहेको खोटे सल्लाका वनहरूबाट आ.व. ०८२/८३ मा विभिन्न ६ वटा डिभिजन वन कार्यालय अन्तर्गत ३१७ वटा सामुदायिक वनहरूबाट ३५,१९,६०३.५ के.जी. खोटो संकलन भै निकासी भएको देखिन्छ । यसबाट कुल रू. ४,९३,४०,२६०.१२ बराबरको कारोबार भएको देखिन्छ । जसमध्ये कुल रू. ३२०,२६,१७१.४ उपभोक्ता समुहको कोषमा र रू. १,०८,२१,७९६.८ प्रदेश सञ्चित कोषमा जम्मा भएको देखिन्छ । आ.व. २०८२/८३ मा डिभिजन अनुसार संकलन भएको खोटोको परिमाण, आम्दानी तथा राजश्वको विवरण तालिका २१ मा दिइएको छ ।

## तालिका २१: आ.व. २०८२/०८३ मा खोटो (के.जी.) संकलन तथा यसबाट प्राप्त राजस्व सम्बन्धी विवरण

| क्र. स. | डि.व.का. | अर्घाखाँची | दाङ | गुल्मी | पाल्पा | रोल्पा | प्यूठान |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | खोटो संकलन (के.जी.) | २१३९६३ | १७६९७१ | ११७२५२ | २९६८८७ | १९०२९९५ | ८३०५११.५ |
| २ | खोटो संकलन गरिएको सामुदायिक वन संख्या | १६ | १६ | ४३ | ३५ | १४० | ६७ |
| ३ | खोटो संकलन भएको रूख सङ्ख्या | १८३५८० | ८४८९८ | | | ४३६४८३ | |
| ४ | खोटो संकलन भएको वन क्षेत्रको जम्मा क्षेत्रफल (हेक्टर) | ७९०.५६ | ५७८७.१५ | | | १५१६७.०६ | |
| ५ | उपभोक्ता समूहको कोषमा जम्मा भएको रकम रू. | १९२५६८२ | १६७१०९८.४ | १०५५२६८ | २६७१९८३ | १७१२६९५५ | ७५७५१८५ |
| ६ | प्रदेश सञ्चित कोषमा जम्मा भएको रकम रू. | ८००९०१ | ५५७०३२.८ | ३३७७९१ | ८९०६६१ | ५७०८९८५ | २५२६४२६ |
| ७ | मु.अ.क. रू. | २८७१७२ | २७६०१७ | १८२९१३ | ४६३१४४ | ३०४६१७२.६ | १५९७३८९.२८ |
| ८ | अग्रिम आयकर रु. | ३८५३२ | ३१८५९ | २११०५ | ५३४४० | ३४२५४०.५ | १५२००७.६ |
| (५+६+७+८) को जम्मा | | ३०५२२८७ | २५३६००७ | १५९७०७७ | ४०७९२२८ | २६२२४६५३ | ११८५१००८ |

*(श्रोतः सम्बन्धित डिभिजन वन कार्यालय)*

### घ. वन क्षेत्र भित्रका खोला खोल्सी व्यवस्थापन

लुम्बिनी प्रदेशका विभिन्न जिल्लामा प्रदेश सरकारको स्विकृत वार्षिक कार्यक्रम अनुसार वन क्षेत्र भित्रका खोला खोल्सी व्यवस्थापन कार्य प्रदेश सरकारबाट स्विकृत वन क्षेत्र भित्रका खोला खोल्सी व्यवस्थापन कार्यविधि २०८० बमोजिम यस प्रदेशका अर्घाखाँची, कपिलवस्तु, रूपन्देही र नवलपरासी (व.सु.प.) का डिभिजन वन कार्यालयहरूको कार्य क्षेत्रमा आ.व. २०८२/८३ मा खोला खोल्सी व्यवस्थापन गर्दा कुल ६५,९३,०८५.६६ घ.फि. नदीजन्य पदार्थ उत्पादन भएको देखिन्छ । यसबाट उपभोक्ता समुहको कोषमा जम्मा भएको रू. ८१,९०,४६७.८२ र प्रदेश सञ्चित कोषमा रू. ५,३०,१०,०६४.१७ जम्मा भएको देखिन्छ । समग्रमा खोलाखोल्सी व्यवस्थापनको कार्यबाट कुल ७,९५,७०,३७४.२६ रूपैयाको कारोबार भएको देखिन्छ । यस सम्बन्धी विस्तृत विवरण तालिका २२ मा देखाइएको छ ।

## तालिका २२: आ.व. २०८२/०८३ मा वनक्षेत्र भित्रका खोल्सा खोल्सी व्यवस्थापनबाट संकलन भएको नदीजन्य पदार्थको बिक्री वितरण सम्बन्धी विवरण

| डि.व.का. | अर्घाखाँची | कपिलवस्तु (गौतमबुद्ध) | कपिलवस्तु | जम्मा |
|---|---|---|---|---|
| संकलित नदीजन्य पदार्थ (अ.ल्या. समेत) (घन फीट) | ५६०१६२ | ३२४४५८६.९४ | २७८८३३६.७२ | ६५९३०८५.६६ |
| विक्रि वितरण (घनफीट) | ५६०१६२ | १६९७०३०.३३ | ३१७७९९५ | ५४३५१८७.३३ |
| उपभोक्ता समूहको कोषमा जम्मा भएको रकम रू. | ५९५१९० | ३९०१६७१.८२४ | ३६९३६०६ | ८१९०४६७.८२४ |
| प्रदेश सञ्चित कोषमा जम्मा भएको रकम रू. | ४४६३९३१ | २६३३६३०२.४७ | २२२०९८३०.७ | ५३०१००६४.१७ |
| मु.अ.क. रू. | १२११०७६ | ८९३७४५२.४४९ | ६३२०९७९ | १६४६९५०७.४५ |
| अग्रिम आयकर रु. | १३९६९३ | १०३१२४४.५१३ | ७२९३९७.३ | १९००३३४.८१३ |
| जम्मा आम्दानी | ६४०९८९० | ४०२०६६७१.२६ | ३२९५३८१३ | ७९५७०३७४.२६ |

*(स्रोतः सम्बन्धित डिभिजन वन कार्यालय)*

## तालिका २३: डि.व.का. अनुसार आ.व. २०८२/०८३ को वन पैदावार बिक्री वितरणबाट प्राप्त आम्दानी, राजश्व, भ्याट सम्बन्धी विवरण (रू.)

| सि. नं. | डि.व.का. | वन पैदावार | स्थानीय सञ्चित कोषमा जम्मा भएको रकम | उपभोक्ता समूहको कोषमा जम्मा भएको रकम रू. | प्रदेश सञ्चित कोषमा जम्मा भएको रकम | मु.अ.कर | अग्रिम आयकर |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | अर्घाखाँची | काठ | ० | १२७९६९९७३ | ५४८०९०३४ | ४४८६७४७६ | ५३१५२९३ |
| | | दाउरा | ० | १८८७९६० | ७९९६४८ | १०१४७५३ | १२९९२० |
| | | गै.का.व.पै. | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | खोटो | ० | १९२५६८२ | ८००९०१ | २८७१७२ | ३८५३२ |
| | | ढुङ्गा गिट्टी बालुवा | ० | ५९५१९० | ४४६३९३१ | १२११०७६ | १३९६९३ |
| | जम्मा | | ० | १३२३७८८०५ | ६०८७३५१४ | ४७३८०४७७ | ५६२३४३८ |

| सि. नं. | डि.व.का. | वन पैदावार | स्थानीय सञ्चित कोषमा जम्मा भएको रकम | उपभोक्ता समूहको कोषमा जम्मा भएको रकम रू. | प्रदेश सञ्चित कोषमा जम्मा भएको रकम | मु.अ.कर | अग्रिम आयकर |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २ | बर्दिया | काठ | ० | ३६८७३७९०२.८ | ७६१४१३६२ | ४२५४७६१७ | ४९०९०३५ |
| | | दाउरा | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | गै.का.व.पै. | | ११४५२९५ | ३८१७६८ | ४४९६९२ | ५१८९१ |
| | | खोटो | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | ढुङ्गा गिट्टी बालुवा | ० | ० | ० | ० | ० |
| | जम्मा | | ० | ३६९८८३१९७.८ | ७६५२३१३० | ४२९९७३०९ | ४९६०९२६ |
| ३ | कपिलवस्तु (कपिलवस्तु) | काठ | ० | ३६४०६२७७९ | १०२०७७६८९ | ८९४१०९०६.०९ | १०४०१७८९ |
| | | दाउरा | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | गै.का.व.पै. | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | खोटो | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | ढुङ्गा गिट्टी बालुवा | ० | ३६९३६०६ | २२२०९८३०.७ | ६३२०९७९ | ७२९३९७.३ |
| | जम्मा | | ० | ३६७७५६३८५ | १२४२८७५१९.७ | ९५७३१८८५.०९ | १११३११८६.३ |
| ४ | बाँके | काठ | ० | ७२२०५९५६ | १०३३३०३८६ | ३१२५९८८३ | ३३८६४९२.५८ |
| | | दाउरा | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | गै.का.व.पै. | ७५००० | ० | ० | ० | ० |
| | | खोटो | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | ढुङ्गा गिट्टी बालुवा | ० | ० | ० | ० | ० |
| | जम्मा | | ७५००० | ७२२०५९५६ | १०३३३०३८६ | ३१२५९८८३ | ३३८६४९२.५८ |

| सि. नं. | डि.व.का. | वन पैदावार | स्थानीय सञ्चित कोषमा जम्मा भएको रकम | उपभोक्ता समूहको कोषमा जम्मा भएको रकम रू. | प्रदेश सञ्चित कोषमा जम्मा भएको रकम | मु.अ.कर | अग्रिम आयकर |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५ | रोल्पा | काठ | ० | २३०१५० | २७७५५३.४ | ९६८८६३ | १११८७२ |
| | | दाउरा | ० | ० | ३४३० | १९३९६ | २२३८ |
| | | गै.का.व.पै. | ० | ० | १७७८२९४ | ० | ० |
| | | खोटो | ० | १७१२६९५५ | ५७०८९८५ | ३०४६१७२.६ | ३४२५४०.५ |
| | | ढुङ्गा गिट्टी बालुवा | ० | ० | ० | ० | ० |
| | जम्मा | | ० | १७२४०७२१ | ७७६८२६२.४ | ४०३४४३१.६ | ४५६६५०.५ |
| ६ | देउखुरी | काठ | ० | ५८३५२४५१ | १८७७७५८७ | १४,००४,५७० | १,५६५,१५४ |
| | | दाउरा | ० | ० | ११५४९ | ७६६४२ | २४८२७ |
| | | गै.का.व.पै. | ० | ० | २१००० | ० | ० |
| | | खोटो | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | ढुङ्गा गिट्टी बालुवा | ० | ० | ० | ० | ० |
| | जम्मा | | ० | ५८३५२४५१ | १८८१०१३६ | १४०८१२१२ | १५८९९८१ |
| ७ | दाङ | काठ | ० | ७४३७२९८४ | २६३८३४९७ | १७५६४३४६ | २२०२५६९ |
| | | दाउरा | ० | ० | ८९०४१८८ | २०३९६९९ | २२५४६९ |
| | | गै.का.व.पै. | ० | ० | २०९३५९८.४ | ५५७०३२.८ | २७६०१७ |
| | | खोटो | ० | १६७१०९८.४ | ५५७०३२.८ | २७६०१७ | ३१८५९ |
| | | ढुङ्गा गिट्टी बालुवा | ० | ० | ० | ० | ० |
| | जम्मा | | ० | ७६०४४०८२.४ | ३७९३८३१६.२ | २०४३७०९४.८ | २७३५९१४ |

| सि. नं. | डि.व.का. | वन पैदावार | स्थानीय सञ्चित कोषमा जम्मा भएको रकम | उपभोक्ता समूहको कोषमा जम्मा भएको रकम रू. | प्रदेश सञ्चित कोषमा जम्मा भएको रकम | मु.अ.कर | अग्रिम आयकर |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८ | गौतमबुद्ध | काठ | ० | ११७०९४०३६.५ | ३७४०३७७४.३ | २४३८८४४७ | २४१९६७० |
| | | दाउरा | ० | २४६०१०० | १४८६१४.७ | ३९४४४७ | ४४३५ |
| | | गै.का.व.पै. | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | खोटो | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | ढुङ्गा गिट्टी बालुवा | ० | ३९०१६७१.८२४ | २६३३६३०२.४७ | ८९३७४५२.४४९ | १०३१२४४.५१३ |
| | जम्मा | | ० | १२३४५५८०८.३ | ६३८८८६९१.४७ | ३३७२०३४६.४५ | ३४५५३४९.५१३ |
| ९ | प्युठान | काठ | ० | १४४२९९०८ | ६८०५९० | ८१२२६७९ | ९४७८६८ |
| | | दाउरा | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | गै.का.व.पै. | ० | ० | १४०५०० | २३०० | ३०० |
| | | खोटो | ० | ७५७५१८५ | २५२६४२६ | १५९७३८९.२८ | १५२००७.६ |
| | | ढुङ्गा गिट्टी बालुवा | ० | ० | ० | ० | ० |
| | जम्मा | | ० | २२००५०९३ | ३३४७५१६ | ९७२२३६८.२८ | ११००१७५.६ |
| १० | नवलपरासी | काठ | ० | ५४५४६५०४ | ३९८०१७२४ | १४९७३७७३.०४ | १६५८०२५.४९ |
| | | दाउरा | ० | ० | ३६०७१४ | २७१०२४२ | २९८३८३ |
| | | गै.का.व.पै. | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | खोटो | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | ढुङ्गा गिट्टी बालुवा | ० | ० | ४१६३४०९.०७ | ११०५४१६.७ | १२७६११.९३ |

| सि. नं. | डि.व.का. | वन पैदावार | सङ्घीय सञ्चित कोषमा जम्मा भएको रकम | उपभोक्ता समूहको कोषमा जम्मा भएको रकम रू. | प्रदेश सञ्चित कोषमा जम्मा भएको रकम | मु.अ.कर | अग्रिम आयकर |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | जम्मा | ० | ५४५४६५०४ | ४४३२५८४७.०७ | १८७८९४३१.७४ | २०८४०२०.४२ |
| ११ | रुकुम पूर्व | काठ | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | दाउरा | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | गै.का.व.पै. | ० | ० | ४०९९४३०.२२ | ० | ० |
| | | खोटो | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | ढुङ्गा गिट्टी बालुवा | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | जम्मा | ० | ० | ४०९९४३०.२२ | ० | ० |
| १२ | पाल्पा | काठ | ० | २५७२०६७७.५ | ११,००८,४९२.०० | ११,९४४,८९९.०५ | १,३६५,३५१.७० |
| | | दाउरा | ० | ० | ३७१४७० | ४४६७९६४ | ४८७१३० |
| | | गै.का.व.पै. | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | खोटो | ० | २६७१९८३ | ८९०६६१ | ४६३१४४ | ५३४४० |
| | | ढुङ्गा गिट्टी बालुवा | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | जम्मा | ० | २८३९२६६०.५ | १२२७०६२३ | १६८७६००७.०५ | १९०५९२१.७ |
| १३ | रुपन्देही | काठ | ० | ६६५२४८६९.५ | ५९५२६३०२.२ | २३८६७६२४.९१ | २९२७३३३.९९ |
| | | दाउरा | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | गै.का.व.पै. | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | खोटो | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | ढुङ्गा गिट्टी बालुवा | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | जम्मा | ० | ६६५२४८६९.५ | ५९५२६३०२.२ | २३८६७६२४.९१ | २९२७३३३.९९ |

| सि. नं. | डि.व.का. | वन पैदावार | संघीय सञ्चित कोषमा जम्मा भएको रकम | उपभोक्ता समूहको कोषमा जम्मा भएको रकम रू. | प्रदेश सञ्चित कोषमा जम्मा भएको रकम | मु.अ.कर | अग्रिम आयकर |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १४ | म्याग्दी | काठ | ० | १२९२५३३ | ३५७४५३९ | १८०७२०८१ | २०८७५५९ |
| | | दाउरा | ० | ० | १७०७२ | ८६६८६ | १०५६७ |
| | | गै.का.व.पै. | ० | ० | ० | ५५५४० | ६४१३ |
| | | खोटो | ० | १०५५२६८ | ३३७७९१ | १८२९१३ | २११०५ |
| | | ढुङ्गा गिट्टी बालुवा | ० | ० | ० | ० | ० |
| | जम्मा | | ० | २३४७८०१ | ३९२९४०२ | १८३९७२२० | २१२५६४४ |
| | जम्मा | काठ | ० | १३४५५४०७२४ | ५३३७९२५२९.९ | ३४१९९३१६५.१ | ३९२९८०१२.७६ |
| | | दाउरा | ४३४८०६० | १०६१६६८५.७ | १०८०९८२९ | ११८२९६९ | |
| | | गै.का.व.पै. | ७५००० | ११४५२९५ | ८५१४५९०.६२ | १०६४५६४.८ | ३३४६२१ |
| | | खोटो | ० | ३१८५५३८७.४ | १०७६४८६८.८ | ५८२३२०५.३२ | ६३६०६८.६ |
| | | ढुङ्गा गिट्टी बालुवा | ० | ८१९०४६७.८२४ | ५७१७३४७३.२४ | १७५७४९२४.१५ | २०२७९४६.७४३ |
| | जम्मा | | ७५००० | १३९१०७९९३४ | ६२०८६२१४८.३ | ३७७२६५६८८.४ | ४३४७९६१८.१ |

## ङ. वन पैदावार बिक्री वितरणबाट प्राप्त आम्दानी तथा राजश्व सम्बन्धी विवरण

आ.व. २०८२/८३ मा यस प्रदेश अन्तर्गतका विभिन्न डिभिजन वन कार्यालयहरूको कार्यक्षेत्रबाट उत्पादन भएको वन पैदावर बिक्रि वितरणबाट संघिय सञ्चित कोषमा कुल रू. १४,०९,५३,३३२ र प्रदेश सञ्चित कोषमा जम्मा रू ७४,८०,२०,९४५ राजश्व प्राप्त भएको देखिन्छ । यस बाहेक उपभोक्ता समुहको कोषमा रू. १३,२३,७८,८०५ आम्दानी भएको देखिन्छ भने मुल्य अभिवृद्धि कर वापत रू. ३७,७२,६५,६८८, अग्रिम आयकर कर वापत रू. ४,३४,७९,६१८ संघिय सञ्चित कोषमा जम्मा भएको देखिन्छ । यस सम्बन्धि विस्तृत विवरण तालिका २४ मा देखाइएको छ ।

## तालिका २४: वन पैदावार बिक्री वितरणबाट आम्दानी

| डि.व.का. | संघिय संचित कोषमा जम्मा भएको रु. | प्रदेश संचित कोषमा जम्मा भएको रु. | उपभोक्ता समुहको खातामा जम्मा भएको रु. | मु.अ.कर रु. | अग्रिम आयकर रु. |
|---|---|---|---|---|---|
| अर्घाखाँची | १४०९५३३३२ | ७४८०२०९४५ | १३२३७८८०५ | ४७३८०४७७ | ५६२३४३८ |
| बाँके | | | ७२२०५९५६ | ३१२५९८८३ | ३३८६४९२.५८ |
| बर्दिया | | | ३६९८८३१९७.८ | ४२९९७३०९ | ४९६०९२६ |
| दाङ | | | ७६०४४०८२.४ | २०४३७०९५ | २७३५९१४ |
| देउखुरी | | | ५८३५२४५१ | १४०८१२१२ | १५८९९८१ |
| गुल्मी | | | २३४७८०१ | १८३९७२२० | २१२५६४४ |
| कपिलवस्तु | | | ३६७७५६३८५ | ९५७३१८८५ | १११३११८६ |
| पाल्पा | | | २८३९२६६०.५ | १६८७६००७ | १९०५९२२ |
| गौतमबुद्ध | | | १२३४५५८०८.३ | ३३७२०३४६ | ३४५५३५० |
| परासी | | | ५४५४६५०४ | १८७८९४३२ | २०८४०२० |
| प्यूठान | | | २२००५०९३ | ९७२२३६८ | ११००१७६ |
| रोल्पा | | | १७१८६३२१ | ४००४८२९ | ४५३२३५ |
| रुपन्देही | | | ६६५२४८६९.५ | २३८६७६२५ | २९२७३३४ |
| रुकुम पूर्व | | | ० | ० | ० |
| जम्मा | १४०९५३३३२ | ७४८०२०९४५ | १३२३७८८०५ | ३७७२६५६८८ | ४३४७९६१८ |

*(श्रोतः सम्बन्धित डिभिजन वन कार्यालय)*

### ३.३. नर्सरी, विरुवा उत्पादन तथा वृक्षारोपण सम्बन्धि विवरण

#### क. नर्सरी तथा विरुवा उत्पादन सम्बन्धी विवरण

डिभिजन वन कार्यालय अन्तर्गत रहेका विभिन्न अस्थायी तथा स्थायी नर्सरीहरूमा विभिन्न प्रजातिका विरुवाहरू उत्पादन गरिएका थिए । आ.व. २०८२/०८३ मा करिब ७० प्रतिशत एक वर्षे विरूवा उत्पादन भएको देखियो भने करिव ३० प्रतिशत बहुवर्षे विरूवा उत्पादन भएको देखिन्छ । डि.व.का. अनुसार एक वर्षे तथा वहुवर्षे विरूवा उत्पादन तथा अघिल्लो आर्थिक वर्षमा उत्पादन शुरू भै आ.व. २०८२/८३ मा जिम्मेवारी सरी आएका विरुवाको विवरण तथा आ.व. २०८२/०८३ मा वितरण भएको विरुवाहरूको विवरण तालिका २५ मा दिइएको छ ।

## तालिका २५: डि.व.का. अनुसार आ.व. २०८२/०८३ मा विरूवा उत्पादन विवरण

| सि. नं. | कार्यालय | चालु आ.व.को उत्पादन | | अल्या भई आएको | | जम्मा वितरण | बाँकी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | एक बर्षे | बहुवर्षे | एक बर्षे | बहुवर्षे | | |
| १ | बाँके | ५५९०५२ | ८९३०० | १५६३२२ | ११०७०१ | ६७६३२२ | २३९०५३ |
| २ | परासी | १६३८५० | ८३३५३ | ५०००० | ७१००० | २२५५०० | १४२७०३ |
| ३ | गुल्मी | ७१४५८ | ९९०६१ | ५०१५ | १०३१८१ | १७९६५४ | ९९०६१ |
| ४ | पाल्पा | १३०८९७ | ७५५९८ | ० | १८८१६६ | ३१९०६३ | ७५५९८ |
| ५ | प्यूठान | ८३८७१ | ७२२३३ | ० | १४००० | ९७८७१ | ७२२३३ |
| ६ | रोल्पा | ६३८५७ | ४५४९१ | ३२०० | १७६९७ | ८४७५४ | ४५४९१ |
| ७ | कपिलवस्तु | १४७८०६ | १०४९७९ | ३२८९८ | १४९८०० | २१८३५१ | २१७१३२ |
| ८ | दाङ | १२५००० | ८१००० | ० | ६८२५८ | १९३२५८ | ८१००० |
| ९ | रुकुम पूर्व | २५००० | ७५००० | ० | ४०७९१ | ६५७९१ | ७५००० |
| १० | अर्घाखाँची | १०४८७१ | १०१३१० | २१२६५३ | १०३४८९ | २७११९० | २५११३३ |
| ११ | गौतमबुद्ध | ३७९३५७ | ११७२७५ | ९२१४४ | ९५१८० | ५६६६८१ | ११७२७५ |
| १२ | रुपन्देही | २५४७७४ | ६०१९९ | ७७७१३ | १८२१३२ | ५१४६१९ | ६०१९९ |
| १३ | देउखुरी | २४२०४० | ६१३३७ | ५०० | ० | २४२५४० | ६१३३७ |
| १४ | बर्दिया | ३०५९०३ | ९८१७७ | ६१५ | १२४०२४ | ३९६३९३ | १३२३२६ |
| | जम्मा | २१५३७९१ | २६५७७३६ | ११६४३१३ | ६३१०६० | १२६८४१९ | ४०५१९८७ |

## तालिका २६: भू तथा ज.व्य.का. अनुसार आ.व. २०८२/०८३ मा बिरूवा उत्पादन/खरिद गरी वितरण भएको विवरण

| भू तथा ज.व्य.का. | पाल्पा | रोल्पा | अर्घाखाँची | दाङ | जम्मा |
|---|---|---|---|---|---|
| विरूवा उत्पादन/खरिद | ५३१० | ११०० | २०५० | १४५०० | २२९६० |

*(श्रोतः सम्बन्धित डिभिजन वन तथा भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालय)*

### ख. वृक्षरोपण, पुनः रोपण तथा गोडमेल सम्बन्धी विवरण

डिभिजन वन कार्यालयहरूबाट आ.व. २०८२/८३ मा विभिन्न क्षेत्रमा गरी कुल ३५६.५३ हे. क्षेत्रफलमा वृक्षरोपण गरिएको, ४६९.०२ हे. क्षेत्रफलमा पुनः रोपण तथा ३११.८४ हे. क्षेत्रफलमा गोडमेल गरेको देखिन्छ। त्यसैगरी भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालयहरूबाट कुल जम्मा १४.७५ हे. क्षेत्रफलमा वृक्षरोपण भएको देखिन्छ । डिभिजन अनुसारको वृक्षरोपण, पुनःरोपण तथा गोडमेल सम्बन्धी विवरण तालिका २७ मा दिइएको छ ।

## तालिका २७: डि.व.का. अनुसार बृक्षरोपण विवरण

| डि.व.का | वृक्षरोपण क्षेत्रफल (हे.) | पुनः रोपण (हे) | गोडमेल (हे) | रोपण भएको प्रजाति |
|---|---|---|---|---|
| कपिलवस्तु | ९४.५२ | २८.४२ | ६५.९२ | सिसौ, खयर, टिक, सतिसाल, अमला, निम, बकाइनो, अर्जुन, जामुन र बबुल |
| रोल्पा | १३.३ | ३ | १.८२ | टिमुर, सुगन्धकोकिला, चिउरी, तेजपात, खोटेसल्ला, मालागिरी मसला, बकाइनो र खरी |
| गौतमबुद्ध | २६ | ४.१ | ४.१ | टिक जामुन अर्जुन खयर सिरिष मसला र सिसौ |
| गुल्मी | ० | | | दालचिनी, टिमुर, चिउरी, बेल, खरी र राईखन्यु |
| अर्घाखाँची | १७. | ० | ० | टिमुर, तेजपात, अमला, खयर, चिउरी र कल्कीफुल |
| रुकुमपुर्व | ०. | | | टिमुर, सतुवा, खोटेसल्ला, गोब्रे सल्ला, टुनी, पैंयु, अलैची र देवदार |
| बर्दिया | ३९.७९ | ७.५ | २५ | टिक, मसला, सिसौ, जामुन, खयर, सितलचिनी, अम्वा, बर्रो, सिमल र ईपिल इपिल |
| परासी | ४१.१२ | | १५ | टिक, वेल, अमला, मसला, खयर र खोटेसल्ला |
| रुपन्देही | १५.९३ | १५ | | टिक, जामुन, अर्जुन, मसला, कदम, बर्रो, अमला, बाँस र तेजपात |
| पाल्पा | २१.५ | १८६ | ० | तेजपात, टिमुर, खयस, अमला, बकाइनो र अम्रिसो |
| देउखुरी | १२.५ | | | मौवा, सिसौं खयर चिउरी मसला टिक र जकारान्डा |
| प्यूठान | ८. | | | अमृसो, टिमुर, खयर, अमला, वेल, सितलचिनी, चिउरी तेजपात, श्रीखण्ड मालागिरी, निम र चिउरी |
| दाङ | २५.२ | | | टिक, मसला, खयर, क्यासिया, गोल्डमोहर, टिमुर, मालागिरी र सिसौं |
| बाकें | ४१.६८ | २२५ | २०० | टिक, मसला, खयर, क्यासिया, गोल्डमोहर, टिमुर, मालागिरी र सिसौं |
| जम्मा | ३५६.५३ | ४६९.०२ | ३११.८४ | |

## तालिका २८: भू तथा ज.व्य.का. अनुसार बृक्षरोपण सम्बन्धी विवरण

| भू तथा ज.व्य.का. | अर्घाखाँची | पाल्पा | रोल्पा | जम्मा |
|---|---|---|---|---|
| बृक्षरोपण (हे.) | ४ | ५ | ५.७५ | १४.७५ |

## ३.४. वन संरक्षण विवरण

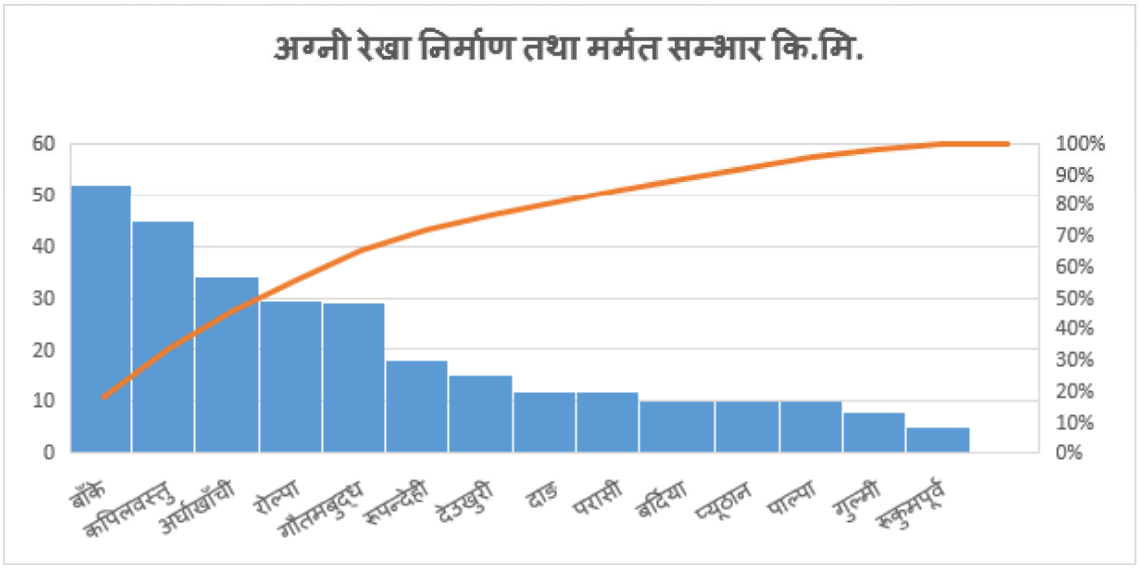
### क. वन डढेलो सम्बन्धी विवरण

लुम्बिनी प्रदेशमा विगतका तुलनामा गर्मि समयमा वन डढेलोका घटना बढ्दै गएको देखिन्छ । आ.व. २०८२/०८३ मा यस प्रदेशका विभिन्न जिल्लाहरूको ४५० स्थानमा वन डढेलोको घटना घटी कुल ५,९३६ हे. क्षेत्रफल प्रभावित भएको देखिन्छ । यसबाट रोल्पा जिल्लामा एक जनाको ज्यान गएको देखिन्छ । त्यसैगरी रोल्पामा १६ वटा घर गोठमा क्षति पुगेको देखिन्छ। यस सम्बन्धी विस्तृत विवरण तालिका २९ मा देखाइएको छ ।

तालिका २९: डि.व.का. अनुसार आ.व. २०८२/०८३ को वन डढेलो सम्बन्धी विवरण

| सि. नं. | डि.व.का. | वन डढेलो लागेको घटना सङ्ख्या | वन डढेलोको असर/क्षति | | | | | | कैफियत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | प्रभावित वनक्षेत्र (हेक्टर) | मानवीय क्षति/घाइते समेत (सङ्ख्या) | पशुधन तथा वन्यजन्तु क्षति/घाइते समेत (सङ्ख्या) | क्षतिग्रस्त घरगोठ (सङ्ख्या) | क्षति भएको काठ (घनफिट) | क्षति भएको दाउरा (चट्टा) | |
| १ | अर्घाखाँची | ३१ | २४३ | ० | ० | ० | ० | ० | |
| २ | बर्दिया | २४ | ५२ | ० | ० | ० | ० | ० | |
| ३ | कपिलवस्तु | १९ | २३२ | ० | ० | ० | ० | ० | |
| ४ | बाँके | ४४ | ६१९ | ० | ० | ० | ० | ० | |
| ५ | रोल्पा | २३ | ४६८ | १ | ० | १६ | ० | ० | |
| ६ | देउखुरी | ३० | १२०० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| ७ | दाङ | ३७ | १५४५ | ० | ० | ० | ० | ० | |
| ८ | गौतमबुद्ध | ५६ | ११०.५ | ० | ० | ० | ० | ० | |
| ९ | प्युठान | २६ | २४० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| १० | परासी | ४६ | ९० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| ११ | रूकुमपूर्व | १९ | २०० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| १२ | पाल्पा | ३३ | २१६ | ० | ० | ० | ० | ० | |
| १३ | रूपन्देही | ४१ | ५१० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| १४ | गुल्मी | २१ | २१० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| कुल जम्मा | | ४५० | ५९३६ | १ | ० | १६ | ० | ० | |

*(श्रोतः सम्बन्धित डिभिजन वन कार्यालय)*




*जम्मा २९८.८ कि.मि. अग्नी रेखा निर्माण तथा मर्मत सम्भार*

### ख) वन अतिक्रमण सम्बन्धी विवरण

वन ऐन, २०७६ को दफा ३ मा राष्ट्रिय वनको भू-स्वामित्व नेपाल सरकारमा रहने र नेपाल सरकार मन्त्रिपरिषद्को निर्णय विना भू-उपयोग परिवर्तन गर्न र कसैलाई हक हस्तान्तरण गर्न सकिने छैन भन्ने उल्लेख छ । यो दण्डनिय अपराध मानेको छ । त्यसैगरी वन अतिक्रमण नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन रणनीति २०६८ ले वन क्षेत्रलाई राष्ट्रिय प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र तोकि सवैखाले अतिक्रमणवाट जोगाईने रणनीति अवलम्वन गरेको र वन क्षेत्रको जग्गा अतिक्रमण गरी वसोवास गरेका व्यक्तिका नाममा कुनै पनि अवस्थामा दर्ता नगराउने व्यवस्था गरिने उल्लेख गरेको पाइन्छ। विगत देखी नै डिभिजन वन कार्यालयहरूबाट नियमित गस्ती पेट्रोलिङको माध्यमबाट वन अपराध तथा वन अतिक्रमण नियन्त्रणको लागि प्रयास भैरहेको देखिन्छ । डिभिजन वन कार्यालय अनुसार आ.व. २०८१/०८२ को अन्तमा कायम रहेको वन अतिक्रमण, २०८२/०८३ मा भएको वन अतिक्रमण र आ.व. २०८२/०८३ मा हटाइएको वन अतिक्रमण र २०८२/०८३ अन्तमा कायम रहेको वन अतिक्रमण सम्बन्धी तालिका ३० मा देखाइएको छ ।

## तालिका ३०: डि.व.का. अनुसार आ.व. २०८२/८३ को वन अतिक्रमण सम्बन्धी विवरण

| सि. नं. | डि.व.का. | आ.व.०८१/८२ को अन्तमा कायम रहेको वन अतिक्रमण (हे.) | आ.व. ०८२/८३ को हालसम्ममा भएको वन अतिक्रमण (हे.) | आ.व. ०८२/८३ को हालसम्म हटाइएको वन अतिक्रमण (हे.) | आ.व. ०८२/८३ को हाल कायम वन अतिक्रमण (हे.) |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | रुपन्देही | ८३५० | ० | ० | ८३५० |
| २ | देउखुरी | २०४० | ० | ० | २०४० |
| ३ | कपिलबस्तु (कपिलबस्तु) | १५५८.७४ | ० | ० | १५५८.७४ |
| ४ | कपिलबस्तु (गौतमबुद्ध) | ८८९.०६ | ० | १५ | ८७४.०६ |
| ५ | दाङ (दाङ) | ८२५.८८ | ० | ० | ८२५.८८ |
| ६ | नवलपरासी (व.सु.प.) | ७४६.५१ | ० | ० | ७४६.५१ |
| ७ | बाँके | ६०७.९८ | ० | ० | ६०७.९८ |
| ८ | बर्दिया | २११.०८ | ० | १७.३४ | २८८.७५ |
| ९ | गुल्मी | ८४ | ० | ० | ८४ |
| १० | रोल्पा | ५१.२०५ | ० | ० | ५० |
| ११ | अर्घाखाँची | १८.२५ | ० | ० | १८.२५ |
| १२ | प्यूठान | १८.१६ | ० | ० | १८.१६ |
| १३ | पाल्पा | १२ | ० | ० | १२ |
| १४ | रुकुम पूर्व | ९ | ० | ० | ९ |
| | कुल जम्मा | १५४२१.९१ | ० | ३२.३४ | १५,३८९.५७ |

*(श्रोतः सम्बन्धित डिभिजन वन कार्यालय)*

### ग) वन मुद्दा सम्बन्धी विवरण

वन ऐन २०७६ तथा राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण ऐन २०२९ वमोजिम वन अपराध मानिएका विभिन्न अपराध कर्ममा रहेका प्रतिवादी उपर सम्मानित जिल्ला अदालत तथा डिभिजन वन कार्यालयमा मुद्दा दायर भएको देखिन्छ । आ.व. २०८२/८३ मा डिभिजन वन कार्यालय मार्फत दायर भएका मुद्दाको विवरण तालिका ३१ मा दिइएको छ ।

## तालिका ३१: वन्यजन्तु अपराध सम्वन्धि मुद्दाको विवरण

| क्र. सं. | कार्यालय | मुद्दा संख्या | प्रतिवादी संख्या | बरामद भएको मालवस्तु |
|---|---|---|---|---|
| १ | कपिलवस्तु (गौतमबुद्ध) | २ | ५ | बाघको छाला १, निलगाई २, मोटरसाइकल ३, हाइलक्स १, पिकअप गाडी १ |

| क्र. सं. | कार्यालय | मुद्दा संख्या | प्रतिवादी संख्या | बरामद भएको मालवस्तु |
|---|---|---|---|---|
| २ | दाङ (देउखुरी) | १ | ३ | बाघको छाला १, मोटरसाइकल १ |
| ३ | बाँके | २ | ३ | चित्तल र निलगाइको मासु |
| ४ | दाङ(दाङ) | १ | ३ | |
| ५ | नवलपरासी (व.सु.प.) | १ | ४ | बंदेल |
| | जम्मा | ७ | १८ | |

यसैगरी आ.व. २०८२/०८३ भन्दा अगाडी डिभिजन वन कार्यालय र जिल्ला अदालतमा वन अपराध सम्बन्धि मुद्दाको विवरण तालिका ३२ मा देखाइएको छ ।

तालिका ३२: वन अपराध सम्बन्धी मुद्दाको विवरण

| क्र. सं. | कार्यालय | मुद्दा संख्या | प्रतिवादी संख्या | बरामद भएको मालवस्तु | कैफियत |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | अर्घाखाँची | १ | १ | १८.३ क्यू.फि. काठ, | |
| २ | कपिलवस्तु (कपिलवस्तु) | १ | | ११३ क्यू.फि. काठ सिमल, १ वटा ट्रेक्टर | |
| ३ | कपिलवस्तु (गौतमबुद्ध) | ३ | १० | १९०.२२ क्यू.फि. काठ, मोटरसाईकल १, साइकल २ टेकटर १ | |
| ४ | दाङ (देउखुरी) | २ | २० | ९३.६५ क्यू.फि. साल काठ, | |
| ५ | दाङ (दाङ) | ७ | १२ | ५६५ क्यू.फि. साल काठ | |
| ६ | बर्दिया | ४ | ४ | ६९.३३ क्यू.फि. खयर काठ ३४.६२ क्यू.फि. र सगुन काठ ३४.७१ क्यू.फि. | |
| ७ | परासी | २ | ४ | ३ ट्राक्टर ढुंगा | |
| ८ | रुकुमपुर्व | ३ | ६ | १२४४.१८ के.जी. भिर मह (५५०.३८ के.जी.), खिरौला (४१७.६ के.जी.), पाखनवेद (१३०.४ के.जी.), कालो मुस्ली (४९.८ के.जी.), समायो (५ के.जी.) र कुरिलो (२ के.जी.) | |
| | जम्मा | २३ | ५७ | | |

## ३.५ मानव वन्यजन्तु सहअस्तित्व व्यवस्थापन सम्बन्धी विवरण

**क. वन्यजन्तु उद्धारः**

आ.व. २०८२/०८३ मा विभिन्न डिभिजन वन कार्यालय अन्तर्गत घाइते, टुहुरा, बाटो बिराएर मानव वस्तीमा पसेका २०८ वन्यजन्तु जिवित अवस्था मै उद्धार गरिएको र २३ मृत वन्यजन्तुको व्यवस्थापन गरिएको थियो।

उद्धार गरिएको वन्यजन्तुलाई उपचार गर्नुपर्ने भएकोमा उपचार पश्चात् प्राकृतिक वासस्थानमा पुनर्स्थापन गरिएको, हिंस्रक वन्यजन्तुलाई चिडियाखानामा पठाइएको साथै मृत वन्यजन्तुलाई स्थानीय जनप्रतिनिधी तथा प्रहरीको रोहबरमा सुरक्षित ठाउँमा जमिनमा गाडी व्यवस्थापन गरिएको थियो ।

**तालिका ३३: आ.व. २०८२/०८३ को हालसम्म मानव वन्यजन्तु द्वन्द्वबाट भएको क्षतिको विवरण**

| | | |
|---|---|---|
| १.१ | मृत्यु भएको पशुको सङ्ख्या | २४५ |
| १.२ | घाइते मानिसको सङ्ख्या | २२ |
| १.३ | मृत्यु भएका मानिसको सङ्ख्या | ११ |
| १.४ | घाइते भएको वन्यजन्तुको सङ्ख्या | २०८ |
| १.५ | मृत्यु भएको वन्यजन्तुको सङ्ख्या | २३ |
| १.६ | क्षति गर्ने वन्यजन्तुको सङ्ख्या | १ |

**मानविय क्षति :** आ.व. २०८२/८३ मा वन्यजन्तुको आक्रमणबाट जम्मा ११ व्यक्तिको मृत्यु भएको र २२ जना व्यक्ति घाईते भएको देखिन्छ ।

**पशुधन क्षति :** आ.व. २०८२/८३ मा वन्यजन्तुको आक्रमणबाट जम्मा २४५ पशुधनको मृत्यु भएको देखिन्छ।

**मानवीय क्षतिको राहत सम्बन्धी विवरणः**

आ.व. २०८२/०८३ मा वन्यजन्तुको आक्रमणबाट दावि गरिएको क्षतिपूर्तिको रकम रु. १,९५,४४,७७० र हाल सम्म क्षतिपूर्तिको रकम रु १६,०९,६९,१७० दिएकोमा क्षतिपूर्ति दिन बाँकी रकम रु. ६१,३६,२०० रहेको छ । सो विवरण तालिका ३४ मा प्रस्तुत गरिएको छ।

**तालिका ३४: आ.व. २०८२/०८३ को हालसम्म मानव वन्यजन्तु द्वन्द्वबाट भएको क्षतिको विवरण**

| | | |
|---|---|---|
| २.१ | राहत निर्देशिका अनुसार दावि गरिएको क्षतिपूर्तिको रकम रु. | १,९५,४४,७७० |
| २.२ | राहत निर्देशिका अनुसार प्रदान गरिएको क्षतिपूर्तिको रकम रु. (पीडितसँग प्रदेश सरकार कार्यक्रम मार्फत प्रदान गरिएको समेत) | १६,०९,६९,१७० |
| २.३ | क्षतिपूर्ति दिन बाँकी रकम रु. | ६१,३६,२०० |
| २.४ | घाइते वन्यजन्तु उद्धार सङ्ख्या (वन्यजन्तुको प्रजातिअनुसारको सङ्ख्या कैफियत महलमा उल्लेख गर्ने) | २०८ |
| २.५ | वनक्षेत्र बाहिर उद्धारका लागि प्राप्त हुन आएका वन्यजन्तुको सङ्ख्या | ४७५ |

## ३.६ वन उद्यम सम्बन्धी विवरण

### क. वन उद्यम सम्बन्धी विवरण

वन व्यवस्थापनको क्रममा विभिन्न किसिमका वन पैदावर उत्पादन सँगै उक्त वन पैदावरको प्रशोधनका लागि विभिन्न खालका वन पैदावरमा आधारित उद्यमहरू समेत स्थापना र सञ्चालन भएको पाइन्छ । यस क्रममा आ.व. २०८२/८३ को अन्त्य सम्ममा विभिन्न डिभिजन वन कार्यालयको कार्य क्षेत्र भित्र कुल ७४७ वटा सःमिल दर्ता भएको र कुल ७३२ सःमिलहरू सञ्चालनमा रहेको डिभिजन वन कार्यालयहरूबाट प्राप्त रेकर्डमा देखिन्छ । त्यसैगरी २५४२ वटा फर्निचर उद्योगहरू दर्ता भै २४६२ वटा सञ्चालनमा रहेको देखिन्छ । त्यसैगरी ५४ वटा भेनियर तथा प्लाइउड उद्योग दर्ता भै ५० वटा सञ्चालनमा रहेको पाइन्छ भने ६९ वटा जडिबुटि प्रशोधन उद्योग दर्ता ५६ वटा सञ्चालनमा रहेको डिभिजन वन कार्यालयहरूबाट प्राप्त रेकर्डबाट देखिन्छ । यस्तै अन्य विभिन्न वनजन्य उद्यमहरू १८१ वटा दर्ता भै १७३ वटा सञ्चालनमा रहेको गरी कुल जम्मा ३५९३ वटा वनजन्य उद्यम दर्ता भै ३४७३ वटा सञ्चालनमा रहेको रेकर्डबट देखिन्छ । यस सम्बन्धी विस्तृत विवरण तालिका ३५ मा दिइएको छ ।

तालिका ३५: डि.व.का. अनुसार आ.व. २०८२/८३ को अन्त्य सम्म दर्ता भएको र संचालनमा रहेको वन उद्यम सम्बन्धी विवरण

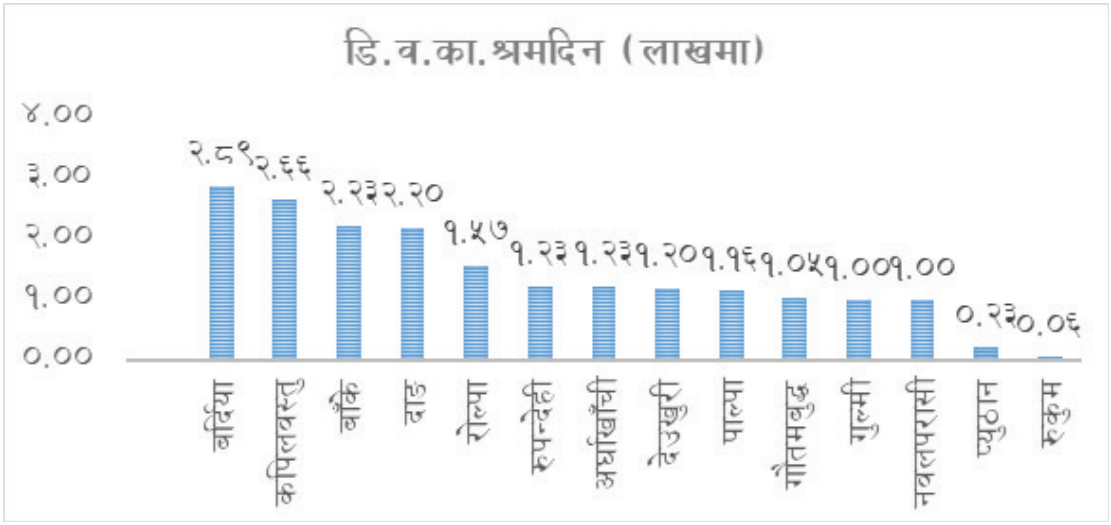
| सि. नं. | डिभिजन वन कार्यालयको नाम | सःमिल | | फर्निचर | | भेनियर/प्लाइबोर्ड | | जडिबुटी प्रशोधन उद्यम | | अन्य | | कुल जम्मा | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | दर्ता | सञ्चालित | दर्ता | सञ्चालित | दर्ता | सञ्चालित | दर्ता | सञ्चालित | दर्ता | सञ्चालित | दर्ता | सञ्चालित |
| १ | रुपन्देही | २२७ | २२६ | ९३३ | ९१२ | ५ | ५ | १ | १ | ३५ | ३५ | १२०१ | ११७९ |
| २ | बाँके | ९६ | ९६ | ३२३ | ३१० | ९ | ९ | २५ | २५ | ५९ | ५९ | ५१२ | ४७१ |
| ३ | दाङ | ५३ | ५३ | १७७ | १७७ | २ | २ | ३ | ० | ४ | ४ | २३९ | २३६ |
| ४ | बर्दिया | ६० | ६० | १६१ | १६१ | ४ | ४ | ५ | ५ | १३ | १३ | २४३ | २१६ |
| ५ | पाल्पा | १२ | ८ | १३५ | ११७ | २ | १ | १ | १ | ० | ० | १५० | १२४ |
| ६ | गुल्मी | ६ | ४ | ११६ | ११४ | २ | १ | ६ | ४ | ० | | १३० | १२३ |
| ७ | रोल्पा | ४ | ३ | १२४ | ११६ | ० | ० | ७ | २ | १३ | ८ | १४८ | १०५ |
| ८ | गौतमबुद्ध | ४९ | ४९ | ३७ | ३७ | १९ | १९ | २ | २ | २४ | २४ | १३१ | १०० |
| ९ | कपिलवस्तु | १३५ | १३५ | ९९ | ९९ | २ | २ | ० | ० | ० | ० | २३६ | ८१ |
| १० | प्यूठान | १ | १ | ५५ | ५३ | ० | | ४ | २ | १ | | ६१ | ५६ |
| ११ | अर्घाखाँची | ४ | ४ | ९५ | ९५ | १ | १ | २ | २ | ० | ० | १०२ | ५२ |

| सि. नं. | डिभिजन वन कार्यालयको नाम | सःमिल | | फर्निचर | | भेनियर/प्लाइबोर्ड | | जडिबुटी प्रशोधन उद्यम | | अन्य | | कुल जम्मा | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | दर्ता | सञ्चालित | दर्ता | सञ्चालित | दर्ता | सञ्चालित | दर्ता | सञ्चालित | दर्ता | सञ्चालित | दर्ता | सञ्चालित |
| १२ | देउखुरी | २२ | १५ | ३३ | २३ | २ | | १ | | २ | २ | ६० | ४० |
| १३ | रुकुम पुर्व | ० | ० | २० | १४ | ० | | ० | | १३ | ११ | ३३ | २५ |
| १४ | नवलपरासी (व.सु.प.) | ७८ | ७८ | २३४ | २३४ | ६ | ६ | १२ | १२ | १७ | १७ | ३४७ | १८ |
| जम्मा | | ७४७ | ७३२ | २५४२ | २४६२ | ५४ | ५० | ६९ | ५६ | १८१ | १७३ | ३५९३ | ३४७३ |

*(श्रोतः सम्बन्धित डिभिजन वन कार्यालय)*

### ख. वन क्षेत्रबाट रोजगारी सिर्जना

आ.व. २०८२।८३ मा विभिन्न कार्यालय मार्फत कुल रोजगारी सिर्जना २० लाख १० हजार ७४२ श्रमदिन रहेको छ ।




चित्र नं २ श्रमदिन डि.व.का. अनुसार

## ३.७ भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालयहरुको क्रियाकलाप सम्बन्धी विवरण

आ.व. २०८२/८३ मा भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालयहरुले २३५ ठाउँमा तटबन्ध निर्माण गरेको जसको कुल लम्बाई ६६०० मिटर रहेको छ । टेवा पर्खाल ७८ वटा निर्माण गरिएको छ, जसको लम्बाई २८३० मिटर रहेको छ । रिचार्ज पोखरी ५६ वटा बाट २६१८८ घ.मि. निर्माण गरिएको छ ।

तालिका ३६: भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालयहरुले संचालन गरेको क्रियाकलापहरुको प्रगति

| क्र.सं. | कार्यालय | तटबन्ध निर्माण | | | टेवा पर्खाल निर्माण | | | रिचार्ज पोखरी निर्माण | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | संख्या | लम्बाई (मि) | संरक्षित क्षेत्रफल (घ.मि.) | संख्या | लम्बाई (मि) | संरक्षित क्षेत्रफल (घ.मि.) | संख्या | आयतन (घ.मि) |
| १ | पाल्पा | ६५ | १८९१ | ८१६८ | २० | ११७३ | १८११ | १७ | १४२९७ |
| २ | दाङ | ६३ | २९८० | १०० | ६ | ११२ | १.५५ | ५ | ११६२५ |
| ३ | अर्घाखाँची | ७१ | ८९८.९ | २ | १० | ९५३.३५ | १.५ | २३ | |
| ४ | रोल्पा | ३६ | ८३० | २७७ | ४२ | ५९२ | ५ | १२ | २६६ |
| | जम्मा | २३५ | ६६०० | ८५४७ | ७८ | २८३० | १८१७.५ | ५७ | २६१८८ |

## ३.८ वन क्षेत्रको जग्गा अन्य प्रयोजनको लागि प्रयोग भएको सम्बन्धि विवरण

वन ऐन २०७६ को दफा ४१ मा राष्ट्रिय वनको कुनै पनि भाग वन क्षेत्रको भू उपयोग परिवर्तन हुने गरी प्रयोग गरीने छैन भनी व्यवस्था गरेको पाइन्छ । तर पुर्वाधार विकासको लागि नेपाल सरकारको निर्णय बमोजिम कुनै आयोजनालाई उपलब्ध गराएको वन क्षेत्रको हकमा यो व्यवस्था लागू हुने छैन भनी उल्लेख गरेको पाइन्छ । यसैगरी दफा ४२ मा यस ऐनमा अन्यत्र जुनसुकै कुरा लेखिएको भएतापनि राष्ट्रिय प्राथमिकता प्राप्त आयोजना, लगानी बोर्डबाट लगानी स्विकृत भएको योजना, राष्ट्रिय गौरवका योजना सञ्चालन गर्न वन क्षेत्रको प्रयोग गर्नु बाहेक अन्य कुनै पनि विकल्प नभएमा र प्रचलित कानुन बमोजिमको वातावरणीय परिक्षणबाट त्यस्तो योजना सञ्चालन गर्दा वातावरणमा उल्लेखनीय प्रतिकुल असर नपर्ने देखिएमा नेपाल सरकारले त्यस्तो योजना सञ्चालन गर्नको निमित्त राष्ट्रिय वनको कुनै भाग प्रयोग गर्न तोकिए बमोजिम स्विकृति दिन सक्ने व्यवस्था रहेको छ । यसै व्यवस्था बमोजिम नेपाल सरकारको विभिन्न मितिको निर्णय बमोजिम यस प्रदेशको विभिन्न जिल्लाका वन क्षेत्र अन्य प्रयोजनको लागि उपलब्ध गराइएको पाइन्छ । आ.व. २०८२/०८३ सम्ममा यस प्रदेशका विभिन्न जिल्लाहरूको वन क्षेत्र अन्य प्रयोजनको लागि उपलब्ध गराइएको शारांस विवरण तालिका ३७ मा र विस्तृत विवरण अनुसुची १ मा दिइएको छ ।

## तालिका ३७: जिल्ला अनुसार वनको जग्गा अन्य प्रयोजनको लागि प्रयोग भएको सम्बन्धी विवरण

| सि.नं. | जिल्ला | संख्या | क्षेत्रफल |
|---|---|---|---|
| १ | अर्घाखाँची | ३ | ८२.२४ |
| २ | गुल्मी | ३ | २.७८ |
| ३ | दाङ | १५ | ३६५ |
| ४ | नवलपरासी (ब.सु.प.) | १२ | ५३७.७ |
| ५ | पाल्पा | ११ | ६४.०३ |
| ६ | प्यूठान | २ | ४.९६२ |
| ७ | बर्दिया | १० | ५२६.५ |
| ८ | बाँके | १४ | ७१७ |
| ९ | रुकुम पूर्व | २ | ५.३६ |
| १० | रुपन्देही | २१ | ३२४ |
| ११ | रोल्पा | ९ | ४८.४८ |
| १२ | कपिलबस्तु | १ | ६.६८९ |
| | जम्मा | १०३.० | २६८४.७ |

# भाग ४

# वन तथा वातावरण मन्त्रालय र मातहतका निकायहरुबाट संचालित वार्षिक कार्यक्रमहरुको प्रगति विवरण

## ४.१ वन तथा वातावरण मन्त्रालयको समग्र बजेट तथा प्रगति अवस्था

लुम्बिनी प्रदेश सरकार अन्तर्गत वन तथा वातावरण मन्त्रालय र मातहतका निकायले कार्यान्वयन गर्ने गरी प्रदेश सरकारको श्रोत तथा संघिय शशर्त अनुदान मार्फत विभिन्न १९ वटा बजेट उपशिर्षकमा रही वार्षिक कार्यक्रम स्विकृत भएको पाइन्छ । आ.व. २०८२/८३ मा लुम्बिनी प्रदेश सरकार अन्तर्गत वन तथा वातावरण मन्त्रालय र मातहतका निकायहरूको लागि स्विकृत वार्षिक बजेट चालु खर्च शिर्षक तर्फ रू. १०५७२.८३ लाख र पुँजीगत तर्फ १४७८६.५५ लाख गरी कुल २ अर्ब ५३ करोड ५९ लाख बजेट विनियोजन भएको देखिन्छ भने खर्च तर्फ हेर्दा चालुतर्फ ७४ करोड ४२ लाख र पुँजीगत तर्फ १ अर्ब ६ करोड २२ लाख गरी कुल जम्मा १ अर्ब ८० करोड ६५ लाख खर्च भएको देखिन्छ, जुन समग्र वार्षिक बजेटको ७१.२४ प्रतिशत हुन आउने देखिन्छ । बजेट उपशिर्षक अनुसार वार्षिक विनियोजित बजेट तथा सो को खर्च सम्बन्धी विवरण तालिका ३८ मा देखाइएको छ ।

तालिका ३८: बार्षिक बजेट तथा खर्च विवरण (समग्र)

| क्र. सं. | बजेट कोड | बजेट उपशीर्षक | वार्षिक बजेट रु. लाखमा | वार्षिक खर्च रु. लाखमा | खर्च प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | ३२९०००११ | वन तथा वातावरण मन्त्रलय | ६४२२७००० | ३७१८६८८८.४ | १.४६ |
| २ | ३२९०१०११ | वन निर्देशनालय | २३०२५००० | १५५९३३०२.६४ | ०.६१ |
| ३ | ३२९०२०११ | वन अनुसन्धान तथा प्रशिक्षण केन्द्र | १९७०१००० | १२३२४६६३.९५ | ०.४८ |
| ४ | ३२९०१०१२ | डिभिजन वन कार्यालय | ८९८४९०००० | ६३२१६२९६७.८ | २४.८१ |
| ५ | ३२९९११२९ | डिभिजन वन कार्यालय (वन सुरक्षा) | ६३०८८००० | ६२२२२०३.५६ | २.४४ |
| ६ | ३२९०००१२ | वन, वन्यजन्तु, जैविक विविधता संरक्षण तथा व्यवस्थापन कार्यालय | २७९९२१००० | १९१४९६४०१ | ७.५१ |
| ७ | ३२९०००१३ | जडिबुटी तथा गैर काष्ठ वन पैदावार विकास कार्यालय | १९२५०००० | १३५४२१३७.६ | ०.५३ |
| ८ | ३२९०००१४ | भु-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालय | ३०३८००००० | २१६००८९१४.६ | ८.४८ |

| क्र. सं. | बजेट कोड | बजेट उपशीर्षक | वार्षिक बजेट रु. लाखमा | वार्षिक खर्च रु. लाखमा | खर्च प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|---|
| ९ | ३२९९११३० | जलाधार संरक्षण तथा सीमसार व्यवस्थापन कार्यालय | ५२५००००० | ३३८८४९४९ | १.३३ |
| १० | ३२९०१०१३ | भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यक्रम | ५४२७४००० | २९१३७१९८.९४ | १.१४ |
| ११ | ३२९९११२८ | वातावरण विभाग | ३५००००० | २४७१६५१४ | ०.९७ |
| १२ | ३२९०००१५ | वन क्षेत्र भित्र खोल्सा खोल्सी व्यवस्थापन कार्यक्रम | ८७००००० | ६६८३६१४ | ०.२६ |
| १३ | ३२९०००१६ | वातावरण तथा जलवायु अनुकुलन कार्यक्रम | २५००००० | १३९४२५६८.६ | ०.५५ |
| १४ | ३२९०००१७ | वन उद्यम र पर्यापर्यटन कार्यक्रम | २१००००० | १०३३६३३९.११ | ०.४१ |
| १५ | ३२९०००१८ | कृषि वन तथा वृहत्तर हरियाली प्रवर्द्धन कार्यक्रम | ८२३६२००० | ५९५२०८३५.९१ | २.३४ |
| १६ | ३२९९११२० | नेपाल जलवायु परिवर्तन सहयोग कार्यक्रम | ३०८००००० | २८१२३५२० | १.१० |
| १७ | ३२९९११२३ | राष्ट्रिय वन विकास तथा व्यवस्थापन कार्यक्रम | ५२७००००० | ३८९०४२६३.९१ | १.५३ |
| १८ | ३२९९११२५ | जडिबुटी विकास कार्यक्रम | ३५५००००० | १७१७७१८४ | ०.६७ |
| १९ | ३२९९११२१ | सम्वृद्धिका लागि वन परियोजना | ४७९००००० | ३७२२८०१६१.४ | १४.६१ |
| | | जम्मा | २५४८३३८००० | १८१५२४४६२९ | ७१.२३ |

* माथि उल्लेखित तालिकामा सम्बन्धित ब.उ.शी.नं.को वन तथा वातावरण मन्त्रालय, लुम्बिनी प्रदेश र वन अनुसन्धान तथा प्रशिक्षण केन्द्र, बुटवलको वार्षिक बजेट तथा खर्च समेत समावेश गरिएको ।

लुम्बिनी प्रदेश सरकार अन्तर्गत वन तथा वातावरण मन्त्रालय र मातहतका निकायले कार्यान्वयन गर्ने गरी प्रदेश सरकारको श्रोत तथा संघिय शशर्त अनुदान मार्फत विभिन्न २१ वटा कार्यालयबाट बजेट कार्यान्वयन भएको देखिन्छ । विनियोजित कार्यालयगत अनुसार वार्षिक विनियोजित बजेट तथा सो को खर्च सम्बन्धी विवरण तालिका ३९ मा देखाइएको छ ।

## तालिका ३९: विनियोजित कार्यालयगत कुल बजेट तथा खर्च विवरण

| सि. नं. | डि.व.का. | कार्यक्रम तर्फ (रकम रु लाखमा) | | | प्रशासनिक तर्फ (रकम रु लाखमा) | | | कुल जम्मा (रकम रु लाखमा) | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | बजेट | खर्च | खर्च प्रतिशत | बजेट | खर्च | खर्च प्रतिशत | बजेट | खर्च | खर्च प्रतिशत |
| १ | डि.व.का., बांके | १०६०.१४ | ९१६.८२ | ८६.४८ | ११४५.७८ | १०६३.३१ | ९२.८० | २२०५.९२ | १९८०.१३ | ८९.७६ |
| २ | डि.व.का., बर्दिया | १३१५.१५ | १०८९.२५ | ८२.८२ | ४८२.२५ | ४३०.२० | ८९.२१ | १७९७.४ | १५१९.४४ | ८४.५४ |
| ३ | डि.व.का., कपिलवस्तु (क.व) | ११७१.७१ | ९४४.२९ | ८०.५९ | ३२१.७४ | २४९.९७ | ७७.६९ | १४९३.४५ | ११९४.२६ | ७९.९७ |
| ४ | डि.व.का., नवलपरासी | ७७३.६१५ | ६३५.५६ | ८२.१६ | ४९९.६६ | ३७३.५८ | ७४.७७ | १२७३.२७५ | १००९.१४ | ७९.२६ |
| ५ | डि.व.का., अर्घाखाँची | ६७९.२९ | ५४७.२७ | ८०.५७ | ४०६.६ | ३१३.०६ | ७६.९९ | १०८५.८९ | ८६०.३४ | ७९.२३ |
| ६ | डि.व.का., पाल्पा | ८४१.९७ | ६२६.७० | ७४.४३ | २५९.४ | २२८.४७ | ८८.०८ | ११०१.३७ | ८५५.१७ | ७७.६५ |
| ७ | डि.व.का., प्युठान | ६२६.७६ | ४७२.९७ | ७५.४६ | २८१.२८ | २३०.०९ | ८१.८० | ९०८.०४ | ७०३.०६ | ७७.४३ |
| ८ | डि.व.का., रुपन्देही | १०७५.२९ | ८४६.९४ | ७८.७६ | ३४४.३९ | २१६.८३ | ६२.९६ | १४१९.६८ | १०६३.७६ | ७४.९३ |
| ९ | भू त ज.व्य.का. अर्घाखाँची | १०१.४१ | ६०.१४ | ५९.३१ | १०७३ | ८००.९८ | ७४.६५ | ११७४.४१ | ८६१.१२ | ७३.३२ |
| १० | डि.व.का., दाङ (दाङ) | १०४२.६६ | ७४२.४१ | ७१.२० | २७१.६२ | २०५.६१ | ७५.७० | १३१४.२८ | ९४८.०१ | ७२.१३ |
| ११ | डि.व.का., दाङ (देउखुरी) | ९६६.५७५ | ७०२.६५ | ७२.६९ | ४३९.४३ | ३०६.६९ | ६९.७९ | १४०६.००५ | १००९.३४ | ७१.७९ |
| १२ | भू त ज.व्य.का.रोल्पा | १०१.४१ | ५५.६० | ५४.८२ | ६९४ | ५१०.०७ | ७३.५० | ७९५.४१ | ५६५.६७ | ७१.१२ |
| १३ | डि.व.का., रोल्पा | ६६४.५५ | ४५०.०६ | ६७.७२ | २०८.९७ | १६४.८६ | ७८.८९ | ८७३.५२ | ६१४.९२ | ७०.४० |
| १४ | भू त ज.व्य.का.दाङ | १५९.९६ | ८६.६२ | ५४.१५ | ११५२ | ८२०.३२ | ७१.२१ | १३११.९६ | ९०६.९४ | ६९.१३ |
| १५ | भू त ज.व्य.का.पाल्पा | १५९.९६ | ७२.५५ | ४५.३६ | ९५३ | ६६१.३७ | ६९.४० | १११२.९६ | ७३३.९२ | ६५.९४ |
| १६ | डि.व.का., रुकुम (पूर्व) | ४९२.५३ | ३०४.११ | ६१.७४ | २८६.०१ | २०७.९४ | ७२.७० | ७७८.५४ | ५१२.०५ | ६५.७७ |
| १७ | डि.व.का., (गौतमबुद्ध) | ११२६.१८ | ७७०.४५ | ६८.४१ | ७०५.२८ | २९८.३० | ४२.२९ | १८३१.४६ | १०६८.७५ | ५८.३५ |
| १८ | डि.व.का., गुल्मी | ५५५.८६ | ३८२.८७ | ६८.८८ | ३०१.२२ | ११६.०५ | ३८.५३ | ८५७.०८ | ४९८.९२ | ५८.२१ |
| १९ | वन अनुसन्धान त. प्र. के. | ११७.०१ | ९४.०७ | ८०.४० | १४८.२ | ३६.७० | २४.७६ | २६५.२१ | १३०.७७ | ४९.३१ |
| २० | वन निर्देशनालय | ८०५.२५ | ३८३.०० | ४७.५६ | २२ | १८.७७ | ८५.३१ | ८२७.२५ | ४०१.७७ | ४८.५७ |
| २१ | वन तथा वातावरण मन्त्रालय | ९४९.२७ | ४३८.५८ | ४६.२० | ५७७ | १८९.६० | ३२.८६ | १५२६.२७ | ६२८.१८ | ४१.१६ |
| | जम्मा | १४७८६.५५ | १०६२२.९१ | ७१.८४ | १०५७२.८३ | ७४४२.७६ | ७०.४० | २५३५९.३८ | १८०६५.६७ | ७१.२४ |

### ४.१.१. विभिन्न कार्यालयको प्रशासनिक तर्फको कार्यक्रम

यस कार्यक्रम (ब.उ.शि.नं. ३२९०००११, ३२९०१०११, ३२९०१०१२, ३२९९११२९) अन्तर्गत मुख्यतया तलब तथा अन्य प्रशानिक खर्चसँग सम्बन्धित कृयाकलापहरू तथा समन्वय, अनुगमन लगायतका कृयाकलापहरू रहेका छन् । यो कार्यक्रम वन तथा वातावरण मन्त्रालय, वन निर्देशनालय, वन अनुसन्धान तथा प्रशिक्षण केन्द्र र १४ वटै डिभिजन वन कार्यालयहरूबाट कार्यान्वयन भएको पाइन्छ । यो कार्यक्रम अन्तर्गत १४ वटा डिभिजन वन कार्यालयहरूको प्रगति विवरण तालिका ४०, ४१ र ४२ मा देखाइएको छ ।

तालिका ४०: ब.उ.शि.नं. ३२९०००११, ३२९०१०११ र ३२९०१०१२ प्रशासनिक तर्फको बजेट तथा खर्च विवरण

| सि. नं. | कार्यान्वयन निकाय | बार्षिक वजेट (रू. लाखमा) | | | बार्षिक खर्च (रू. लाखमा) | | | खर्च प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा |
| १ | वन तथा वातावरण मन्त्रालय | ५६२.२७ | ८०.०० | ६४२.२७ | ३००.३५ | ७१.५२ | ३७१.८७ | ५३.४२ | ८९.४० | ५७.९० |
| २ | प्रदेश वन निर्देशनालय | २३०.२५ | ०.०० | २३०.२५ | १५५.९३ | ०.०० | १५५.९३ | ६७.७२ | ०.०० | ६७.७२ |
| ३ | वन अनुसन्धान तथा प्रशिक्षण केन्द्र | ११७.०१ | ८०.०० | १९७.०१ | ९४.०७ | २९.१७ | १२३.२५ | ८०.४० | ३६.४७ | ६२.५६ |

तालिका ४१:ब.उ.शि.नं. ३२९०१०१२ डिभिजन वन कार्यालयहरुको प्रशासनिक तर्फको बजेट तथा खर्च विवरण

| सि. नं. | कार्यान्वयन निकाय | बार्षिक वजेट (रू. लाखमा) | | | बार्षिक खर्च (रू. लाखमा) | | | खर्च प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा |
| १ | डि. व. का., नवलपरासी | ५२२.०२ | ५०.०० | ५७२.०२ | ४०३.०० | ३२.३३ | ४३५.३४ | ७७.२० | ६४.६७ | ७६.११ |
| २ | डि. व. का., रुपन्देही | ६७२.८० | ०.०० | ६७२.८० | ५२३.३६ | ०.०० | ५२३.३६ | ७७.७९ | ०.०० | ७७.७९ |
| ३ | डि. व. का., कपिलवस्तु (कपिलवस्तु) | ६६८.८० | ०.०० | ६६८.८० | ४८६.८६ | ०.०० | ४८६.८६ | ७२.८० | ०.०० | ७२.८० |
| ४ | डि. व. का., कपिलवस्तु (गौतमबुद्ध) | ६९४.२३ | २८५.०० | ९७९.२३ | ४१७.४४ | ३१.२५ | ४४८.६९ | ६०.१३ | १०.९६ | ४५.८२ |
| ५ | डि. व. का., पाल्पा | ५५१.६७ | १०.०० | ५६१.६७ | ३५८.५५ | ७.७९ | ३६६.३४ | ६४.९९ | ७७.९१ | ६५.२२ |
| ६ | डि. व. का., अर्घाखाँची | ४५७.१३ | ५५.०० | ५१२.१३ | ३३९.५५ | ४१.१० | ३८०.६५ | ७४.२८ | ७४.७३ | ७४.३३ |
| ७ | डि. व. का., गुल्मी | ४१७.५६ | २.०० | ४१९.५६ | ३०९.२३ | ०.४५ | ३०९.६८ | ७४.०६ | २२.६९ | ७३.८१ |
| ८ | डि. व. का., रुकुम (पूर्व) | ३७८.३३ | ७५.०० | ४५३.३३ | २६३.५४ | ५२.९६ | ३१६.५० | ६९.६६ | ७०.६२ | ६९.८२ |

| सि. नं. | कार्यान्वयन निकाय | बार्षिक वजेट (रू. लाखमा) | | | बार्षिक खर्च (रू. लाखमा) | | | खर्च प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा |
| ९ | डि. व. का., रोल्पा | ५२३.७५ | २.०० | ५२५.७५ | ३४१.०४ | २.०० | ३४३.०४ | ६५.१२ | १००.०० | ६५.२५ |
| १० | डि. व. का., प्यूठान | ४५०.९२ | २.०० | ४५२.९२ | ३१७.९७ | २.०० | ३१९.९७ | ७०.५२ | ९९.८० | ७०.६५ |
| ११ | डि. व. का., दाङ (दाङ) | ७५६.४३ | २.०० | ७५८.४३ | ५३३.१३ | १.९३ | ५३५.०६ | ७०.४८ | ९६.७१ | ७०.५५ |
| १२ | डि. व. का., दाङ (देउखुरी) | ७२८.५० | १०८.०० | ८३६.५० | ५१०.७४ | ८८.५० | ५९९.२३ | ७०.११ | ८१.९४ | ७१.६४ |
| १३ | डि. व. का., बांके | ६९६.३४ | ३००.०० | ९९६.३४ | ५६३.०१ | २५९.४५ | ८२२.४६ | ८०.८५ | ८६.४८ | ८२.५५ |
| १४ | डि. व. का., बर्दिया | ५१५.४२ | ६०.०० | ५७५.४२ | ३८७.८९ | ४६.५५ | ४३४.४५ | ७५.२६ | ७७.५९ | ७५.५० |
| | जम्मा | ८०३३.९० | ९५१.०० | ८९८४.९० | ५७५५.३१ | ५६६.३२ | ६३२१.६३ | ७१.६४ | ५९.५५ | ७०.३६ |

## तालिका ४२: ब.उ.शि.नं. ३२९९११२९ डिभिजन वन कार्यालयहरु(वन सुरक्षा)को प्रशासनिक तर्फको बजेट तथा खर्च विवरण

| सि. नं. | कार्यान्वयन निकाय | बार्षिक वजेट (रू. लाखमा) | | | बार्षिक खर्च (रू. लाखमा) | | | खर्च प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा |
| १ | डि. व. का., नवलपरासी | ५६.६० | ०.०० | ५६.६० | ५५.८८ | ०.०० | ५५.८८ | ९८.७४ | | ९८.७४ |
| २ | डि. व. का., रुपन्देही | ११०.०८ | ०.०० | ११०.०८ | १०९.९८ | ०.०० | १०९.९८ | ९९.९१ | | ९९.९१ |
| ३ | डि. व. का., कपिलवस्तु (कपिलवस्तु) | ११५.४१ | ०.०० | ११५.४१ | ११५.४१ | ०.०० | ११५.४१ | १००.०० | | १००.०० |
| ४ | डि. व. का., कपिलवस्तु (गौतमबुद्ध) | ७६.४५ | ०.०० | ७६.४५ | ७६.२१ | ०.०० | ७६.२१ | ९९.६९ | | ९९.६९ |
| ५ | डि. व. का., अर्घाखाँची | २६.६६ | ०.०० | २६.६६ | २४.३० | ०.०० | २४.३० | ९१.१४ | | ९१.१४ |
| ६ | डि. व. का., दाङ (दाङ) | ४२.२३ | ०.०० | ४२.२३ | ४२.२३ | ०.०० | ४२.२३ | १००.०० | | १००.०० |
| ७ | डि. व. का., दाङ (देउखुरी) | २६.६२ | ०.०० | २६.६२ | २५.६५ | ०.०० | २५.६५ | ९६.३८ | | ९६.३८ |
| ८ | डि. व. का., बांके | ८८.८० | ०.०० | ८८.८० | ८४.५९ | ०.०० | ८४.५९ | ९५.२६ | | ९५.२६ |
| ९ | डि. व. का., बर्दिया | ८८.०४ | ०.०० | ८८.०४ | ८७.९६ | ०.०० | ८७.९६ | ९९.९१ | | ९९.९१ |
| | जम्मा | ६३०.८८ | ०.०० | ६३०.८८ | ६२२.२२ | ०.०० | ६२२.२२ | ९८.६३ | | ९८.६३ |

### ४.१.२. वन, वन्यजन्तु जैविक विविधता संरक्षण तथा व्यवस्थापन कार्यक्रम

यस कार्यक्रम (ब.उ.शि.नं. ३२९०००१२) अन्तर्गत मुख्यतया वन, वन्यजन्तु, जैविक विविधता संरक्षण, व्यवस्थापन, अनुसन्धान, प्रचार प्रसार, तालिम, गोष्ठी जस्ता क्षमता अभिवृद्धिसँग सम्बन्धित कृयाकलापहरू तथा समन्वय, अनुगमन लगायतका कृयाकलापहरू रहेका छन् । यो कार्यक्रम वन तथा वातावरण मन्त्रालय, वन निर्देशनालय, वन अनुसन्धान तथा प्रशिक्षण केन्द्र र १४ वटै डिभिजन वन कार्यालयहरूबाट कार्यान्वयन भएको पाइन्छ । यो कार्यक्रम अन्तर्गत १४ वटा डिभिजन वन कार्यालयहरूको प्रगति विवरण तालिका ४३ मा देखाइएको छ । जसमध्ये सबैभन्दा बढी बजेट खर्च प्रतिशत डिभिजन वन कार्यालय बाकेंको ९५.२५ प्रतिशत रहेको छ भने सबैभन्दा कम डिभिजन वन कार्यालय, गुल्मीको ३७.६६ प्रतिशत रहेको पाइन्छ भने समग्रमा ६९.६५ प्रतिशत वित्तिय प्रगति भएको देखिन्छ ।

तालिका ४३: ब.उ.शि.नं. ३२९०००१२ वन, वन्यजन्तु, जैविक विविधता संरक्षण तथा व्यवस्थापन कार्यक्रम तर्फको बजेट तथा खर्च विवरण

| सि. नं. | कार्यान्वयन निकाय | बार्षिक वजेट (रू. लाखमा) | | | बार्षिक खर्च (रू. लाखमा) | | | खर्च प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा |
| १ | डि. व. का., नवलपरासी | ६.०० | १९२.२८ | १९८.२८ | ५.८८ | १४८.०४ | १५३.९२ | ९७.९८ | ७६.९९ | ७७.६३ |
| २ | प्रदेश वन निर्देशनालय | २०.०० | ५.०० | २५.०० | १३.९७ | २.११ | १६.०८ | ६९.८३ | ४२.२१ | ६४.३० |
| ३ | डि. व. का., रुपन्देही | ९.०० | १८४.९९ | १९३.९९ | ७.७९ | १०७.८४ | ११५.६२ | ८६.५० | ५८.२९ | ५९.६० |
| ४ | डि. व. का., कपिलवस्तु (कपिलवस्तु) | ९.०० | १५८.८५ | १६७.८५ | ७.१५ | ११२.६९ | ११९.८४ | ७९.४० | ७०.९४ | ७१.३९ |
| ५ | डि. व. का., कपिलवस्तु गौतमबुद्ध | ९.०० | १५५.८२ | १६४.८२ | ८.९८ | १०६.५० | ११५.४९ | ९९.८२ | ६८.३५ | ७०.०७ |
| ६ | डि. व. का., पाल्पा | १२.०० | ८८.४० | १००.४० | १२.०० | ७८.७२ | ९०.७१ | १००.०० | ८९.०४ | ९०.३५ |
| ७ | डि. व. का., अर्घाखाँची | ९.०० | १५४.६६ | १६३.६६ | ८.५१ | १३५.२६ | १४३.७७ | ९४.५४ | ८७.४६ | ८७.८५ |
| ८ | डि. व. का., गुल्मी | ९.०० | ६३.९७ | ७२.९७ | ८.७२ | १८.७७ | २७.४८ | ९६.८५ | २९.३४ | ३७.६६ |
| ९ | डि. व. का., रुकुम (पूर्व) | ६.०० | ६७.३४ | ७३.३४ | ६.०० | ३९.३७ | ४५.३७ | १००.०० | ५८.४७ | ६१.८७ |
| १० | डि. व. का., रोल्पा | १२.०० | ६८.२२ | ८०.२२ | १०.१० | ५०.४६ | ६०.५६ | ८४.१६ | ७३.९७ | ७५.४९ |
| ११ | डि. व. का., प्यूठान | ९.०० | ७८.९९ | ८७.९९ | ८.९८ | ६३.३५ | ७२.३३ | ९९.८० | ८०.२० | ८२.२० |

| सि. नं. | कार्यान्वयन निकाय | बार्षिक वजेट (रू. लाखमा) | | | बार्षिक खर्च (रू. लाखमा) | | | खर्च प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा |
| १२ | डि. व. का., दाङ (दाङ) | १२.०० | ८९.३९ | १०१.३९ | ११.५० | ६९.७४ | ८१.२३ | ९५.८१ | ७८.०२ | ८०.१२ |
| १३ | डि. व. का., दाङ (देउखुरी) | १२.०० | ११५.२७ | १२७.२७ | ११.९९ | ७६.१६ | ८८.१५ | ९९.९३ | ६६.०७ | ६९.२६ |
| १४ | डि. व. का., बांके | ९.०० | २९७.१३ | ३०६.१३ | ९.०० | २८३.०१ | २९२.०१ | १००.०० | ९५.२५ | ९५.३९ |
| १५ | डि. व. का., बर्दिया | ६६.०० | १६६.९० | २३२.९० | ६५.९९ | १३६.९५ | २०२.९४ | ९९.९९ | ८२.०५ | ८७.१४ |
| १६ | वन अनुसन्धान तथा प्रशिक्षण केन्द | १०४.०० | २०.०० | १२४.०० | ८१.७४ | ५.०४ | ८६.७८ | ७८.५९ | २५.२० | ६९.९८ |
| जम्मा | | ५८७.०० | २२१२.२१ | २७९९.२१ | ३७४.१६ | १५४०.८० | १९१४.९६ | ६३.७४ | ६९.६५ | ६८.४१ |

### ४.१.३. जडिबुटी तथा गैरकाष्ठ वन पैदावर विकास कार्यक्रम

यो कार्यक्रम (ब.उ.शि.नं. ३२९०००१३) खासगरी पहाडि जिल्लाहरूमा जडिबुटी तथा गैरकाष्ठ वन पैदावार विकास गर्ने उद्देश्य राखी तय गरिएको कार्यक्रम हो । यो कार्यक्रम खासगरी पहाडी क्षेत्रका डिभिजन वन कार्यालयहरू पाल्पा, गुल्मी, अर्घाखाँची, रूकुमपूर्व, रोल्पा, प्यूठान, दाङ (दाङ) जिल्लामा कार्यान्वयनमा रहेको छ । यस कार्यक्रम अन्तर्गत मुख्य रूपमा जडीबुटी नर्सरी निर्माण, मर्मत तथा स्तरोन्नति, बिरुवा उत्पादन, जडीबुटी प्रवर्द्धनका लागि कृषक, व्यवसाय र प्राविधिक विच सिकाई आदानप्रदान अवलोकन भ्रमण, उच्च पहाडी क्षेत्रमा ओखर विकास कार्यक्रम र टिमुर प्रवर्द्धन कार्यक्रम आदि कृयाकलापहरू रहेका थिए । यो कार्यक्रमको लागि ७ वटा डिभिजन वन कार्यालयहरूको लागि कुल १ करोड ९२ लाख ५० हजार बजेट विनियोजन भएकामा जम्मा १ करोड ३५ लाख ४२ हजार मात्र खर्च भएको देखिन्छ, जसमा समग्र बजेटको जम्मा ६९.२५ प्रतिशत मात्र वित्तिय प्रगति रहेको पाइयो । डिभिजन वन कार्यालय अनुसार विनियोजित बजेट खर्चको विवरण तालिका ४४ मा देखाइएको छ ।

तालिका ४४: ब.उ.शि.नं. ३२९०००१३ जडिबुटी तथा गैरकाष्ठ वन पैदावार विकास कार्यक्रम तर्फको डि.व.का.को बजेट तथा खर्च विवरण

| सि.नं. | कार्यान्वयन निकाय | बजेट | | | खर्च | | | खर्च प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा |
| १ | डि. व. का., पाल्पा | २.५० | १५.०० | १७.५० | २.०० | ११.९३ | १३.९३ | ८०.०० | ७९.५१ | ७९.५८ |
| २ | डि. व. का., अर्घाखाँची | २.५० | २०.०० | २२.५० | १.९६ | १६.१५ | १८.१० | ७८.२७ | ८०.७३ | ८०.४६ |
| ३ | डि. व. का., गुल्मी | २.५० | ३०.०० | ३२.५० | २.०० | ६.१९ | ८.१९ | ८०.०० | २०.६४ | २५.२० |
| ४ | डि. व. का., रुकुम (पूर्व) | २.५० | ५०.०० | ५२.५० | २.०० | ४१.८२ | ४३.८२ | ८०.०० | ८३.६३ | ८३.४६ |
| ५ | डि. व. का., रोल्पा | २.५० | २५.०० | २७.५० | २.०० | १४.४५ | १६.४५ | ८०.०० | ५७.७९ | ५९.८१ |
| ६ | डि. व. का., प्यूठान | २.५० | २०.०० | २२.५० | २.०० | १७.६६ | १९.६६ | ८०.०० | ८८.३० | ८७.३८ |
| ७ | डि. व. का., दाङ (दाङ) | २.५० | १५.०० | १७.५० | २.२८ | १३.०० | १५.२८ | ९१.१२ | ८६.६७ | ८७.३० |
| जम्मा | | १७.५० | १७५.०० | १९२.५० | १४.२३ | १२१.१९ | १३५.४२ | ८१.३४ | ६९.२५ | ७०.३५ |

**नोट अन्य डि.व.का.मा ब.उ.शि.नं. ३२९०००१३ शीर्षकको बार्षिक कार्यक्रम नरहेको ।**

### ४.१.४. भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यक्रम

#### ४.१.४.१. भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यक्रम

यो कार्यक्रम (ब.उ.शि.नं. ३२९०००१४) खासगरी भू तथा जलाधार संरक्षण गर्ने उद्देश्यले तय गरिएको कार्यक्रम हो । यो कार्यक्रम यस प्रदेशमा रहेको चारवटा भू तथा जलाधार संरक्षण कार्यालयहरू पाल्पा, अर्घाखाँची, रोल्पा र दाङबाट प्रदेशका सबै जिल्लाहरूमा सेवा प्रदान गर्ने गरी कार्यान्वयनमा रहेको छ । यस कार्यक्रम अन्तर्गत मुख्य रूपमा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन कार्यक्रम ( पानी मुहान, सिमसार संरक्षण, एक वडा एक पोखरी कार्यक्रम समेत), विपत जोखिम न्युनिकरण तथा प्राकृतिक प्रकोप व्यवस्थापन र दिगो भू व्यवस्थापन (क्षतिग्रस्त भूमि पुनरुत्थान, बिरुवा उत्पादन, फलफूल डाँले घाँस रोपण आदि) कृयाकलापहरू रहेका थिए । यो कार्यक्रमको लागि ४ वटा भू तथा जलाधार संरक्षण कार्यालयहरूको लागि कुल ३० करोड ३८ लाख बजेट विनियोजन भएकामा जम्मा २१ करोड ६० लाख ९ हजार मात्र खर्च भएको देखिन्छ जुन समग्र बजेटको जम्मा ७१.१० प्रतिशत वित्तिय प्रगति रहेको पाइयो । भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालय अनुसार विनियोजित बजेट खर्चको विवरण तालिका ४५ मा देखाइएको छ ।

तालिका ४५: ब.उ.शि.नं. ३२९०००१४ भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यक्रम तर्फको भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालयको बजेट तथा खर्च विवरण

| सि. नं. | कार्यान्वयन निकाय | बजेट | | | खर्च | | | खर्च प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा |
| १ | भू तथा ज. व्य. का. पाल्पा | ० | ९२ | ९२ | ० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| २ | भू तथा ज. व्य. का. अर्घाखाँची | ० | ९२ | ९२ | ० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| ३ | भू तथा ज. व्य. का., रोल्पा | ० | ७९३ | ७९३ | ० | ५३६.६६ | ५३६.६६ | ० | ६७.६७ | ६७.६७ |
| ४ | भू तथा ज. व्य. का., दाङ | ० | ६३८ | ६३८ | ० | ५१२.५३ | ५१२.५३ | ० | ८०.३३ | ८०.३३ |
| जम्मा | | ० | ३०३८ | ३०३८ | ० | २१६०.०९ | २१६०.०९ | | ७१.१० | ७१.१० |

### ४.१.४.२. जलाधार संरक्षण तथा सिमसार व्यवस्थापन कार्यक्रम

यो कार्यक्रम (ब.उ.शि.नं. ३२९९११३०) खासगरी जलाधार क्षेत्र तथा सिमसार क्षेत्रहरूको संरक्षण गर्ने उद्देश्यले तय गरिएको कार्यक्रम हो । यो कार्यक्रम यस प्रदेशमा रहेको चारवटा भू तथा जलाधार संरक्षण कार्यालयहरू पाल्पा, अर्घाखाँची, रोल्पा र दाङबाट प्रदेशका सबै जिल्लाहरूमा सेवा प्रदान गर्ने गरी कार्यान्वयनमा रहेको छ । यस कार्यक्रम अन्तर्गत मुख्य रूपमा तालतलैया, रनअफ हार्भेष्टिङ डयाम निर्माण, गल्छी पहिरो नियन्त्रण र खोला किनार संरक्षण जस्ता कृयाकलापहरू रहेका थिए । यो कार्यक्रमको लागि ४ वटा भू तथा जलाधार संरक्षण कार्यालयको लागि कुल ५ करोड २५ लाख बजेट विनियोजन भएकामा जम्मा ३ करोड ३८ लाख ८५ हजार मात्र खर्च भएको देखिन्छ जुन समग्र बजेटको जम्मा ६४.५४ प्रतिशत वित्तिय प्रगति रहेको पाइयो । जलाधार संरक्षण तथा सिमासार व्यवस्थापन कार्यक्रमको कार्यालय अनुसार विनियोजित बजेट खर्चको विवरण तालिका ४६ मा देखाइएको छ ।

तालिका ४६:जलाधार संरक्षण तथा सिमसार व्यवस्थापन (३२९९११३०, शसर्त) बजेट तथा खर्च विवरण

| सि.नं. | कार्यान्वयन निकाय | बजेट | | | खर्च | | | खर्च प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा |
| १ | भू तथा ज. व्य. का. पाल्पा | ०.०० | ७५.०० | ७५.०० | ०.०० | ५७.५५ | ५७.५५ | ०.०० | ७६.७३ | ७६.७३ |
| २ | भू तथा ज. व्य. का. अर्घाखाँची | ०.०० | २७५.०० | २७५.०० | ०.०० | १७५.३२ | १७५.३२ | ०.०० | ६३.७५ | ६३.७५ |

| सि.नं. | कार्यान्वयन निकाय | बजेट | | | खर्च | | | खर्च प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा |
| ३ | भू तथा ज. व्य. का., रोल्पा | ०.०० | ५०.०० | ५०.०० | ०.०० | २४.८९ | २४.८९ | ०.०० | ४९.७८ | ४९.७८ |
| ४ | भू तथा ज. व्य. का., दाङ | ०.०० | १२५.०० | १२५.०० | ०.०० | ८१.०९ | ८१.०९ | ०.०० | ६४.८७ | ६४.८७ |
| जम्मा | | ०.०० | ५२५.०० | ५२५.०० | ०.०० | ३३८.८५ | ३३८.८५ | ०.०० | ६४.५४ | ६४.५४ |

### ४.१.४.३. भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालयहरु

आ.व. २०८२/०८३ मा भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालयको समग्र कार्यक्रम तर्फ  विनियोजित बजेट तथा खर्च सम्बन्धी विवरण तालिका नं. ४७ मा दिइएको छ । भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालयहरूले कार्यक्रम तर्फ समग्रमा ५३.६९% वित्तीय प्रगति गरेको देखिन्छ ।

तालिका ४७: भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालयहरु (३२९०१०१३) बजेट तथा खर्च विवरण

| सि. नं. | कार्यान्वयन निकाय | बजेट | | | खर्च | | | खर्च प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा |
| १ | भू तथा ज. व्य. का. पाल्पा | १५९.९६ | ४.०० | १६३.९६ | ७२.५५ | ३.१७ | ७५.७२ | ४५.३६ | ७९.२७ | ४६.१८ |
| २ | भू तथा ज. व्य. का. अर्घाखाँची | १०१.४१ | ४.०० | १०५.४१ | ६०.१४ | ३.१५ | ६३.२९ | ५९.३१ | ७८.६८ | ६०.०४ |
| ३ | भू तथा ज. व्य. का., रोल्पा | १०१.४१ | ८.०० | १०९.४१ | ५५.६० | ६.९६ | ६२.५५ | ५४.८२ | ८७.०० | ५७.१७ |
| ४ | भू तथा ज. व्य. का., दाङ | १५९.९६ | ४.०० | १६३.९६ | ८६.६२ | ३.१९ | ८९.८० | ५४.१५ | ७९.६५ | ५४.७७ |
| जम्मा | | ५२२.७४ | २०.०० | ५४२.७४ | २७४.९१ | १६.४६ | २९१.३७ | ५२.५९ | ८२.३२ | ५३.६९ |

### ४.१.५. वातावरण विभाग (शसर्त) (३२९९११२८)

यो कार्यक्रम (ब.उ.शि.नं. ३२९९११२८) संघिय शशर्त अनुदान कृयाकलाप अन्तर्गत लुम्बिनी प्रदेशका विभिन्न ३ वटा डिभिजन वन कार्यालयहरूमा वातावरण संरक्षण लगायतका कृयाकलापहरू कार्यान्वयन गर्ने उद्देश्य राखी तय गरिएको कार्यक्रम हो । यो कार्यक्रमको लागि विभिन्न ३ वटा डिभिजन वन कार्यालयहरूको लागि कुल ३ करोड ५० लाख बजेट विनियोजन भएकामा जम्मा २ करोड ४७ लाख १६ हजार मात्र खर्च भएको देखिन्छ जुन समग्र बजेटको जम्मा ७०.६२ प्रतिशत मात्र वित्तिय प्रगति रहेको पाइयो । डिभिजन वन कार्यालय अनुसार विनियोजित बजेट खर्चको विवरण तालिका ४८ मा देखाइएको छ ।

तालिका ४८: वातावरण विभाग (शसर्त) (३२९९११२८) बजेट तथा खर्च विवरण

| सि. नं. | कार्यान्वयन निकाय | बजेट | | | खर्च | | | खर्च प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा |
| १ | भू तथा ज. व्य. का. पाल्पा | ० | ७५ | ७५ | ० | ५८.०८ | ५८.०८ | ० | ७७.४५ | ७७.४५ |
| २ | भू तथा ज. व्य. का. अर्घाखाँची | ० | १५० | १५० | ० | १०४.५६ | १०४.५६ | ० | ६९.७१ | ६९.७१ |
| ३ | भू तथा ज. व्य. का., दाङ | ० | १२५ | १२५ | ० | ८४.५१ | ८४.५१ | ० | ६७.६२ | ६७.६२ |
| जम्मा | | ० | ३५० | ३५० | ० | २४७.१६ | २४७.१६ | ० | ७०.६२ | ७०.६२ |

### ४.१.६. वन क्षेत्र भित्र खोला खोल्सी व्यवस्थापन कार्यक्रम

यो कार्यक्रम (ब.उ.शि.नं. ३२९०००१५) खासगरी तराईका जिल्लाहरूको राष्ट्रिय वन क्षेत्र हुँदै बग्ने खोलाखोल्सी व्यवस्थापन गर्ने उद्देश्य राखी तय गरिएको कार्यक्रम हो । यो कार्यक्रम खासगरी तराई क्षेत्रका डिभिजन वन कार्यालयहरू दाङ (देउखुरी), दाङ (घोराही), अर्घाखाँची, कपिलवस्तु (गौतमबुद्ध), कपिलवस्तु (कपिलवस्तु), रूपन्देही र नवलपरासी (ब. सु. प ) कार्यान्वयनमा रहेको छ । यस कार्यक्रम अन्तर्गत मुख्य रूपमा वन क्षेत्र भित्रका खोला/ खोल्सी व्यवस्थापन तथा नदीजन्य पदार्थ संकलन जस्ता कृयाकलापहरू रहेका थिए । यो कार्यक्रमको लागि ७ वटा डिभिजन वन कार्यालयहरूको लागि कुल ८७ लाख बजेट विनियोजन भएकामा जम्मा ६६ लाख ८४ हजार मात्र खर्च भएको देखिन्छ । यस कार्यक्रममा विनियोजन बजेटको जम्मा ७६.८२ प्रतिशत मात्र प्रगति रहेको पाइयो । डिभिजन वन कार्यालय अनुसार विनियोजित बजेट र खर्चको विवरण तालिका ४९ मा देखाइएको छ ।

तालिका ४९: ब.उ.शि.नं. ३२९०००१५ वन क्षेत्र भित्रका खोलाखोल्सि व्यवस्थापन कार्यक्रम तर्फको डिभिजन वन कार्यालयको खर्च विवरण

| सि. नं. | कार्यान्वयन निकाय | बजेट | | | खर्च | | | खर्च प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा |
| १ | डि. व. का., नवलपरासी | ०.०० | १२.०० | १२.०० | ०.०० | ५.५० | ५.५० | ०.०० | ४५.८५ | ४५.८५ |
| २ | डि. व. का., रुपन्देही | ०.०० | ८.०० | ८.०० | ०.०० | ७.८२ | ७.८२ | ०.०० | ९७.७८ | ९७.७८ |
| ३ | डि. व. का., कपिलवस्तु (कपिलवस्तु) | ०.०० | १५.०० | १५.०० | ०.०० | १४.८० | १४.८० | ०.०० | ९८.६९ | ९८.६९ |

| सि. नं. | कार्यान्वयन निकाय | बजेट | | | खर्च | | | खर्च प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा |
| ४ | डि. व. का., कपिलवस्तु (गौतमबुद्ध) | ०.०० | १५.०० | १५.०० | ०.०० | १३.४५ | १३.४५ | ०.०० | ८९.६९ | ८९.६९ |
| ५ | डि. व. का., अर्घाखाँची | ०.०० | १२.०० | १२.०० | ०.०० | ९.७४ | ९.७४ | ०.०० | ८१.१३ | ८१.१३ |
| ६ | डि. व. का., दाङ (दाङ) | ०.०० | १०.०० | १०.०० | ०.०० | १०.०० | १०.०० | ०.०० | १००.०० | १००.०० |
| ७ | डि. व. का., दाङ (देउखुरी) | ०.०० | १५.०० | १५.०० | ०.०० | ५.५२ | ५.५२ | ०.०० | ३६.८० | ३६.८० |
| | जम्मा | ०.०० | ८७.०० | ८७.०० | ०.०० | ६६.८४ | ६६.८४ | ०.०० | ७६.८२ | ७६.८२ |

**नोट अन्य डि.व.का.मा ब.उ.शि.नं. ३२९०००१५ शीर्षकको बार्षिक कार्यक्रम नरहेको ।**

### ४.१.७. वातावरण तथा जलवायु अनुकुलन कार्यक्रम

यो कार्यक्रम (ब.उ.शि.नं. ३२९०००१६) संघिय शशर्त अनुदान कृयाकलाप अन्तर्गत लुम्बिनी प्रदेशका विभिन्न २१ वटा कार्यालयहरूमा वातावरण संरक्षण, वर पिपल चौतारी संरक्षण/निर्माण, स्कूल वन हरियाली कार्यक्रम लगायतका कार्यालय सौन्दर्यीकरण कृयाकलापहरू कार्यान्वयन गर्ने उद्देश्य राखी तय गरिएको कार्यक्रम हो । यो कार्यक्रमको लागि विभिन्न २१ वटा कार्यालयहरूको लागि कुल २ करोड ५० लाख बजेट विनियोजन भएकामा जम्मा १ करोड ३९ लाख ५ हजार मात्र खर्च भएको देखिन्छ जुन समग्र बजेटको जम्मा ७०.२८ प्रतिशत मात्र वित्तिय प्रगति रहेको पाइयो । कार्यालय अनुसार विनियोजित बजेट खर्चको विवरण तालिका ५० मा देखाइएको छ ।

तालिका ५०: ब.उ.शि.नं. ३२९०००१६ वातावरण तथा जलवायु अनुकुलन कार्यक्रम तर्फको खर्च विवरण

| सि. नं. | कार्यान्वयन निकाय | बजेट | | | खर्च | | | खर्च प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा |
| १ | वन तथा वातावरण मन्त्रालय | ५५.०० | २०.०० | ७५.०० | २.३८ | ०.०० | २.३८ | ४.३२ | ०.०० | ३.१७ |
| २ | डि. व. का., नवलपरासी | ०.०० | १२.०० | १२.०० | ०.०० | १०.६७ | १०.६७ | | ८८.९० | ८८.९० |
| ३ | प्रदेश वन निर्देशनालय | ०.०० | २.०० | २.०० | ०.०० | १.९६ | १.९६ | | ९८.१७ | ९८.१७ |

| सि. नं. | कार्यान्वयन निकाय | बजेट | | | खर्च | | | खर्च प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा |
| ४ | डि. व. का., रुपन्देही | ०.०० | १०.०० | १०.०० | ०.०० | ३.८३ | ३.८३ | | ३८.२५ | ३८.२५ |
| ५ | डि. व. का., कपिलवस्तु (कपिलवस्तु) | ०.०० | १२.०० | १२.०० | ०.०० | ६.१८ | ६.१८ | | ५१.४९ | ५१.४९ |
| ६ | डि. व. का., कपिलवस्तु (गौतमबुद्ध) | ०.०० | १०.०० | १०.०० | ०.०० | १.८९ | १.८९ | | १८.९० | १८.९० |
| ७ | डि. व. का., पाल्पा | ०.०० | १०.०० | १०.०० | ०.०० | ९.९० | ९.९० | | ९८.९५ | ९८.९५ |
| ८ | भू तथा ज. व्य. का., पाल्पा | ०.०० | २.०० | २.०० | ०.०० | १.९८ | १.९८ | | ९९.०५ | ९९.०५ |
| ९ | डि. व. का., अर्घाखाँची | ०.०० | १२.०० | १२.०० | ०.०० | ११.८३ | ११.८३ | | ९८.६१ | ९८.६१ |
| १० | भू तथा ज. व्य. का., अर्घाखाँची | ०.०० | २.०० | २.०० | ०.०० | १.५३ | १.५३ | | ७६.४९ | ७६.४९ |
| ११ | डि. व. का., गुल्मी | ०.०० | १२.०० | १२.०० | ०.०० | ५.२८ | ५.२८ | | ४३.९६ | ४३.९६ |
| १२ | डि. व. का., रुकुम (पूर्व) | ०.०० | १०.०० | १०.०० | ०.०० | ८.९९ | ८.९९ | | ८९.८६ | ८९.८६ |
| १३ | डि. व. का., रोल्पा | ०.०० | १२.०० | १२.०० | ०.०० | १०.५१ | १०.५१ | | ८७.६२ | ८७.६२ |
| १४ | भू तथा ज. व्य. का., रोल्पा | ०.०० | २.०० | २.०० | ०.०० | १.९९ | १.९९ | | ९९.५१ | ९९.५१ |
| १५ | डि. व. का., प्यूठान | ०.०० | १२.०० | १२.०० | ०.०० | ९.८१ | ९.८१ | | ८१.७३ | ८१.७३ |
| १६ | डि. व. का., दाङ (दाङ) | ०.०० | १२.०० | १२.०० | ०.०० | ११.८९ | ११.८९ | | ९९.०९ | ९९.०९ |
| १७ | डि. व. का., दाङ (देउखुरी) | ०.०० | १२.०० | १२.०० | ०.०० | ७.८७ | ७.८७ | | ६५.५९ | ६५.५९ |
| १८ | भू तथा ज. व्य. का., दाङ | ०.०० | ४.०० | ४.०० | ०.०० | ४.०० | ४.०० | | १००.०० | १००.०० |
| १९ | डि. व. का., बांके | ०.०० | १०.०० | १०.०० | ०.०० | १०.०० | १०.०० | | १००.०० | १००.०० |
| २० | डि. व. का., बर्दिया | ०.०० | १५.०० | १५.०० | ०.०० | १४.९६ | १४.९६ | | ९९.७२ | ९९.७२ |
| २१ | वन अनुसन्धान तथा प्रशिक्षण केन्द | ०.०० | २.०० | २.०० | ०.०० | १.९९ | १.९९ | | ९९.५६ | ९९.५६ |
| | जम्मा | ५५.०० | १९५.०० | २५०.०० | २.३८ | १३७.०५ | १३९.४३ | ४.३२ | ७०.२८ | ५५.७७ |

### ४.१.८. वन उद्यम र पर्यापर्यटन प्रवर्द्धन कार्यक्रम

यो कार्यक्रम (ब.उ.शि.नं. ३२९०००१७) लुम्बिनी प्रदेशका विभिन्न ७ वटा कार्यालयहरूमा वन उद्यम र पर्यापर्यटन प्रवर्द्धन कार्यक्रम लगायतका कृयाकलापहरू कार्यान्वयन गर्ने उद्देश्य राखी तय गरिएको कार्यक्रम हो । यो कार्यक्रमको लागि विभिन्न ७ वटा कार्यालयहरूको लागि कुल २ करोड १० लाख बजेट विनियोजन भएकामा जम्मा १ करोड ३ लाख ३६ हजार मात्र खर्च भएको देखिन्छ जुन समग्र बजेटको जम्मा ४९.२२ प्रतिशत मात्र वित्तिय प्रगति रहेको पाइयो । डिभिजन वन कार्यालय अनुसार विनियोजित बजेट खर्चको विवरण तालिका ५१ मा देखाइएको छ ।

**तालिका ५१: ब.उ.शि.नं. ३२९०००१७ वन उद्यम र पर्यापर्यटन प्रवर्द्धन कार्यक्रम तर्फको डिभिजन वन कार्यालयको बजेट तथा खर्च विवरण**

| सि. नं. | कार्यान्वयन निकाय | बजेट | | | खर्च | | | खर्च प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा |
| १ | वन तथा वातावरण मन्त्रालय | ०.०० | ६०.०० | ६०.०० | ०.०० | ११.२९ | ११.२९ | | १८.८२ | १८.८२ |
| २ | डि. व. का., नवलपरासी | ०.०० | ३०.०० | ३०.०० | ०.०० | २०.७६ | २०.७६ | | ६९.१९ | ६९.१९ |
| ३ | डि. व. का., गुल्मी | ०.०० | ३०.०० | ३०.०० | ०.०० | १३.९३ | १३.९३ | | ४६.४२ | ४६.४२ |
| ४ | डि. व. का., रोल्पा | ०.०० | १०.०० | १०.०० | ०.०० | ९.७० | ९.७० | | ९६.९६ | ९६.९६ |
| ५ | डि. व. का., प्यूठान | ०.०० | ४०.०० | ४०.०० | ०.०० | २६.८१ | २६.८१ | | ६७.०२ | ६७.०२ |
| ६ | डि. व. का., दाङ (देउखुरी) | ०.०० | ३०.०० | ३०.०० | ०.०० | १२.०४ | १२.०४ | | ४०.१५ | ४०.१५ |
| ७ | डि. व. का., बर्दिया | ०.०० | १०.०० | १०.०० | ०.०० | ८.८४ | ८.८४ | | ८८.४१ | ८८.४१ |
| जम्मा | | ०.०० | २१०.०० | २१०.०० | ०.०० | १०३.३६ | १०३.३६ | ०.०० | ४९.२२ | ४९.२२ |

### ४.१.९. कृषि वन तथा बृहत्तर हरियाली प्रवर्द्धन कार्यक्रम

यो कार्यक्रम (ब.उ.शि.नं. ३२९०००१८) लुम्बिनी प्रदेशका सबै डिभिजन वन कार्यालयहरूमा नर्सरी, वन विरूवा उत्पादन, वृक्षरोपण, नीजि तथा कृषि वन विकास गरी बृहत्तर हरियाली प्रवर्द्धन गर्ने उद्देश्य राखी तय गरिएको कार्यक्रम हो । यस कार्यक्रम अन्तर्गत मुख्य रूपमा नर्सरी मर्मत, स्तरोन्नति, विरूवा उत्पादन तथा विरुवाको स्याहार सम्भार, अनुसन्धानमुलक वन नर्सरी, वृक्षरोपण, समृद्धि वृक्षरोपण, पुनःरोपण, गोडमेल तथा संरक्षण, सडक सौन्दर्यीकरण र निजी तथा कृषि वन प्रवर्द्धन कार्यक्रम जस्ता कृयाकलापहरू रहेका थिए । यो कार्यक्रमको लागि १४ वटा डिभिजन

वन कार्यालयहरू १ मन्त्रालय तथा १ वन अनुसन्धान तथा प्रशिक्षण केन्द गरी १६ वटा कार्यालयको लागि कुल ८ करोड २३ लाख ६२ हजार बजेट विनियोजन भएकामा जम्मा ५ करोड ९५ लाख २१ हजार मात्र खर्च भएको देखिन्छ । यस कार्यक्रममा विनियोजित बजेटको जम्मा ७२.२७ प्रतिशत मात्र वित्तिय प्रगति रहेको पाइयो । डिभिजन वन कार्यालय अनुसार विनियोजित बजेट खर्चको विवरण तालिका ५२ मा देखाइएको छ ।

**तालिका ५२: ब.उ.शि.नं. ३२९०००१८ कृषि वन तथा बृहत्तर हरियाली प्रवर्द्धन कार्यक्रम तर्फको बजेट तथा खर्च विवरण**

| सि. नं. | कार्यान्वयन निकाय | बजेट | | | खर्च | | | खर्च प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा |
| १ | वन तथा वातावरण मन्त्रालय | ०.०० | २०.०० | २०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | | ०.०० | ०.०० |
| २ | डि. व. का., नवलपरासी | ०.०० | १२६.३८ | १२६.३८ | ०.०० | ८०.७६ | ८०.७६ | | ६३.९० | ६३.९० |
| ३ | डि. व. का., रुपन्देही | ०.०० | ६०.९० | ६०.९० | ०.०० | ५४.३७ | ५४.३७ | | ८९.२७ | ८९.२७ |
| ४ | डि. व. का., कपिलवस्तु (कपिलवस्तु) | ०.०० | ४६.१४ | ४६.१४ | ०.०० | ३८.६५ | ३८.६५ | | ८३.७७ | ८३.७७ |
| ५ | डि. व. का., कपिलवस्तु (गौतमबुद्ध) | ०.०० | ७०.९६ | ७०.९६ | ०.०० | ५८.८९ | ५८.८९ | | ८२.९९ | ८२.९९ |
| ६ | डि. व. का., पाल्पा | ०.०० | २५.५० | २५.५० | ०.०० | २३.८४ | २३.८४ | | ९३.४८ | ९३.४८ |
| ७ | डि. व. का., अर्घाखाँची | ०.०० | ३५.४४ | ३५.४४ | ०.०० | २२.५० | २२.५० | | ६३.४९ | ६३.४९ |
| ८ | डि. व. का., गुल्मी | ०.०० | २८.२५ | २८.२५ | ०.०० | १४.७४ | १४.७४ | | ५२.१९ | ५२.१९ |
| ९ | डि. व. का., रुकुम (पूर्व) | ०.०० | ४४.६७ | ४४.६७ | ०.०० | ३६.९७ | ३६.९७ | | ८२.७६ | ८२.७६ |
| १० | डि. व. का., रोल्पा | ०.०० | २३.२५ | २३.२५ | ०.०० | २२.६६ | २२.६६ | | ९७.४७ | ९७.४७ |
| ११ | डि. व. का., प्यूठान | ०.०० | २९.७९ | २९.७९ | ०.०० | २४.६३ | २४.६३ | | ८२.६९ | ८२.६९ |
| १२ | डि. व. का., दाङ (दाङ) | ०.०० | ५५.४८ | ५५.४८ | ०.०० | ३६.७० | ३६.७० | | ६६.१४ | ६६.१४ |
| १३ | डि. व. का., दाङ (देउखुरी) | ०.०० | ६२.६६ | ६२.६६ | ०.०० | ४७.८५ | ४७.८५ | | ७६.३७ | ७६.३७ |
| १४ | डि. व. का., बांके | ०.०० | ७१.६५ | ७१.६५ | ०.०० | ७०.९४ | ७०.९४ | | ९९.०१ | ९९.०१ |
| १५ | डि. व. का., बर्दिया | ०.०० | ५६.३५ | ५६.३५ | ०.०० | ५६.१७ | ५६.१७ | | ९९.६८ | ९९.६८ |
| १६ | वन अनुसन्धान तथा प्रशिक्षण केन्द | ०.०० | ६६.२० | ६६.२० | ०.०० | ५.५३ | ५.५३ | | ८.३६ | ८.३६ |
| | जम्मा | ०.०० | ८२३.६२ | ८२३.६२ | ०.०० | ५९५.२१ | ५९५.२१ | | ७२.२७ | ७२.२७ |

### ४.१.४.१०. नेपाल जलवायु परिवर्तन सहयोग कार्यक्रम

यो कार्यक्रम (ब.उ.शि.नं. ३२९९११२०) लुम्बिनी प्रदेश अन्तर्गतको डिभिजन वन कार्यालय बाँकेमा नेपाल सरकारको नेतृत्वमा जलवायु परिवर्तनको असरबाट बढी जोखिममा रहेका समुदायहरूलाई अनुकूलन क्षमता अभिवृद्धि गर्न र स्थानीय विकास योजनामा जलवायु परिवर्तनलाई मूलप्रवाहीकरण गर्न सञ्चालित एक प्रमुख कार्यक्रम हो । यो कार्यक्रमको लागि १ वटा मात्र डिभिजन वन कार्यालय बाँकेको लागि कुल ३ करोड ८ लाख बजेट विनियोजन भएकामा जम्मा २ करोड ८१ लाख २३ हजार मात्र खर्च भएको देखिन्छ । यस कार्यक्रममा विनियोजित बजेटको जम्मा ९१.१८ प्रतिशत मात्र वित्तिय प्रगति रहेको पाइयो । डिभिजन वन कार्यालय अनुसार विनियोजित बजेट खर्चको विवरण तालिका ५३ मा देखाइएको छ ।

**तालिका ५३: ब.उ.शि.नं. ३२९९११२० नेपाल जलवायु परिवर्तन सहयोग कार्यक्रम (शसर्त) तर्फको डिभिजन वन कार्यालयको बजेट तथा खर्च विवरण**

| सि.नं. | कार्यान्वयन निकाय | बजेट | | | खर्च | | | खर्च प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा |
| १ | डि. व. का., बांके | १९.०० | २८९.०० | ३०८.०० | १७.७२६ | २६३.५१ | २८१.२३ | ९३.२९ | ९१.१८ | ९१.३१ |
| जम्मा | | १९.०० | २८९.०० | ३०८.०० | १७.७२६ | २६३.५१ | २८१.२३ | ९३.२९ | ९१.१८ | ९१.३१ |

### ४.१.४.११. राष्ट्रिय वन विकास तथा व्यवस्थापन कार्यक्रम

यो कार्यक्रम (ब.उ.शि.नं. ३२९९११२३) संघिय शशर्त अनुदान कृयाकलाप अन्तर्गत लुम्बिनी प्रदेशका सबै डिभिजन वन कार्यालयहरूमा राष्ट्रिय वन विकास तथा व्यवस्थापनसँग सम्बन्धित कृयाकलापहरू खासगरी नर्सरी, वन विरूवा उत्पादन, काठ दाउरा संकलन, साझेदारी वन व्यवस्थापन, वन संरक्षण क्षेत्रको व्यवस्थापन, वन अतिक्रमण नियन्त्रण, वन डढेलो नियन्त्रण लगायत वन संरक्षण विकास र व्यवस्थापनसँग सम्बन्धित कृयाकलापहरू कार्यान्वयन गर्ने उद्देश्य राखी तय गरिएको कार्यक्रम हो । यो कार्यक्रमको लागि १४ वटा डिभिजन वन कार्यालयहरू तथा मन्त्रालयको लागि कुल ५ करोड २७ लाख बजेट विनियोजन भएकामा जम्मा ३ करोड ८९ लाख ४ हजार मात्र खर्च भएको देखिन्छ । यस कार्यक्रममा विनियोजित बजेटको जम्मा ७३.८२ प्रतिशत मात्र वित्तिय प्रगति रहेको पाइयो । डिभिजन वन कार्यालय अनुसार विनियोजित बजेट खर्चको विवरण तालिका ५४ मा देखाइएको छ ।

## तालिका ५४: ब.उ.शि.नं. ३२९९११२३ राष्ट्रिय वन विकास तथा व्यवस्थापन (शसर्त) तर्फको डिभिजन वन कार्यालयको बजेट तथा खर्च विवरण

| सि. नं. | कार्यान्वयन निकाय | बजेट | | | खर्च | | | खर्च प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा |
| १ | वन तथा वातावरण मन्त्रालय | ५८.०० | ०.०० | ५८.०० | ३९.९७६ | ०.०० | ३९.९७६ | ६८.९२ | | ६८.९२ |
| २ | डि. व. का., नवलपरासी | ०.०० | ३.०० | ३.०० | ०.०० | २.८८८ | २.८८८ | | ९६.२८ | ९६.२८ |
| ३ | डि. व. का., रुपन्देही | ०.०० | ३.०० | ३.०० | ०.०० | ३.०० | ३.०० | | १००.०० | १००.०० |
| ४ | डि. व. का., कपिलवस्तु (कपिलवस्तु) | ०.०० | ११.०० | ११.०० | ०.०० | ६.०० | ६.०० | | ५४.५५ | ५४.५५ |
| ५ | डि. व. का., कपिलवस्तु (गौतमबुद्ध) | ०.०० | १३.०० | १३.०० | ०.०० | १२.१९२ | १२.१९२ | | ९३.७८ | ९३.७८ |
| ६ | डि. व. का., पाल्पा | ९.८० | १३.०० | २२.८० | ९.८० | २.९६ | १२.७६ | १००.०० | २२.७७ | ५५.९६ |
| ७ | डि. व. का., अर्घाखाँची | ५.०० | ९.०० | १४.०० | ४.५० | ५.८३७ | १०.३३७ | ९०.०० | ६४.८५ | ७३.८३ |
| ८ | डि. व. का., गुल्मी | ९.८० | ७०.०० | ७९.८० | ४.८० | २४.१४२ | २८.९४२ | ४८.९८ | ३४.४९ | ३६.२७ |
| ९ | डि. व. का., रुकुम (पूर्व) | ९.८० | ०.०० | ९.८० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | | ०.०० |
| १० | डि. व. का., रोल्पा | ९.८० | २०.०० | २९.८० | ७.०६४ | १६.९७४ | २४.०३८ | ७२.०८ | ८४.८७ | ८०.६६ |
| ११ | डि. व. का., प्यूठान | ९.८० | २०.०० | २९.८० | ९.५८५ | १८.१०७ | २७.६९२ | ९७.८१ | ९०.५४ | ९२.९३ |
| १२ | डि. व. का., दाङ (दाङ) | ०.०० | ९.०० | ९.०० | ०.०० | ६.०० | ६.०० | | ६६.६७ | ६६.६७ |
| १३ | डि. व. का., दाङ (देउखुरी) | ०.०० | २९.०० | २९.०० | ०.०० | ४.६२२ | ४.६२२ | | १५.९४ | १५.९४ |
| १४ | डि. व. का., बांके | ०.०० | ८३.०० | ८३.०० | ०.०० | ८२.५०४ | ८२.५०४ | | ९९.४० | ९९.४० |
| १५ | डि. व. का., बर्दिया | ५०.०० | ८२.०० | १३२.०० | ४९.८०२ | ७८.२९ | १२८.०९२ | ९९.६० | ९५.४८ | ९७.०४ |
| जम्मा | | १६२.०० | ३६५.०० | ५२७.०० | १२५.५२७ | २६३.५१६ | ३८९.०४३ | ७७.४९ | ७२.२० | ७३.८२ |

### ४.१.४.१२. जडिबुटी विकास कार्यक्रम

यो कार्यक्रम (ब.उ.शि.नं. ३२९९११२५) संघिय शशर्त अनुदान कृयाकलाप अन्तर्गत लुम्बिनी प्रदेशका पहाडी तथा तराई क्षेत्रका डिभिजन वन कार्यालयहरू तथा भू तथा जलाधार संरक्षण व्यवस्थापन कार्यालयमा जडिबुटि विकास तथा व्यवस्थापनसँग सम्बन्धित कृयाकलापहरू खासगरी जडिबुटिका वन नर्सरी, वन विरूवा उत्पादन, जडिबुटि खेति विकास कार्यक्रम लगायतका कृयाकलापहरू कार्यान्वयन गर्ने उद्देश्य राखी तय गरिएको कार्यक्रम हो । यो कार्यक्रमको लागि १४ वटा डिभिजन वन कार्यालयहरू तथा ४ वटा भू तथा जलाधार संरक्षण व्यवस्थापन कार्यालयहरुको लागि कुल ३ करोड ५५ लाख बजेट विनियोजन भएकामा जम्मा १ करोड ७१ लाख ७७ हजार मात्र खर्च भएको देखिन्छ । यस कार्यक्रममा विनियोजित बजेटको जम्मा ४८.३९ प्रतिशत मात्र वित्तिय प्रगति रहेको पाइयो । कार्यालय अनुसार विनियोजित बजेट र खर्चको विवरण तालिका ५५ मा देखाइएको छ ।

**तालिका ५५: ब.उ.शि.नं. ३२९९११२५, जडिबुटी विकास कार्यक्रम (शसर्त) तर्फको विभिन्न कार्यालयको बजेट तथा खर्च विवरण**

| सि. नं. | कार्यान्वयन निकाय | बजेट | | | खर्च | | | खर्च प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा |
| १ | डि. व. का., नवलपरासी | ०.०० | १०.०० | १०.०० | ०.०० | ९.७४ | ९.७४ | | ९७.४० | ९७.४० |
| २ | डि. व. का., रुपन्देही | ०.०० | ६.०० | ६.०० | ०.०० | ६.०० | ६.०० | | १००.०० | १००.०० |
| ३ | डि. व. का., कपिलवस्तु (कपिलवस्तु) | ०.०० | १६.०० | १६.०० | ०.०० | ११.९६ | ११.९६ | | ७४.७८ | ७४.७८ |
| ४ | डि. व. का., कपिलवस्तु (गौतमबुद्ध) | ०.०० | ८६.०० | ८६.०० | ०.०० | ५.८९६ | ५.८९६ | | ६.८६ | ६.८६ |
| ५ | डि. व. का., पाल्पा | ०.०० | २६.०० | २६.०० | ०.०० | २३.८० | २३.८० | | ९१.५६ | ९१.५६ |
| ६ | भू तथा ज. व्य. का., पाल्पा | ०.०० | ४.०० | ४.०० | ०.०० | ३.९२५ | ३.९२५ | | ९८.१३ | ९८.१३ |
| ७ | डि. व. का., अर्घाखाँची | ०.०० | ५३.०० | ५३.०० | ०.०० | १५.७३ | १५.७३ | | २९.६९ | २९.६९ |
| ९ | भू तथा ज. व्य. का., अर्घाखाँची | ०.०० | ४.०० | ४.०० | ०.०० | ३.८८३ | ३.८८३ | | ९७.०८ | ९७.०८ |
| १० | डि. व. का., गुल्मी | ०.०० | २१.०० | २१.०० | ०.०० | ९.२९३ | ९.२९३ | | ४४.२५ | ४४.२५ |
| ११ | डि. व. का., रुकुम (पूर्व) | ०.०० | १३.०० | १३.०० | ०.०० | ७.६१ | ७.६१५ | | ५८.५८ | ५८.५८ |

| सि. नं. | कार्यान्वयन निकाय | बजेट | | | खर्च | | | खर्च प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा |
| १२ | डि. व. का., रोल्पा | ०.०० | १५.०० | १५.०० | ०.०० | ५.०० | ५.०० | | ३३.३३ | ३३.३३ |
| १३ | भू तथा ज. व्य. का., रोल्पा | ०.०० | ४.०० | ४.०० | ०.०० | ३.९८ | ३.९८९ | | ९९.७३ | ९९.७३ |
| १४ | डि. व. का., प्यूठान | ०.०० | २७.०० | २७.०० | ०.०० | १६.९० | १६.९० | | ६२.५९ | ६२.५९ |
| १५ | डि. व. का., दाङ (दाङ) | ०.०० | २६.०० | २६.०० | ०.०० | ५.२५ | ५.२५६ | | २०.२२ | २०.२२ |
| १६ | डि. व. का., दाङ (देउखुरी) | ०.०० | ६.०० | ६.०० | ०.०० | ५.९० | ५.९०८ | | ९८.४७ | ९८.४७ |
| १७ | भू तथा ज. व्य. का., दाङ | ०.०० | ९.०० | ९.०० | ०.०० | ८.८७ | ८.८७४ | | ९८.६० | ९८.६० |
| १८ | डि. व. का., बांके | ०.०० | २१.०० | २१.०० | ०.०० | १९.९८ | १९.९८ | | ९५.१७ | ९५.१७ |
| | जम्मा | ०.०० | ३५५.०० | ३५५.०० | ०.०० | १७१.७७ | १७१.७७ | ०.०० | ४८.३९ | ४८.३९ |

### ४.१.४.१२. समृद्धिको लागि वन कार्यक्रम

यो कार्यक्रम (ब.उ.शि.नं. ३२९९११२१) संघिय शशर्त अनुदान कार्यक्रमको रूपमा लुम्बिनी प्रदेशका सबै डिभिजन वन कार्यालयहरूमा नर्सरी मर्मत, वन विरूवा उत्पादन, सामुदायिक तथा कबुलियति वन समुह गठन, वन हस्तान्तरण, दिगो वन व्यवस्थापन कार्ययोजना तयारी र कार्यान्वयन गर्ने उद्देश्य राखी तय गरिएको कार्यक्रम हो । यस कार्यक्रम अन्तर्गत मुख्य रूपमा सामुदायिक र साझेदारी वनको विधान र कार्ययोजना नविकरणमा सहयोग, सामुदायिक वन तथा साझेदारी वनको वन सम्वर्द्धन प्रणालीमा आधारित वन व्यवस्थापन योजना तयारी र कार्यान्वयन, कबुलियती वन तथा सामुदायिक वन उपभोक्ता समुह गठन, विधान, कार्ययोजना तयारी हस्तान्तरण तथा कार्ययोजना नविकरण, वन डढेलो नियन्त्रण, व्यवस्थापन तथा योजना कार्यान्वयन, वन्यजन्तु संरक्षण तथा व्यवस्थापन, नर्सरी मर्मत तथा विरुवा उत्पादन जस्ता कृयाकलापहरू रहेका थिए । यो कार्यक्रमको लागि १४ वटा डिभिजन वन कार्यालयहरू तथा वन निर्देशनालयको लागि कुल ४७ करोड ९० लाख बजेट विनियोजन भएकामा जम्मा ३७ करोड २२ लाख ८० हजार मात्र खर्च भएको देखिन्छ । यस कार्यक्रममा विनियोजित बजेटको जम्मा ७७.७२ प्रतिशत मात्र वित्तिय प्रगति रहेको पाइयो । डिभिजन वन कार्यालय अनुसार विनियोजित बजेट खर्चको विवरण तालिका ५६ मा देखाइएको छ ।

## तालिका ५६: ब.उ.शि.नं. ३२९९११२१ समृद्धिको लागि वन कार्यक्रम, (शसर्त) तर्फको डिभिजन वन कार्यालयको बजेट तथा खर्च विवरण

| सि. नं. | कार्यान्वयन निकाय | बजेट | | | खर्च | | | खर्च प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा | चालु | पूँजीगत | जम्मा |
| १ | डि. व. का., नवलपरासी | १८९.०० | ६४.०० | २५३.०० | १७०.८० | ६२.८९ | २३३.६९ | ९०.३७ | ९८.२६ | ९२.३७ |
| २ | वन निर्देशनालय | ५५५.०० | १५.०० | ५७०.०० | २१३.१० | १४.६९ | २२७.८० | ३८.४० | ९७.९६ | ३९.९६ |
| ३ | डि. व. का., रुपन्देही | २८३.४१ | ७१.५० | ३५४.९१ | २०५.८१ | ३३.९७ | २३९.७८ | ७२.६२ | ४७.५२ | ६७.५६ |
| ४ | डि. व. का., कपिलवस्तु (कपिलवस्तु) | ३७८.५० | ६२.७५ | ४४१.२५ | ३३४.८८ | ५९.६९ | ३९४.५७ | ८८.४८ | ९५.१२ | ८९.४२ |
| ५ | डि. व. का., कपिलवस्तु (गौतमबुद्ध) | ३४६.५० | ६९.५० | ४१६.०० | २६७.८१ | ६८.२३ | ३३६.०४ | ७७.२९ | ९८.१७ | ८०.७८ |
| ६ | डि. व. का., पाल्पा | २६६.०० | ७१.५० | ३३७.५० | २४४.३५ | ६९.५४ | ३१३.८९ | ९१.८६ | ९७.२६ | ९३.०० |
| ७ | डि. व. का., अर्घाखाँची | १७९.०० | ५५.५० | २३४.५० | १६८.४६ | ५४.९१ | २२३.३७ | ९४.११ | ९८.९३ | ९५.२५ |
| ८ | डि. व. का., गुल्मी | ११७.०० | ४४.०० | १६१.०० | ५८.१३ | २३.२६ | ८१.३९ | ४९.६८ | ५२.८६ | ५०.५५ |
| ९ | डि. व. का., रुकुम (पूर्व) | ९५.९० | २६.०० | १२१.९० | ३२.५७ | २०.२२ | ५२.७८ | ३३.९६ | ७७.७६ | ४३.३० |
| १० | डि. व. का., रोल्पा | ११६.५० | ३३.५० | १५०.०० | ८९.८५ | ३३.११ | १२२.९६ | ७७.१३ | ९८.८३ | ८१.९७ |
| ११ | डि. व. का., प्यूठान | १५४.५४ | ५१.५० | २०६.०४ | १३४.४३ | ५०.८३ | १८५.२६ | ८६.९९ | ९८.७० | ८९.९१ |
| १२ | डि. व. का., दाङ (दाङ) | २२९.५० | ५२.७५ | २८२.२५ | १५३.२७ | ५१.०९ | २०४.३६ | ६६.७९ | ९६.८५ | ७२.४० |
| १३ | डि. व. का., दाङ (देउखुरी) | १९९.४६ | ६१.५० | २६०.९६ | १५४.२७ | ५८.२२ | २१२.४९ | ७७.३४ | ९४.६६ | ८१.४३ |
| १४ | डि. व. का., बांके | २४७.०० | ७४.०० | ३२१.०० | २४२.४९ | ७३.९० | ३१६.३९ | ९८.१८ | ९९.८६ | ९८.५७ |
| १५ | डि. व. का., बर्दिया | ५९५.६९ | ८४.०० | ६७९.६९ | ४९७.५९ | ८०.४४ | ५७८.०३ | ८३.५३ | ९५.७६ | ८५.०४ |
| | जम्मा | ३,९५३.०० | ८३७.०० | ४,७९०.०० | २,९६७.८३ | ७५४.९७ | ३,७२२.८० | ७५.०८ | ९०.२० | ७७.७२ |

# भाग ५

# वन निर्देशनालयद्धारा सम्पादित मुख्य क्रियाकलापहरू

प्रचलित संघिय वन ऐन २०७६, वन नियमावली २०७९ र लुम्बिनी प्रदेशको वन ऐन २०७८ तथा प्रदेश वन नियमावली २०७९ तथा संघिय सरकार र प्रदेश सरकारबाट जारी भएका मापदण्ड, निर्देशिका बमोजिम वन निर्देशनालयलाई तोकिएका जिम्मेवारीहरूका सन्दर्भमा सम्पादन भएका मुख्य मुख्य क्रियाकलापहरू यहाँ प्रस्तुत गरिएको छ ।

## ५.१. वन विकास तथा व्यवस्थापन सम्बन्धमा निर्देशनालयबाट सम्पादन भएका कार्यहरू

- लुम्बिनी प्रदेश सरकारबाट जारी भएको वन पैदावर आपूर्ति समिति सञ्चालन निर्देशिका २०७९ अनुसार यस प्रदेशका ९ वटा वन पैदावर आपूर्ति समितिहरूको वार्षिक कार्ययोजना स्विकृत गरिएको ।
- वन ऐन २०७६ वन नियमावली २०७९ मा भएको व्यवस्था बमोजिम तिनकुने, बेला र खर्चे ताल चक्ला वनहरूको कार्ययोजना स्विकृतिको लागि सिफारिस गरिएको ।
- वन नियमावली २०७९ को नियम ३९ (२) बमोजिम प्राविधिक समितिको ५ वटा बैठक बसी २ वटा साझेदारी वनको कार्ययोजना नविकरण र ३ वटा नयाँ चक्ला वनहरूको कार्ययोजनाहरूको स्विकृतिको लागि सिफारिस गरेको ।
- लुम्बिनी प्रदेशको वन नियमावलीको नियम ५९ तथा वन पैदावर (काठ दाउरा ) संकलन तथा बिक्रि वितरण निर्देशिका बमोजिम ७ वटा साझेदारी वन, अर्घाखाँची, बाँके र दाङ जिल्लामा अवस्थित राष्ट्रिय वन (चक्ला वन) समेतको काठ दाउरा संकलन कार्यको छपान भएका रूखहरूको ५ प्रतिशत छपान चेकजाँच गरी विभिन्न मितिमा गरी १६ पटक वन व्यवस्थापन तथा काठ दाउरा संकलन कार्यको सहजीकरण गरेको ।
- विकास निर्माण सम्बन्धि विभिन्न परियोजनाको लागि नेपाल सरकारको निर्णयबाट भोगाधिकार प्राप्त भै वन क्षेत्र प्रयोग भएकोमा सो क्रममा हटाउनुपर्ने रूखहरूको छपान चेकजाँच, ग्रेडिङ चेकजाँच र कटान प्लटको अन्तिम जाँच गरी सहजीकरण गरेको ।
- नेपाल विद्युत प्राधिकरण र बुटवल बर्दघाट २२० के.भी. प्रसारण लाइन तथा सव स्टेसन आयोजना, नेपाल विद्युत प्राधिकरण बर्दघाट, सर्दी १३२ केभी प्रसारण लाइन आयोजनाले प्रयोग गरेको वन क्षेत्रको प्लटको अन्तिम जाँच सम्पन्न गरेको ।
- वन पैदावर संकलन गरी घाटगद्दीमा रहेका गोलिया काठहरूको वन नियमावली २०७९ बमोजिम ९ पटक विभिन्न घाटगद्दीको ग्रेडिङ चेकजाँच तथा प्लटको अन्तिम जाँच गरिएको ।
- आवधिक तथा वन व्यवस्थापन योजनासँग सम्बन्धित ३ वटा प्रारम्भिक वातावरणीय परिक्षण प्रतिवेदन तयारीको लागि कार्यसुची तथा प्रतिवेदन अध्ययन गरी स्विकृतिको लागि वन तथा वातावरण मन्त्रालयमा सिफारिस गरी पठाएको ।

- खोटो संकलन सम्बन्धि विभिन्न उद्योगहरुबाट प्राप्त ५ वटा प्रारम्भिक वातावरणीय परिक्षण प्रतिवेदनको कार्यसूची एवम् ५ वटा प्रारम्भिक वातावरणीय परिक्षण प्रतिवेदन स्विकृतिको लागि वन तथा वातावरण मन्त्रालय सिफारिस गरी पठाएको ।

## ५.२. योजना तर्जुमा तथा अनुगमन सम्बन्धमा निर्देशनालयबाट सम्पादन भएका कार्यहरू

- वन तथा वातावरण मन्त्रालय मातहतका निकायहरूको वार्षिक योजना तर्जुमा गोष्ठी सञ्चालन तथा सहजीकरण कार्य एकपटक गरेको ।
- वन तथा वातावरण मन्त्रालय र मातहतका निकायहरूको त्रैमासिक प्रगति संकलन गरी वन तथा वातावरण मन्त्रालयमा पेश गरेको ।
- प्रदेशको वन तथा वातावरण मन्त्रालय मातहतका निकायहरूले सम्पादन गरेका विभिन्न विकास कार्यहरूको अनुगमन निरिक्षण गरी स्थलगत रूपमा मौखिक पृष्ठपोषण तथा वन डढेलो नियन्त्रण र व्यवस्थापन सम्बन्धी र सम्बर्द्धन प्रणालीमा आधारित वन व्यवस्थापन सम्बन्धमा २ पटक लिखित रूपमा पृष्ठपोषण प्रदान गरेको ।
- वनसँग सम्बन्धित विभिन्न विषयहरूमा सरोकारवालाहरू संलग्न बैठक राखी आवश्यक पृष्ठपोषण प्रदान गरेको ।
- मातहतका विभिन्न निकायहरुबाट अमानत मार्फत कार्यक्रम सञ्चालन गर्न प्राप्त विभिन्न ८ वटा कार्यालयहरुलाई सार्वजनिक खरिद ऐन २०६३ तथा नियमावली २०६४ बमोजिम सहमति प्रदान गरिएको ।

## ५.३. वन तथा वन्यजन्तु संरक्षण सम्बन्धमा निर्देशनालयबाट सम्पादन भएका कार्यहरू

- विभिन्न डिभिजन वन कार्यालयहरूबाट प्राप्त १४ वटा वन्यजन्तुको क्षतिको राहत सम्बन्धी फायलहरू अध्ययन गरी सिफारिस गरी वन तथा वातावरण मन्त्रालयमा पेश गरेको ।
- वन अतिक्रमण नियन्त्रणको लागि विभिन्न डिभिजन वन कार्यालयहरूबाट माग भए बमोजिम वन कर्मचारी परिचालन गर्न सहजीकरण गरेको ।
- वन क्षेत्रमा संचालित विभिन्न खानी उत्खनन् सम्बन्धी उद्योगहरुसँग एक पटक समन्वय बैठक सम्पन्न गरेको ।
- लुम्बिनी प्रदेशमा खोटो संकलन गर्ने विभिन्न उद्योगका प्रतिनिधीहरुसँग समन्वय बैठक एक पटक संचालन गरेको ।

## ५.४. वन निर्देशनालयबाट सम्पादित वार्षिक कार्यक्रम

लुम्बिनी प्रदेश सरकार अन्तर्गत वन निर्देशनालयमा विभिन्न ४ वटा बजेट उपशिर्षकमा रही वार्षिक कार्यक्रम स्विकृत भएको पाइन्छ । आ.व. २०८२/८३ मा वन निर्देशनालयको लागि स्विकृत वार्षिक बजेट ८ करोड २७ लाख २५ हजार बजेट विनियोजन भएको देखिन्छ भने खर्च तर्फ हेर्दा जम्मा चार करोड १ लाख ७५ हजार खर्च भएको देखिन्छ, जुन समग्र वार्षिक बजेटको ४८.५६ प्रतिशत हुन आउने देखिन्छ । वार्षिक विनियोजित बजेट तथा सो को खर्च सम्बन्धी विवरण तालिका ५७ मा देखाइएको छ ।

**तालिका ५७: वन निर्देशनालयमा स्वीकृत वार्षिक बजेट तथा खर्च विवरण**

| सि. नं. | बार्षिक कार्यक्रम | बार्षिक बजेट | खर्च | खर्च प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|
| १ | वन वन्यजन्तु जैविक विविधता संरक्षण तथा व्यवस्थापन (३२९०००१२) | २५.०० | १६.०७ | ६४.३२ |
| २ | वातावरण तथा जलवायु अनुकुलन कार्यक्रम ( ३२९०००१६) | २.०० | १.९६ | ९८.१६ |
| ३ | वन निर्देशनालय (३२९०१०११) | २३०.२५ | १५५.९३ | ६७.७२ |
| ४ | समृद्धिका लागि वन (३२९९११२१ संघ शसर्त अनुदान) | ५७०.०० | २२७.७९ | ३९.९६ |
| कुल जम्मा | | ८२७.२५ | ४०१.७५ | ४८.५६ |

### ५.४.१. समृद्धिका लागि वन (३२९९११२१ संघ शसर्त अनुदान) को प्रगति

**तालिका ५८: आ.व. समृद्धिको लागि वन परियोजना, प्रादेशिक परियोजना व्यवस्थापन इकाई बुटवलबाट संचालित तालिम गोष्ठीमा सहभागी भएका सहभागीको विवरण**

| सि. नं. | कार्यक्रमको विवरण | जम्मा | पुरुष | महिला | खस आर्य | आ/ज | दलित | मधेसी | मुस्लिम | अन्य |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | निर्देशनालय र डिवका लेखा शाखामा कार्यरत कर्मचारीहरुको लागि लेखा व्यवस्थापन र वन व्यवस्थापन अनुदान प्रकृया तालिम | ३० | २८ | २ | २६ | २ | ० | २ | ० | ० |
| २ | कृषि विकास बैंकका फोकल पर्सनहरु लाई लोन प्रोड्कट, परियोजना वातावरणीय तथा सामाजिक मापदण्ड, प्रारम्भिक छनौट (Screening), गुनासो व्यवस्थापन सम्बन्धी अभिमुखीकरण तालिम | १७ | ११ | ६ | १४ | २ | ० | १ | ० | ० |

| सि. नं. | कार्यक्रमको विवरण | जम्मा | पुरुष | महिला | खस आर्य | आ/ज | दलित | मधेसी | मुस्लिम | अन्य |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३ | प्रदेश तथा स्थानीय तहको वार्षिक योजना तर्जुमा तथा समिक्षा गोष्ठी | ७१ | ५९ | १२ | ५६ | ९ | ० | ६ | ० | ० |
| ४ | विमा दायित्व सम्बन्धी सचेतना कार्यक्रम | २१५ | १३४ | ८१ | ९३ | ८५ | १२ | ४ | ० | २१ |
| ५ | उद्यमी तथा वित्तिय संस्थाका कर्मचारीहरुका लागी वनमा आधारीत उद्यम विकास सम्वन्धी क्षमता अभिबृद्धि तालिम | ५८ | २३ | ३५ | १७ | २८ | ० | १३ | ० | ० |
| ६ | सरोकारवाला निकायहरुको समन्वय बैठक | २८ | २८ | ० | २० | ४ | १ | २ | १ | ० |
| ७ | प्रदेश स्तरीय वन व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्यशाला गोष्ठी (डि.व.अ./वन अधिकृत समेतको) | १३२ | ११३ | १९ | ८४ | ३० | ० | १८ | ० | ० |
| ८ | वातावरण तथा सामाजिक जोखिम Due Deligence र जोखिम व्यस्थापन योजना तयारी | ४१ | ३६ | ५ | १९ | १८ | २ | १ | १ | ० |
| ९ | वातावरणीय तथा सामाजिक व्यवस्थापन प्रारुप एवं लैंगिक समता, सामाजिक सुरक्षा तथा सामाजिक समावेशीकरण सम्वन्धी क्षमता अभिबृद्धि | ६१ | ५६ | ५ | ४५ | ७ | १ | ७ | १ | ० |
| १० | वन पैदावार (काष्ठ तथा गैह काष्ठ) हार्वेष्टिङ सम्वन्धि क्षमता अभिवृद्धि तालिम | ३२ | २८ | ४ | ९ | १७ | ४ | २ | ० | ० |
| ११ | वनमा आधारित उद्योग संग सम्बन्धित श्रमिकहरुको पेशागत स्वास्थ्य तथा सुरक्षा सम्वन्धी क्षमता विकास कार्यक्रम | २६९ | १५१ | ११८ | १५१ | ६६ | २७ | १३ | ५ | ७ |
| १२ | परियोजना सम्वन्धी सामग्रीहरु प्रकाशन र वितरण तथा वेव साईट संचालन | ४७ | २६ | २१ | १९ | २५ | ० | २ | १ | ० |
| १३ | वातावरणीय तथा सामाजिक व्यवस्थापन योजना कार्यान्वयन सम्वन्धि समिक्षा बैठक । | ६४ | ५९ | ५ | ४७ | १३ | १ | २ | १ | ० |
| १४ | टिम विल्डिङ गोष्ठी (पालिका, मन्त्रालय, वन निर्देशनालय/पिपिएमयू समेत) | ५४ | ४२ | १२ | ४२ | ८ | ० | ४ | ० | ० |
| १५ | वनमा आधारीत उद्यमी, वन समुह, तथा वन कर्मचारीलाई, श्रमिक ऐन पेशागत स्वास्थ्य तथा सुरक्षा सम्बन्धी सचेतना कार्यक्रम | ३६ | ३५ | १ | १७ | १३ | ० | ५ | १ | ० |
| १६ | वन पैदावारमा आधारीत यूवा उद्यमी एवम कामदारहरुका लागि थप सीप विकास (Value addition Skill dev.Trg.) तालिम | ४० | १८ | २२ | २२ | ९ | ६ | ३ | | |
| १७ | वन पैदावारमा आधारीत यूवा उद्यमी एवम कामदारहरुका लागि थप सीप विकास (Value addition Skill dev.Trg.) तालिम | ४० | ३८ | २ | १५ | १५ | ७ | ३ | ० | ० |
| जम्मा | | १२३५ | ८८५ | ३५० | ६९६ | ३५१ | ६१ | ८८ | ११ | २८ |

# अनुसूची १

## वन निर्देशनालयबाट प्रदान गरिने सेवा (नागरिक वडापत्र)

| प्रदान गरिने सेवाको किसिम | सेवा प्राप्त गर्न पेश गर्नुपर्ने बिवरण | सेवा प्राप्त गर्न लाग्ने | | सेवा दिने शाखा/ कर्मचारी |
|---|---|---|---|---|
| | | शुल्क | समय | |
| कार्ययोजना स्वीकृत गर्ने<br>(वन पैदावर आपुर्ति समिति,साझेदारी वन व्यवस्थापन,जडिबुटी व्यवस्थापन योजना, साझेदारी तथा चक्ला वन क्षेत्र भित्र भएर बग्ने खोला खोल्सीहरुको खोलाखोल्सी व्यवस्थापन कार्ययोजना) | साझेदारी वनको हकमा वन तथा वातावरण मन्त्रालयको सहमति सहित र अन्यको हकमा डिभिजनल वन अधिकृतको एकिन राय सहितको सिफारिस | निः शुल्क | १५ दिन | वन व्यवस्थापन तथा सूचना शाखा |
| प्रचलित कानुन विपरित कार्य गरेमा साझेदारी वन समुह विघटन गर्ने धार्मिक/ सामुदायिक वन फिर्ता लिने निर्णयको पुनरावेदन सुन्ने | छानविन प्रतिवेदन तथा सिफारिस / निवेदन | निः शुल्क | १५-३५ दिन | वन व्यवस्थापन तथा सूचना शाखा |
| सरकारद्वारा व्यवस्थित वन र साझेदारी वनको काठ दाउरा संकलन तथा वन क्षेत्र अन्य प्रयोजनका लागि उपलब्ध गराइएका क्षेत्रहरूको रुख हटाउने प्रकृयामा तोकिएको कार्यहरु गर्ने (छपान निरिक्षण, घाटगद्दी निरिक्षण, प्लटको अन्तिम चेकजाँच लगायतका कार्य) | डि.व.का. बाट पेश भएका कागजात | निः शुल्क | १५ दिन | वन व्यवस्थापन तथा सूचना शाखा |
| प्रदेशस्तरमा नदी प्रणालीहरुको जलाधार क्षेत्रको संरक्षण, सम्बर्धन र वातावरणीय स्वच्छता सम्वन्धि नीति, योजना तर्जुमा गर्ने गराउने, भूस्खलन संग सम्वन्धित जोखिमयुक्त बस्ती पुर्वाधार क्षेत्र, सिमसार, ताल तलैयाहरुको संरक्षण, सम्बर्धन सम्वन्धि कार्य गर्ने गर्ने | भू-तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालयहरुबाट पेश भएका कागजातहरु | निः शुल्क | १५ दिन | भू-तथा जलाधार व्यवस्थापन तथा समन्वय शाखा |
| डिभिजन वन कार्यालयबाट लिलाम बिक्रि भएको काठ दाउरा घाटगद्दीबाट उठाउने म्याद तथा प्लट कटानको म्याद थप गर्ने | डिभिजनल वन अधिकृत को सिफारिस सहितका कागजात | निः शुल्क | ७ दिन | वन व्यवस्थापन तथा सूचना शाखा |
| विपद्जन्य कारणले क्षति हुन पुगेको वन पैदावार संकलनको सिफारिस | डिभिजनल वन अधिकृतले आवश्यक प्रकृया पुऱ्याई पेश भएको प्रमाण | निः शुल्क | ७ दिन | वन व्यवस्थापन तथा सूचना शाखा |

| प्रदान गरिने सेवाको किसिम | सेवा प्राप्त गर्न पेश गर्नुपर्ने बिवरण | सेवा प्राप्त गर्न लाग्ने | | सेवा दिने शाखा/ कर्मचारी |
|---|---|---|---|---|
| | | शुल्क | समय | |
| वर्ड स्यान्चुरी तथा जैविक मार्गमा अध्ययन अनुसन्धानको लागि अनुमति दिने | डिभिजन वन कार्यालयको सिफारिस सहितका कागजातहरू | नियमानुसार | ७ दिन | योजना तथा अनुगमन शाखा |
| अन्य प्रयोजनका लागि उपलब्ध गराइने वन क्षेत्र सम्बन्धी कार्य | डिभिजन वन कार्यालय / फिल्ड कार्यालयबाट आवश्यक कागजात/सिफारिस | निः शुल्क | १५ दिन | वन तथा वन्यजन्तु संरक्षण शाखा |
| अन्य प्रशासनिक विषय | लिखित/मौखिक अनुरोध | निः शुल्क | सेवाको प्रकृति अनुसार | प्रशासन शाखा |
| आर्थिक प्रशासन सम्बन्धि विषय | लिखित अनुरोध | निः शुल्क | सेवाको प्रकृति अनुसार | लेखा शाखा |

## अनुसूची २

## स्थापनाकाल देखि हालसम्मका प्रदेश वन निर्देशक/महानिर्देशकहरुको विवरण

| सि. नं. | नाम, थर | कार्यरत अवधि | |
|---|---|---|---|
| | | देखि | सम्म |
| १ | बलिराम पण्डित | १२/०७/२०७५ | २८/०४/२०७६ |
| २ | जगदिश प्रसाद गुप्ता | ०५/०५/२०७६ | ०१/०७/२०७६ |
| ३ | इन्द्र बहादुर प्रछाई | ०७/०९/२०७६ | ०३/०२/२०७९ |
| ४ | जीवन पगेनी | ०४/०२/२०७९ | २३/०६/२०७९ |
| ५ | बोधराज सुवेदी | २४/०६/२०७९ | ०५/०८/२०७९ |
| ६ | जीवन पगेनी | २६/०८/२०७९ | ०२/०१/२०८० |
| ७ | दधिलाल कँडेल | ०३/०१/२०८० | ३०/०६/२०८१ |
| ८ | यज्ञमूर्ति खनाल | ०१/०७/२०८१ | २१/०९/२०८१ |
| ९ | अजीत कुमार कर्ण | २२/०९/२०८१ | २२/१०/२०८१ |
| १० | यज्ञमूर्ति खनाल | २३/१०/२०८१ | १०/०१/२०८२ |
| ११ | प्रभात सापकोटा | ११/०१/२०८२ | १७/१२/२०८२ |
| १२ | इश्वरी प्रसाद पौडेल | १८/१२/२०८२ | - |

# अनुसूची ३

## आ.व.२०८२/०८३मा यस कार्यालयमा कार्यरत कर्मचारीहरुको विवरण

| क्रसं | कर्मचारीको नाम, थर | पद | श्रेणी/तह | सेवा/समूह | मोबाईल नं. | इमेल | कै |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | इश्वरी प्रसाद पौडेल | महानिर्देशक | एघारौं तह | वन/ज.फ. | ९८५७०१७४१० | Poudel.01@gmail.com | |
| २ | प्रभात सापकोटा | नि. महानिर्देशक | अ.दशौं | वन/ज.फ. | ९८४६०४९११२ | sapkotaprabhat@gmail.com | |
| ३ | डिलाराम पौडेल | वरिष्ठ वन अधिकृत | आठौं तह | वन/ज.फ. | ९८५७०७८८८० | drpoudel27@gmail.com | |
| ४ | जीतेन्द्र सिंह खड्का | वरिष्ठ वन अधिकृत | आठौं तह | वन/ज.फ. | ९८६४४५३०९३ | khadkajitendra2029@gmail.com | |
| ५ | संदीप बासुकला | वरिष्ठ वन अधिकृत | आठौं तह | वन/ज.फ. | ९८५१२३९०२१ | mus.sandee@gmail.com | |
| ६ | सरोज पोखरेल | वरिष्ठ भू-संरक्षण अधिकृत | आठौं तह | वन/स्वा. | ९८५७०१७७०७ | saroj.pokhrel8@gmail.com | |
| ७ | लक्ष्मण लम्साल | वरिष्ठ शाखा अधिकृत | आठौं तह | प्र./सा.प्र. | ९८४७०६५९२७ | | |
| ८ | हमलाल गैरे | अधिकृत | अ. छैठौं | प्र./सा.प्र. | ९८४४०२१५२६ | | |
| ९ | जनक अर्याल | अधिकृत (लेखा) | छैटौं तह | प्र./लेखा | ९८५७०४५१०१ | | |
| १० | टिकाराम अर्याल | रेन्जर | पाँचौ तह | वन/ज.फ. | ९८४९६६७७३२ | facttikaram@gmail.com | |
| ११ | प्रतिक्षा काफ्ले | भू-संरक्षण सहायक | पाँचौ तह | वन/ज.फ. | ९८६७२६०६१६ | pkaphle2082@gmail.com | |
| १२ | काजल यादव | रेन्जर | पाँचौ तह | वन/ज.फ. | ९७०९१२९६६९ | yadavkajal02377@gmail.com | |
| १३ | राधा पाण्डेय | वरिष्ठ फरेष्टर | पाँचौ तह | वन/ज.फ. | ९८४६३८९८३२ | radhapandey832@gmail.com | |
| १४ | निर्मला खड्का खत्री | कम्प्यूटर अपरेटर | पाँचौ तह | विविध | ९८४११०८९२३ | nirukhadka1333@gmail.com | करार |
| १५ | रामआज्ञा यादव | ह.स.चा. | श्रेणी विहिन | प्र./सा.प्र. | ९८१७४५५८४४ | | करार |
| १६ | लक्ष्मण यादव | ह.स.चा. | श्रेणी विहिन | प्र./सा.प्र. | ९८१७४१३२८४ | | करार |
| १७ | पेमा राना | कार्यालय सहयोगी | श्रेणी विहिन | प्र./सा.प्र. | ९७६९३००२४३ | | करार |
| १८ | राजकुमारी श्रेष्ठ | कार्यालय सहयोगी | श्रेणी विहिन | प्र./सा.प्र. | ९८४७०९१३५८ | | करार |
| १९ | रन्जीत चौधरी | कार्यालय सहयोगी | श्रेणी विहिन | प्र./सा.प्र. | ९८१४४५८२६३ | | करार |
| २० | पुष्पराज चौधरी | कार्यालय सहयोगी | श्रेणी विहिन | प्र./सा.प्र. | ९८४७००६४३३ | | करार |

# अनुगमन तथा निरीक्षणका स्थलगत तस्विर तथा डिभिजन वन कार्यालयबाट प्राप्त तस्विरहरु



मानव वन्यजन्तु द्वन्द्व न्युनीकरणका लागि वन क्षेत्र र आवादी विच तारवार-सहमति सा.व. बर्दिया



वन्यजन्तुका लागि पोखरी निर्माणः सहमति सा.व. बर्दिया



वन डढेलो नियन्त्रण सम्बन्धी सरोकारवालाहरुसँग छलफल/सचेतना गोष्ठी बर्दिया



तारबारबाट सुरक्षित घरगोठ निर्माण बर्दिया



कार्यालय परिसर सौन्दर्यीकरणः डि.व.का. बर्दिया




सार्वजनिक स्थल गाउँ नगर सरसफाई कार्यक्रमः बारबर्दिया



कार्यालय सौन्दर्यीकरण बाँके



बाके डि व का को भवन निर्माण अन्तिम चरणमा




होर्डिङ्ग बोर्ड निर्माण बाकें




सर्वोदय सा व उ स गढवा गा पा ६ दाङको वृक्षारोपण क्षेत्र




संरक्षण पोखरी निर्माण दाङ




गढवा गाउँपालिका ६ खबरी बाट बरामद भएको पाटे बाघको छाला दाङ



रासि स.डि.व.का निर्माण सम्पन्नको चरणमा



डिफोलियटर र वनमा यसको प्रभाव दाङ (दाङ)



वन नर्सरी दाङ (दाङ)



संरक्षण पोखरी निर्माण दाङ (दाङ)



बृक्षारोपण दाङ (दाङ)



वन क्षेत्रको जग्गा अतिक्रमण गरि पक्की घरटहरा निर्माण हटाईएको १५ हे. अतिक्रमण हटाएर वृक्षारोपण गरिएको, बुद्धभूमी ९, जनता सा.व. कपिलवस्तु (गौतमबुद्ध)



वन क्षेत्र भित्रका खोलाखोल्सी व्यवस्थापन कार्य सुरही खोला



घाटगद्दी निर्माण-गौतमबुद्ध साझेदारी वन. कपिलवस्तु (गौतमबुद्ध)



वृक्षरोपण कपिलवस्तु (गौतमबुद्ध)



अग्नि रेखा निर्माण-गौतमबुद्ध साझेदारी वन कपिलवस्तु (गौतमबुद्ध)



काठ दाउरा उत्पादन कपिलवस्तु (कपिलवस्तु)



नरम प्रजातीका काठ राख्ने डिपो — श्रृंगीघाट सा.व. कपिलवस्तु (कपिलवस्तु)



अतिक्रमण नियन्त्रण पटना कपिलवस्तु (कपिलवस्तु)



आपुर्ति समिति मार्फत काठको घर कपिलवस्तु (कपिलवस्तु)



लुम्बिनी साझेदारी वनमा नरम प्रजातिका काठ भण्डारणको लागि ट्रस निर्माण रुपन्देही



आनन्दवन सामुदायिक वनमा जलाशय निर्माण रुपन्देही



सरहन कालिका सा.व.मा गरिएको मेसजालीको तारवार



गैडहवा ८ को सार्वजनिक पर्ति जग्गा भित्र रहेको ६५ सिसौको रूख् रुपन्देही



डि.व.का.मा रहेको वन्यजन्तु उद्दार केन्द्र रुपन्देही



देवदह न.पा. १० बाट किङकोब्राको उद्धार कार्य रुपन्देही



विरुवा उत्पादनः बडेरा नर्सरी नवलपरासी (ब.सु.प.)



वृक्षारोपण कार्यक्रमः पारिजात सा.व.बर्दघाट-०२ नवलपरासी (ब.सु.प.)



सर्प उद्धारः राजगोमन नवलपरासी (ब.सु.प.)




कार्यालय सौन्दयकरण नवलपरासी (ब.सु.प.)



रेसुङ्गा मन्दिर जाने बाटोमा वाल पेन्टिङ्ग गुल्मी



सिलादी वन नर्सरी गुल्मी



सल्लाको वन व्यवस्थापन गुल्मी



झाडी सफाई गौछारे सा व गुल्मी




स्कुल क्षिक्षा कार्यक्रम भागवती मा वि गुल्मी



हरियाली सा वमा वृक्षारोपण कार्यक्रम गुल्मी




कार्यालय परिसर सौन्दयकरण गुल्मी



स्वर्गद्वारी नगरपालिका ९ मा चिउरी पेल्ने कोल स्थापना प्यूठान



टिमुर खेति विकास तथा प्रवर्धन कार्यक्रम माण्डवी गा.पा. ५ प्यूठान



गौमुखी क्षेत्र पर्यापर्यटन तथा संरक्षित वन विकास कार्यक्रम पोखरी स्तरउन्नती



अग्निरेखा सरसफाई तथा ज्वलनशिल प्रदार्थको व्यवस्थापन रोल्पा



सुधारिएको घाटगद्दी प्यूठान



नक्षत्र वाटिका निर्माण स्वर्गद्वारी मन्दिर प्यूठान



डढेलो नियन्त्रण सम्बन्धी अनुशिक्षण तथा Mock Drill रोल्पा



जिल्ला वन सुरक्षा समितिको बैठक रोल्पा



विरुवा उत्पादन रोल्पा



चिन्नेथान रावन, रून्टिगढि-५ मा सम्बर्धन प्रणालीमा आधारित दिगो वन व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्ययोजना कार्यान्वयन अन्तर्गत कटान तथा घाटगद्दी व्यवस्थापन रोल्पा



दुइखोला सा.व., परिवर्तन ३, रोल्पाको वृक्षरोपण



घाईते रतुवाको उद्धार रोल्पा



विश्व वातावरण दिवस –२०८३ रोल्पा







प्रकाशन भएका प्रचार प्रसार सामाग्रीहरू रोल्पा




सामुदायिक वनमा पातपतिङ्गर संकलन गरी प्राङ्गारिक मल बनाउने उद्यम संचालन अर्घाखाँची



रिचार्ज पोखरी निर्माण अर्घाखाँची



बन डढेलो नियन्त्रणको लागि पानी टयाकी खरिद




डोन बाट डढेलो निगरानी




बादर हेरालू परिचालन अर्घाखाँची

## भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालय, अर्घाखाँची



धाराखोला गिदेनी मुहान संरक्षण, अर्घाखाँची



कालिका आधारभूत विद्यालय संरक्षण गुल्मी



सिम्पानी पहिरो नियन्त्रण, ईस्मा गुल्मी



खर्ज्याङ्ग खोला तटबन्ध गुल्मी



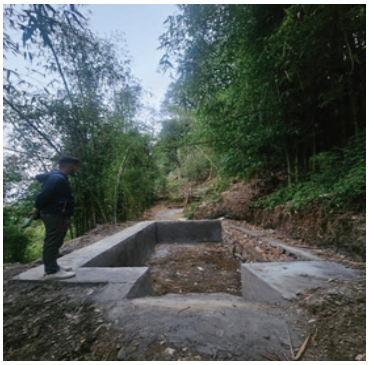
कपिल आरोग्य नदिकिनार तटबन्ध वाणगंगा, कपिलवस्तु



नन्दनगरधामको पोखरि व्यवस्थापन, कपिलवस्तु



रिचार्ज पोखरी निर्माण



रिचार्ज पोखरी निर्माण



पहिरो नियन्त्रण गुल्मी



वनवाटिका पार्क निर्माण कपिलवस्तु



सारङ्गपोखरा पोखरी संरक्षण, अर्घाखाँची



भेडिखोर पहिरो नियन्त्रण गुल्मी



सिचाई कुलो निर्माण





कपनपानी पहिरो संरक्षण मालारानी ७ अर्घाखाँची

## भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालय, पाल्पा



रिचार्ज पोखरी निर्माण



गल्छी उपचार



पहिरो उपचार



खहरे नियन्त्रण तथा खोला किनारा संरक्षण

## भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालय, रोल्पा





दाप्चागहसरा पहिरो नियन्त्रण  सुनिलस्मृति गा पा ३ रोल्पा





बाग्दुला देखी झोलुङ्गेपुल भू संरक्षण प्यूठान न पा ०८ प्यूठान





जुरेढुँगा देखि मसानघाटसम्म भू संरक्षण, प्यूठान न.पा. ०८, प्यूठान





सिस्ने ४ रुकुम पुर्व स्किम नं ४ सेपे छहरा खानेपानीमा पहिरो नियन्त्रण





तेह्रकुने दह व्यवस्थापन परिवर्तन गा.पा. ४ पाछावाङ्, रोल्पा





मौरीखोला पानीमुहान संरक्षण, रोल्पा न.पा. १०, रोल्पा




पुपाल दह संरक्षण तथा तटबन्धन,पुथाउत्तरगंगा गा पा ०१ रुकुम पुर्व




लामासेरा बस्ती पहिरो नियन्त्रण, झिमरुक गा.पा. ०३, प्यूठान




स्वच्छ वातावरण एवम् कार्यालय परिसर सौन्दर्यीकरण (कार्यालय)

## भू तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालय, तुलसीपुर, दाङ



कोहलपुर न.पा. १३, बाँके



चेकड्याम निर्माण तुलसीपुर उ.म.न.पा. १५, दाङ



मन्द्रेनी खोला तटबन्धन निर्माण (१५३ न.), गढवा गा.पा. ०२, दाङ



बगाले खोला माझ खोला तटबन्धन निर्माण (३० न.) घोराही उ.म.न.पा. ११, दाङ



डुडुवा खोला तटबन्धन निर्माण (४३ न.) कोहलपुर न.पा. १०, बाँके



ओरही नदी तटबन्धन निर्माण मधुवन न.पा. ०९, बर्दिया



जेन जी आन्दोलनबाट क्षतिग्रस्त भवन



समृद्धिका लागि वन परियोजनाबाट
भवन मर्मत सुधार पश्चात्



वातावरणीय तथा सामाजिक सुरक्षा सम्बन्धी समिक्षा
गोष्ठी लमही दाङ



वातावरणीय तथा सामाजिक सुरक्षा सम्बन्धी समिक्षा
गोष्ठी बुटवल




तेस्रो वन सम्वर्द्धन गोष्ठी बुटवल रुपन्देही